जबलपुर गुरुवार 30 अप्रैल 2026 > शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी विक्रम संवत 2083

वर्ष 31 अंक 303 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

विनेश फोगाट कुश्ती में वापसी पर 57किग्रा वर्ग में उतरेंगी

▶▶ 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 40.8°C
न्यूनतम तापमान 28.4°C
सूर्योदय - 5.37 | सूर्यास्त - 6.37

फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन ▶▶ 2

सीता- द इनकार्नेशन : 5 साल से रिलीज ▶▶ 7

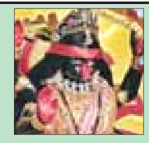

बोदरी में माँ महाकाली प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद्भागवत ज्ञान ▶▶ 8

चुनावी राज्यों में क्या कह रहे एग्जिट पोल के नतीजे

बंगाल: 5 में बीजेपी सरकार, 2 में 'दीदी' दमदार

केरलम में एलडीएफ को झटका, असम में भाजपा, तमिलनाडु में भाजपा की वापसी

नई दिल्ली/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 7 बजे तक के आकड़ों के मुताबिक, 91.79 प्रतिशत वोटिंग हुई है। यह और बढ़ सकता है। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और ईवीएम से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आईं। नॉर्थ 24 परगना के अरविंद रैली में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प हुई। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर मुक्के, लाठियों से हमले किए। टीएमसी ने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ के हमले से हावड़ा के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि बुजुर्ग अपने बेटे के साथ वोट डालने गए थे। केंद्रीय बलों ने उन्हें धक्का दिया और मारपीट की। बुजुर्ग को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आज जिन 142 सीटों पर चुनाव हुए हैं, उनमें से 123 सीटों पर टीएमसी ने 2021 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93 प्रतिशत मतदान हुआ था। 4 मई को बंगाल विधानसभा की सभी 254 सीटों के रिजल्ट आएंगे। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचरी में वोटिंग पूरी हो गई है। जनता के वोट ईवीएम में कैद हो गए हैं, लेकिन इन विधानसभा चुनावों का परिणाम सोमवार, 4 मई को घोषित किया जाएगा। पश्चिम बंगाल में बुधवार 29 अप्रैल को दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के समाप्त होने के साथ ही एग्जिट पोल सामने आ रहे हैं।

केरलम में सत्ता परिवर्तन

एक्सिस माइ इंडिया, मैट्रिज और जेवीसी जैसे सर्वे में यूडीएफ को 70 से 90 सीट तक का अनुमान है, जो बहुमत 71 के आसपास या उससे ऊपर है। एलडीएफ को 49 से 69 सीट मिलने की संभावना है, जिससे उसकी वापसी मुश्किल लग रही है। एनडीए की स्थिति कमजोर बनी हुई है और उसे 0 से 14 सीट के बीच ही सीमित रखा गया है। पीपुल्स इनसाइट और पीएमएआरक्यू के आंकड़े भी इसी ट्रेंड को मजबूत करते हैं।

पुडुचेरी में फिर एनडीए सरकार

- ▶▶ जीनिया के सर्वे के अनुसार एनडीए को 14 से 18 सीटें मिल सकती हैं, वहीं कांग्रेस और डीएमके गठबंधन को 7 से 11 सीटें मिल सकती हैं। छोटे दल और निर्दलीय उम्मीदवार भी 2 से 4 सीटों पर असर डाल सकते हैं।
- ▶▶ जेवीसी एग्जिट पोल के मुताबिक एनडीए को 15 से 17 सीटें मिल सकती हैं। वहीं कांग्रेस गठबंधन को 11 से 13 सीटें और टीवीके को 1 से 2 सीट मिलने का अनुमान है।
- ▶▶ पीपुल्स पल्स के सर्वे में एनडीए को 16 से 19 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं कांग्रेस को 10 से 12 सीटें और अन्य को 1 से 2 सीट मिल सकती हैं।
- ▶▶ एक्सिस माइ इंडिया के अनुमान में एनडीए को 16 से 20 सीटें और कांग्रेस को 6 से 8 सीटें मिलती दिख रही हैं।

बंगाल: 7 एग्जिट पोल में से 5 में भाजपा सरकार

पश्चिम बंगाल में 7 एग्जिट पोल के नतीजे आ चुके हैं। 5 में भाजपा और दो में टीएमसी सरकार बनने का अनुमान जताया गया है।

- ▶▶ मैट्रिज के एग्जिट पोल में टीएमसी को 125 से 140 और भाजपा को 146 से 161 सीटें मिलने का अनुमान है।
- ▶▶ चाणक्य स्ट्रैटजी ने टीएमसी को 130 से 140 और भाजपा को 150 से 160 सीटें मिलने का अनुमान जताया है।
- ▶▶ पीपल्स पल्स ने टीएमसी को 177 से 187 और भाजपा को 95 से 110 सीटें मिलने की बात कही है।
- ▶▶ प्रजा पोल ने टीएमसी को 85 से 110 और भाजपा को 178 से 200 सीटें मिलने की बात कही है।
- ▶▶ पी-मार्क के एग्जिट पोल में टीएमसी को 118 से 138 और भाजपा को 150 से 175 और सीटें दी गई हैं।
- ▶▶ पोल डायरी ने टीएमसी को 99 से 127 और भाजपा को 142 से 171 सीटें मिलने की बात कही है।
- ▶▶ जनमत पोल्स के एग्जिट पोल में टीएमसी को 195 से 205 और भाजपा को 80 से 90 और सीटें दी गई हैं।

असम: 8 एक्जिट पोल में भाजपा राज

- ▶▶ एक्सिस माय इंडिया ने भाजपा को 88-100, जबकि कांग्रेस को 24-36 सीटें मिलने का अनुमान जताया है।
- ▶▶ मेट्रिज ने भाजपा को 85-95 और कांग्रेस को 25-32 सीटें दी हैं।
- ▶▶ पीपुल्स पल्स ने भाजपा को 68-72 और कांग्रेस को 22-26 सीटें दी हैं।
- ▶▶ पी-मार्क ने भाजपा को 82-94 और कांग्रेस को 30-40 सीटें दी हैं।
- ▶▶ जेवीसी ने भाजपा को 88-101 और कांग्रेस को 23-33 सीटों का अनुमान जताया है।
- ▶▶ चाणक्य स्ट्रैटजी ने भाजपा को 88-98 और कांग्रेस को 22-32 सीटें मिलने की बात कही है।
- ▶▶ पोल डायरी ने भाजपा को 86-101 और कांग्रेस को 15-26 सीटें मिलने का अनुमान जताया है।
- ▶▶ वोट वाइब ने भाजपा को 90-101 और कांग्रेस को 23-33 सीटें दी हैं।

तमिलनाडु: डीएमके+ की वापसी

- ▶▶ मैट्रिज ने डीएमके+ को 122-132, एआईएडीएमके+ को 87-110 सीटें मिलने का अनुमान जताया है।
- ▶▶ पी-मार्क ने डीएमके+ को125-145, एआईएडीएमके+ को 65-85 सीटें दी हैं।
- ▶▶ पीपल्स इनसाइट ने डीएमके+ को 120-140, एआईएडीएमके+ को 60-70 सीटें दी हैं।
- ▶▶ जेवीसी- टाइम्स नाउ डीएमके+ को 75-95 एआईएडीएमके+ को 128-147 सीटें दी हैं।
- ▶▶ पीपल्स पल्स ने डीएमके+ को 125-145 एआईएडीएमके+ को 65-80 सीटें मिलने की अनुमान जताया है।

दिल्ली हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई में कई बार चला अश्लील वीडियो

स्क्रीन पर दिखा हैक का मैसेज, चीफ जस्टिस ने बंद की सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को वर्चुअल सुनवाई के दौरान अश्लील वीडियो चल गया। उस वक्त चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस खरिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। यह मामला दोपहर 12.56 बजे का है। यह साफ नहीं हुआ है कि वारदात के वक्त बेंच किस मामले में सुनवाई कर रही थी। जैसे ही पोर्न वीडियो चला, फौरान सुनवाई रोक दी गई। कुछ मिनट बाद सुनवाई दोबारा शुरू हुई, फिर पोर्न वीडियो चलने लगा। मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट को दी गई है। वर्चुअल सुनवाई के दौरान कई लोग जुड़े हुए थे। इनमें एक क्षितिजीत सिंह थे। शुरुआती पूछताछ में क्षितिजीत ने दावा किया कि उसका अकाउंट अमेरिका से हैक किया गया था। उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि सुनवाई के दौरान वह अश्लील वीडियो कैसे चला। बुधवार को सुनवाई के दौरान वीडियो चलने के बाद 'आपका सिस्टम हैक हो गया है', का मैसेज भी स्क्रीन पर दिखाई दिया। दो बार पोर्न वीडियो चला और तीसरी बार म्यूजिक वीडियो चला। कोर्ट में 100 से ज्यादा जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी। ये मामला उसी दौरान समाने आया। मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर रजिस्ट्रार जनरल को आवश्यक निर्देश दिए गए। अदालत की कार्यवाही रिकॉर्ड करना नियमों के विरुद्ध है। यदि किसी ने रिकॉर्डिंग की है तो कार्रवाई करेंगे।

AI जनरेटेड

धार में पिकअप पलटा, 14 की मौत

धार

जिले के तिरला थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सनसनी फैला दी। इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिकलिया फाटे के पास मजदूरों से भरी पिकअप वाहन और स्कॉर्पियो के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में अब तक दो बच्चों समेत 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 13 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसा रात करीब साढ़े 8 बजे हुआ। पिकअप में क्षमता से अधिक 30 से 35 मजदूर सवार थे। पिकअप ने एक स्कॉर्पियो को भी टक्कर मारी। पिकअप पलटते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, कई घायलों की गंभीरता को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। धार के दीपक मेड़ा ने बताया कि इस हादसे में उनके परिवार के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक सदस्य अब भी लापता है। उनके अनुसार, नवापुरा निवासी उनकी बहन सुनीता और भांजी की दुर्घटना में जान चली गई। सभी लोग मजदूरी कर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है और परिजन सदमे में हैं। डॉ. छत्रपाल सिंह के मुताबिक हादसे में 12 से 14 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में 4-5 बच्चे और करीब 5 महिलाएं शामिल हैं। वहीं 35 लोग गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं।

90 दिन की सीमा, 720 दिन में भी सप्रे पर फैसला क्यों नहीं?

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हाईकोर्ट ने कहा है कि दलबदल मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने 90 दिन के भीतर निर्णय देने की समय सीमा तय की है। इसके बावजूद 720 दिन में भी बीना विधायक निर्मला सप्रे के मामले का निराकरण क्यों नहीं हो पाया? चीफ जस्टिस संजीव कुमार सचदेवा ने बुधवार को सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता प्रशांत सिंह से कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के संज्ञान में लाएं। अगली सुनवाई के लिए 18 जून की तारीख तय की गई है। इससे पहले अदालत ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सप्रे की विधायकी शून्य करने की मांग पर संबंधित पक्ष से जवाब मांगा। इस पर महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने बताया कि मामले की विधिवत सुनवाई स्पीकर तोमर द्वारा की जा रही है। सिंघार द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की जांच की प्रक्रिया जारी है। वहीं, सिंघार के वकील विभोर खंडेलवाल ने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय 90 दिन की समय सीमा का पालन सुनिश्चित कराया जाए।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को समर्पित किया गंगा एक्सप्रेसवे

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया, जिसे राज्य की 'लाइफलाइन' बताया जा रहा है। यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ते हुए यात्रा समय को घटाकर लगभग 6 घंटे कर देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विकास का नया विजन है।

धार भोजशाला विवाद: मलबे से बनी है मस्जिद, मंदिर तोड़ने का कोई प्रमाण नहीं

हाई कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की दलील

इंदौर। धार स्थित भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने के लिए मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में चल रही याचिकाओं में बुधवार को भी सुनवाई जारी रही। मस्जिद पक्ष के वकीलों ने तर्क रखते हुए कहा कि ऐसा कोई साक्ष्य रिकार्ड पर उपलब्ध नहीं है जिससे साबित हो कि मस्जिद बनाने के लिए मंदिर को तोड़ा गया था। सौ वर्ष से अधिक समय तक धार पर मुस्लिम शासकों का शासन रहा। इस दौरान उन्होंने कई इमारतों का निर्माण कराया, जिसमें पुरानी इमारतों के मलबा का उपयोग हुआ। निर्माण स्थानीय कारीगरों द्वारा किया गया था और यह बात मस्जिद में नजर आ भी रही है। मस्जिद में 700 वर्ष से अधिक समय से नमाज पढ़ी जा रही है। राजस्व रिकार्ड में भी धार के सर्वे नंबर 313 पर मस्जिद ही है। मस्जिद पक्ष ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप भी लगाया। कहा कि भोजशाला को लेकर चल रही याचिकाओं में एएसआई अलग-अलग जवाब दे रहा है। मस्जिद में अगर संस्कृत में लिखे श्लोक मिले हैं तो अरबी में लिखी बातें भी मिली हैं। कोर्ट का समय समाप्त होने से मस्जिद पक्ष के तर्क अधूरे रहे। सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी। कोर्ट ने एएसआई के वकील से कहा है कि मस्जिद पक्ष के तर्क सुनने के बाद वे अपने तर्क रखें। बुधवार दोपहर ठीक 2.30 बजे भोजशाला मामले में सुनवाई शुरू हुई। एडवोकेट वारसी ने मस्जिद पक्ष की ओर से तर्क रखते हुए कहा कि हमने याचिका में परिसर में पूजा पर रोक लगाने और धार्मिक सद्भाव बनाए रखने की मांग की है। भोजशाला को लेकर चल रही याचिकाओं में हमने एएसआइ के विरुद्ध कोई राहत नहीं मांगी है, बावजूद इसके एएसआई दोहरा मापदंड अपना रहा है। अब एएसआई गुरुवार को अपना पक्ष कोर्ट के सामने रख सकती है।

सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आस्था और विवेक के मामलों पर कोर्ट में बहस नहीं हो सकती

नई दिल्ली

केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने एडवोकेट इंदिरा जयसिंह की दलीलों के जवाब में कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। आस्था और विवेक के मामलों पर कोर्ट में बहस नहीं हो सकती। एडवोकेट जयसिंह ने सुनवाई के 10वें दिन कहा कि सबरीमाला मंदिर में एंट्री का फैसला अब भी लागू है। इस पर स्टे नहीं है लेकिन मंदिर में प्रवेश नहीं मिल रहा है। जयसिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इसकी रिव्यू पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है। हालांकि, कोर्ट कभी यह तय नहीं करता कि धर्म में क्या जरूरी है या और क्या नहीं। इसका फैसला तो धर्म ही करता है। इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टकिल 25 और 26 आए हैं। इस पर जयसिंह ने कहा कि इस पर डिबेट हो सकती है। यह क्लीन स्लेट है। सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

'ये विनाश है...विकास नहीं'

राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को बताया घोटाला

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने इस मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को प्रकृति और आदिवासी समुदायों के खिलाफ गंभीर अपराधों में से एक करार दिया है। बुधवार को उन्होंने केंद्र सरकार के ग्रेट निकोबार में चल रहे 81,000 करोड़ रुपए के अति महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पर जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने इसे देश की प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे बड़े घोटालों और गंभीर अपराधों में से एक बताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि पर्यावरण को होने वाला नुकसान और लोगों का विस्थापन, किसी रणनीतिक या आर्थिक फायदे से कहीं ज्यादा गंभीर है। राहुल गांधी इन दिनों ग्रेट निकोबार द्वीप के दौरे पर हैं, जहां से उन्होंने अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने कहा, मैंने वहां लाखों पेड़ों पर कुल्हाड़ी के निशान देखे। 160 वर्ग किलोमीटर का वर्षावन खत्म होने की कगार पर है। जिन समुदायों का वहां पीढ़ियों से बसेरा है, उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस द्वीप के पेड़ बहुत पुराने हैं। यहां रहने वाले लोगों से उनका हक छीना जा रहा है। ये प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत पर सीधा हमला है। दरअसल, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के सबसे दक्षिणी छोर पर स्थित ग्रेटर निकोबार द्वीप में एक ट्रांसशिपमेंट और लॉजिस्टिक्स हब विकसित करने की योजना है। यह इलाका रणनीतिक रूप से बेहद अहम स्ट्रेट ऑफ मलक्का के पास स्थित है, जिसे वैश्विक समुद्री व्यापार का प्रमुख मार्ग माना जाता है। सरकार का कहना है कि यह प्रोजेक्ट भारत की समुद्री ताकत को मजबूत करेगा। इससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। चीन की बढ़ती मौजूदगी का जवाब देने में मदद मिलेगी। खासतौर पर हिंद महासागर में चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति के बीच इस प्रोजेक्ट को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सोनिया गांधी ने भी की थी आलोचना

इस पूरे विवाद के केंद्र में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दी गई मंजूरी है। कांग्रेस पहले भी इसको अधूरा और बिना पर्याप्त अध्ययन के लिया गया फैसला बता चुकी है। इससे पहले कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी भी इस प्रोजेक्ट की आलोचना कर चुकी हैं। उन्होंने इसे सोची-समझी गलतियों की श्रृंखला बताया था। वहां की मूल आदिवासी आबादी के बेघर होने की चेतावनी भी दी थी।

जिले में भीषण आग का कहर पलक झपकते ही राख बनी पूरी गृहस्थी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम जारासुरंग में बुधवार सुबह करीब 8ः30 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक कच्चे मकान में अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा घर उसकी चपेट में आ गया और कुछ ही देर में गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम जारासुरंग निवासी अमृत कोर्चाम (पिता सम्मेलाल, उम्र लगभग 59 वर्ष) के घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग लगने के दौरान परिवार के सदस्य कुछ समझ पाते, उससे पहले ही लपटों ने पूरे मकान को घेर लिया। आग की चपेट में आकर घर में रखा अनाज, कपड़े, नगदी, बर्तन सहित रोजमर्रा के उपयोग की सभी वस्तुएं जलकर पूरी तरह नष्ट हो गईं।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और तत्काल टैंकर के माध्यम से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू तो पा लिया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर खाक हो चुका था। घटना के दौरान किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

ग्रामीणों के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या चूल्हे की चिंगारी से आग भड़की हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने रोजमर्रा के जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को शीघ्र राहत राशि एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें इस कठिन परिस्थिति से उबरने में मदद मिल सके।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों की समीक्षा की

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक मंे शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास, सुशासन, कानून व्यवस्था, आदि विभागों की महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान विभागीय योजनाओं की प्रगति, जनहितकारी, विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जिलों में विकास कार्यों को गति देने एवं आमजन को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

मध्यप्रदेश में पूर्व की तुलना में शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से दुर्घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं के प्रभावी संचालन और सतत मॉनिटरिंग से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

प्रमुख सचिव ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखना आवश्यक है, जिससे आमजन को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को विभागीय कार्यों में सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में यह भी कहा कि जिलों में किसी भी प्रकार की तथ्यहीन खबरों के प्रकाशन से बचा जाए तथा समाचारों के प्रकाशन से पूर्व पर्याप्त अभिलेख एवं प्रमाण उपलब्ध होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अपुष्ट जानकारी के प्रसार से विभाग एवं संबंधित एजेंसियों की छवि धूमिल होती है। प्रमुख सचिव ने व्ही.सी. के दौरान जानकारी दी कि गेंहू उपार्जन एवं स्लॉट बुकिंग की अवधि दिनांक 09 मई 2026 से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डीएफओ श्री अशोक सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव, जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते सहित समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेंशनरों के लिए खुशखबरी ! 33 लाख हितग्राहियों को बड़ी सौगात, डिंडौरी के हजारों पेंशनरों को मिला लाभ

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा बुधवार 29 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में भोपाल स्थित कार्यक्रम स्थल से सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि का वितरण किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्च एवं अप्रैल 2026 माह की पेंशन राशि एक साथ हितग्राहियों के खातों में अंतरित की गई। प्रदेशभर के 33 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 200.71 करोड़ रुपये की राशि सीधे खातों में भेजी गई।

इसी क्रम में डिंडौरी जिले के 21,646 पेंशनरों एवं दिव्यांगजनों के खातों में कुल 1,29,87,600 रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से जमा की गई, जिससे हितग्राहियों को बड़ी राहत मिली।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, महिला एवं बाल विकास तथा सामाजिक न्याय अधिकारी श्याम सिंगौर सहित पेंशनर्स, दिव्यांगजन और अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कक्षा 5वीं, 8वीं की पुनःपरीक्षा 1 जून से

अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित विद्यार्थी परीक्षा मे होंगे शामिल

शहडोल। शिक्षण सत्र 2025-26 की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों के लिए पुनः परीक्षा होगी। यह परीक्षा 1 से 6 जून 2026 के बीच होगी। इसमें प्रदेश के समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं और पंजीकृत मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं व 8वीं के विद्यार्थी शामिल होंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल से डाउनलोड कर सकेंगे प्रवेश पत्र - कक्षा 5वीं एवं 8वीं की दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी अपना प्रवेश पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल 222.ह्वद्मद्वश्च.द्वठ्ठ के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे। पुनः परीक्षा के लिए शाला प्रमुख/ जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी/ बी.आर.सी.सी., डी.पी.सी. के लॉगिन अंतर्गत परीक्षा पोर्टल से परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की सुविधा रहेगी। सभी बी.आर.सी.सी. को निर्देशित किया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके ब्लॉक के सभी विद्यार्थियों को संबंधित शाला के प्रधान पाठक के माध्यम से 25 मई तक प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जाएं।संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि पुनः परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा आयोजन से पूर्व शाला स्तर पर विषयवार अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। परीक्षार्थियों द्वारा पूर्व में प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण नहीं करने अथवा प्रोजेक्ट कार्य में 7 से कम अंक होने की स्थिति में छात्रों से अनुत्तीर्ण अथवा अनुपस्थित रहे विषयों के प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करवाकर शाला स्तर पर मूल्यांकन किया जाए एवं प्रोजेक्ट के प्राप्तांकों की प्रविष्टि परीक्षा पोर्टल पर कराई जाएगी।

जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर होंगे परीक्षा केन्द्र - कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र केवल जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर बनाए जाएंगे। अगर किसी जिले में किसी परीक्षा केन्द्र पर 500 से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हों तो उस स्थिति में राज्य शिक्षा केन्द्र से अनुमति उपरांत दूसरा परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया जा सकेगा। परीक्षा केन्द्र निर्धारण उपरांत शाला की मैपिंग संबंधित बी.आर.सी.सी. द्वारा 15 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रश्न पत्रों का परीक्षा केन्द्रों पर ही होगा स्थल मुद्रण - दोबारा परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों की ऑन स्पॉट प्रिंटिंग निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर ही की जाएगी। परीक्षा पोर्टल से प्रश्नपत्रों को डाउनलोड एवं प्रिंट करने के लिए जिला परियोजना समन्वयक नोडल अधिकारी होंगे। इस सबंध में संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने निर्देशित किया है कि, निर्धारित परीक्षा केन्द्र पर न्यूनतम 2 कम्प्यूटर/लैपटॉप, 2 कार्यशील प्रिंटर, इंटरनेट, पर्याप्त ए-4 साईज पेपर, टोनर की उपलब्धता एवं सुगम विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पुनः परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की परीक्षा में उपस्थिति एवं परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित शाला प्रमुख/शिक्षक को दी गई है।

गर्मी से सुरक्षा के लिए होंगी आवश्यक व्यवस्थाएं - राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही नियमित अंतराल पर बच्चों को पानी पिलाये जाने, लू-लपट व डिहाईड्रेशन से सुरक्षित रखने के लिए परीक्षा केन्द्रों में ओरल रिहाईड्रेशन साल्यूशन (ओ.आर.एस.) की उपलब्धता, पंखों की व्यवस्था एवं स्वास्थ्य संबंधी विषय स्थिति परिलक्षित होने की स्थिति में निकटस्थ स्वास्थ्य केन्द्र अथवा अस्पताल ले जाने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं।

महाविद्यालयीन प्रवेश प्रक्रिया 1 मई से प्रारंभ

शहडोल (स्वतंत्र मत)

उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत प्रदेश के समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों एवं एनसीटीई पाठ्यक्रम संचालित करने वाले महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया 1 मई से 30 जून 2026 तक संचालित की जाएगी।

विद्यार्थियों के लिए, प्रवेश प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए इस वर्ष भी इसे तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, इसमें दो केंद्रीकृत चरण एवं एक घ्र्स्ष्ट (कॉलेज लेवल काउंसलिंग) चरण सम्मिलित रहेगा। विद्यार्थी मोबाइल ऐप (द्वक्क्ड्डद्ग्य्द्ध) एवं ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। विशेष बात यह है कि इस सत्र से विद्यार्थी आज से ही द्वक्क्ड्डद्ग्य्द्ध ऐप के माध्यम से पंजीयन प्रारंभ कर सकते हैं, जबकि विकल्प चयन 1 मई से प्रारंभ होगा।

विद्यार्थियों के लिए प्रवेश को अधिक सुलभ बनाने के लिए, पंजीयन शुल्क ह्रष्टञ्जश्व एवं परंपरागत पाठ्यक्रमों के लिए रू. 100 निर्धारित किया गया है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी पोर्टल शुल्क पूर्णतः समाप्त रहेगा। प्रथम चरण में छात्राओं से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा द्वितीय चरण से सभी विद्यार्थियों के लिए पंजीयन शुल्क ?150 निर्धारित किया गया है। साथ ही ऐसे

विद्यार्थी जो स्वयं पंजीयन नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए प्रदेश के समस्त महाविद्यालयों में सहायता केंद्र (हेल्प सेंटर) स्थापित किए गए हैं, जहाँ निःशुल्क पंजीयन सुविधा उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थियों की सहायता के लिए विभाग द्वारा 24म7 हेल्पलाइन, टोल-फ्री नंबर एवं हेल्पडेस्क भी स्थापित किए गए हैं।

उच्च शिक्षा विभाग का उद्देश्य है कि प्रदेश के प्रत्येक विद्यार्थी को सुगम, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध हो सके।इसी तारतम्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप, इस वर्ष एक महत्वपूर्ण नवाचार किया गया है। अब अन्य संकाय में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को साक्षात्कार आधारित पात्रता का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए 27 अप्रैल से 14 मई 2026 तक जिले के अग्रणी महाविद्यालयों में वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। प्रवेश पूर्व वर्ष की भांति मेजर विषय के आधार पर दिया जाएगा, जबकि विद्यार्थी अपनी रुचि अनुसार माइनर एवं मल्टी डिसिप्लिनरी विषयों का चयन कर सकेंगे।

विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए, प्रथम आवंटन सूची 20 मई 2026, द्वितीयद आवंटन सूची 7 जून 2026 और तृतीय (थर्ड) आवंटन सूचीः 23 जून 2026 को जारी की जाएगी।

भारत की जनगणना 1 मई से 30 मई तक होगी, नागरिकों से सहयोग की अपील

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। भारत सरकार द्वारा आगामी 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक देशव्यापी जनगणना कार्य संचालित किया जाएगा। इस दौरान शासन द्वारा अधिकृत अधिकारी एवं कर्मचारी घर-घर पहुंचकर नागरिकों से आवश्यक सामान्य जानकारी प्राप्त करेंगे। जनगणना का उद्देश्य देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से संबंधित अद्यतन आंकड़े संकलित करना है, जिससे विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी।

जनगणना दल द्वारा नागरिकों से मकान की स्थिति, परिवार के सदस्यों की संख्या, परिवार प्रमुख का नाम, पेयजल सुविधा, बिजली कनेक्शन, शौचालय एवं बाथरूम की उपलब्धता, गैस कनेक्शन, रेडियो/टीवी, केबल सुविधा, वाहन जैसे साइकिल, मोटरसाइकिल एवं कार, परिवार द्वारा उपयोग किए जाने वाले मुख्य अनाज तथा मोबाइल नंबर जैसी सामान्य जानकारी ली जाएगी।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा जानकारी देते समय सजग रहें। अधिकारियों द्वारा आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नंबर, बैंक खाता विवरण या किसी भी प्रकार की ओटीपी की जानकारी नहीं पूछी जाएगी। साथ ही नागरिकों से कहा गया है कि जानकारी देने से पहले संबंधित अधिकारी का परिचय पत्र अवश्य जांच लें। प्रशासन ने जनगणना कार्य को सफल बनाने हेतु सभी नागरिकों से सहभागिता एवं सहयोग की अपेक्षा की है।

अवैध रूप से मवेशियों का क्रूरतापूर्वक परिवहन करने वाले 2 ट्रक पकड़े, 30 नग मवेशी मुक्त कराए

शहडोल। जिले के थाना सीधी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कुदरी, अमझोर की ओर से दो सफेद रंग के डी.सी.एम ट्रक मवेशियों को अवैध रूप से लोड कर ब्यौहारी होते हुए उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित बूचड़खानों में वध हेतु ले जाए जा रहे हैं। सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ग्राम कुदरी ओदारी नदी के पास नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान दो संदिग्ध ट्रक क्रमांक स्न्क्क53ष्ट3560 एवं क्क66706 आते दिखाई दिए, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर रोका गया।

जांच करने पर दोनों ट्रकों में मवेशियों को अत्यंत क्रूरता पूर्वक ठूस-ठूस कर भरा गया था। मवेशियों को रस्सियों से बांधकर अमानवीय स्थिति में रखा गया था तथा उनके लिए हवा-पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी।

ट्रकों से कुल 30 नग मवेशी (25 पड़ा एवं 05 भैंस) बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये है। मौके पर दोनों ट्रकों को जप्त कर मवेशियों को मुक्त कराया गया तथा गौशाला सीधी में सुरक्षित रखा गया। आरोपीगण अली असगर (चालक) निवासी प्रयागराज (उ.प्र.) मोबिन खान (वाहन मालिक) निवासी शहडोल सनी साकेत (चालक) निवासी सतना सौरभ जायसवाल (वाहन मालिक) निवासी सतना के आरोपियों से पूछताछ जारी है।

डायल 112 टीम की तत्परता से 1 वर्षीय गुमशुदा बच्चा सुरक्षित दस्तयाब

ब्यौहारी। जिले के थाना देवलोंद में आज 28अप्रैल 26 को समय 09ः54 बजे इवेंट नंबर क्क्रु 28042602617 कॉलर दिनेश सिंह मो 07553121111 पता ग्राम ढेका थाना ब्यौहारी से सूचना प्राप्त हुई कि एक 01 वर्ष का बच्चा गुम हो गया है तत्काल 112 ड्यूटी आर. 706 चित्रांशु शुक्ला और पायलेट रामबाबू पनिका दोनों रवाना होकर मौके पर पहुंचा परिजनों और कॉलर को साथ लेकर बताए अनुसार बच्चा महेंद्र सिंह उम्र 01 वर्ष की पता तलाश किया जो बच्चा रिश्ते के फूफा उमेश सिंह गोंड पिता रामलाल सिंह उम्र 32 निवासी भमरहा थाना ब्यौहारी के पास मिला जिसे महज डेढ़ घंटा के अंदर दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया बाद बच्चे के परिजनों और आरोपी के साथ थाना ब्यौहारी पहुंचाया गया जिसमें थाना ब्यौहारी में अप क्र 292/26 धारा 137(2) कायम है संपूर्ण घटना से थाना प्रभारी महोदय को अवगत कराया गया।

फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को

शहडोल (स्वतंत्र मत)

उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमृता गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में नगरीय निकाय एवं पंचायतो की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की तैयारियो के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को सभी संबंधित अधिकारी ईमानदारी और लगन के साथ संपादित करेंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य हेतु समय सारणी निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि एक जनवरी 2026 की संदर्भ तारीख के आधार पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण होगा। फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा।

जारी कार्यक्रम के अनुसार 30 अप्रैल को कंट्रोल टेबल चेकलिस्ट की प्रति रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रदान करना, 2 मई को कंट्रोल टेबल का परीक्षण करना और संशोधन होने पर निर्देशानुसार यथोचित हस्ताक्षर करना, 5 मई को युक्तियुक्तकरण एवं कंट्रोल टेबल का डिजाइन हस्ताक्षर से वेरिफिकेशन करना, 8 मई को एकीकरण कर फोटो रहित और फोटो युक्त मतदाता सूची जनरेट करना एवं डुप्लीकेट सूची प्रदान करना, फोटो रहित प्रारूप मतदाता सूची वेबसाइट पर अपलोड करना, 15 मई को फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का मुद्रण कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रदाय करने के साथ डुप्लीकेट सूची प्रदान करना फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का ग्राम पंचायत एवं अन्य विहित स्थान पर सार्वजनिक प्रशासन, 18 मई को फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची की पीडीएफ 3 प्रति ज्वेल केस में वेंडर से प्राप्त करना ,प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाषन किए जाने संबंधी प्रमाण पत्र स्कैन कर अपलोड करना स्टैंडिंग कमेटी की बैठकों का आयोजन, 14 मई से 15 मई तक दावे आपत्ति प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत कर्मचारियों का द्वितीय प्रशिक्षण एवं उन्हें आवश्यक सामग्री प्रदान करना दावा आपत्ति केंद्रो के पर्यवेक्षक हेतु नियुक्त अधिकारियों का प्रशिक्षण,

15 मई से 25 मई तक अपरान्ह 3 बजे तक दावा आपत्ति केंद्रो पर प्राधिकृत कर्मचारी द्वारा दावे आपत्ति प्राप्त किये जाएंगे। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा 30 मई तक दावा आपत्ति में प्राप्त आवेदन पत्रों के निराकरण किया जाएगा। 5 जून 2026 तक निराकृत दावा आपत्ति आवेदन पत्रों की ईआईएमएस में प्रविष्टि की जाएगी, 6 जून तक दावे आपत्ति की चेकलिस्ट तैयार करना, 8 जून तक चेक लिस्ट की जांच कर त्रुटि सुधार उपरांत वेंडर को वापस की जाएगी। 10 जून तक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं वेंण्डर द्वारा फोटो युक्त और फोटो रहित अंतिम मतदाता सूची जनरेट करना फोटो रहित अंतिम मतदाता सूची को वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी, 16 जून तक वेंडर द्वारा फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची को मुद्रित कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराई जाएगी एवं 18 जून को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत तथा अन्य विहित स्थान पर सार्वजनिक प्रकाषन किया जाएगा, 19 जून को अंतिम मतदाता सूची की पीडीएफ 3प्रति ज्वेल केस में वेंडर से प्राप्त करना 20 जून को अंतिम मतदाता सूची फोटो रहित डीवीडी एवं सीडी विक्रय हेतु उपलब्ध कराना एवं 22 जून को फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची के सार्वजनिक प्रकाषन का प्रमाण पत्र स्कैन कर अपलोड करने हेतु समय-सीमा निर्धारित की गई है।

बैठक में निर्वाचन सुपरवाइजर संजय खरे सहित नगरीय निकाय एवं जनपद पंचायवार नियुक्त मास्टर ट्रेनर एवं संबंधित कर्मचारी, पंचायत इंस्पेक्टर समन्वयक उपस्थित रहें।

बिचौलियों पर नकेल कसने एक्शन मोड में प्रशासन

शहपुरा में खरीदी केंद्रों में एसडीएम का निरीक्षण, पनागर में दो गोदाम सील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में समर्थन मूल्य पर जारी गेहूं उपार्जन व्यवस्था को पारदर्शी बनाने और बिचौलियों पर लगाम कसने के लिए प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर बुधवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में राजस्व अधिकारियों ने औचक निरीक्षण और सीलिंग की कार्रवाई की। शहपुरा एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी ने बुधवार को सेमरा और भिड़की स्थित खरीदी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र प्रभारियों को सख्त हिदायत दी कि केवल एफएक्यू क्वालिटी का ही गेहूं उपार्जित किया जाए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि उपार्जन का लाभ केवल वास्तविक किसानों को ही मिलना चाहिए। उन्होंने समिति प्रबंधकों को निर्देश दिए कि यदि कोई व्यापारी या बिचौलिया किसान के नाम पर फसल बेचने की कोशिश करता है, तो उसकी सूचना तत्काल दें ताकि कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

पनागर में दो गोदाम सील

समर्थन मूल्य पर उपार्जन की अवधि के दौरान निजी गोदामों में भण्डारित गेहूँ की निकासी रोक लगाने के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों की टीम ने पनागर तहसील में दो निजी गोदामों को सील करने की कार्यवाही की। तहसीलदार पनागर सरफराज अली ने पनागर के समीप भरदा में बड़गैया वेयर हाउस ब्रांच बड़खेरा को गेहूं भंडारित पाये जाने पर सील करने की कार्यवाही की। वहीं, बघो?ा स्थित स्वास्तिक वेयर हाउस को भी राजस्व विभाग के अमले द्वारा गेहूं भण्डारित पाये जाने पर उपार्जन अवधि तक के लिये सील किया गया। ज्ञात हो कि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने जिले में स्थित ऐसे सभी गोदामों से गेहूँ की निकासी पर रोक लगाने के आदेश दिये हैं, जहां पूर्व से गेहूं भण्डारित है। उन्होंने ऐसे गोदामों को उपार्जन अवधि सील करने के निर्देश भी दिये हैं, ताकि बिचौलियों या व्यापारियों द्वारा किसानों की आ? में पुराने गेहूँ की रीसाइक्लिंग कर उपार्जन व्यवस्था का अनुचित लाभ न उठाया जा सके।

गेहूं उपार्जन के लिए आवश्यक प्रबंध समय पर सुनिश्चित करें : संभागायुक्त

संभागायुक्त धनंजय सिंह ने आज संभागीय अधिकारियों के साथ समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने विभागवार लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा कर लंबित समयावधि पत्रों के प्रतिवेदन समय सीमा में प्रेषित करने के लिए संभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। संभागायुक्त द्वारा गेहूं उपार्जन के संबंध में विभागीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा जानकारी दी गई कि संभाग अंतर्गत वर्तमान में कुल 444 उपार्जन केंद्रों पर किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी की कार्यवाही जारी है। इस वर्ष संभाग में कुल 255807 कृषकों ने अपनी उपज विक्रय हेतु पंजीयन कराया है। क्षेत्रीय प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा यह जानकारी भी दी गई कि उपार्जन कार्य की नियमित मॉनिटरिंग हेतु जिला स्तर से लेकर प्रत्येक उपार्जन केंद्र तक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है एवं शासन निर्देशानुसार कृषकों की सुविधा के लिए सभी केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, छायादार सेड सहित आवश्यक व्यवस्थांए भी सुनिश्चित की गयीं हैं।

संभागायुक्त द्वारा विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नियुक्त नोडल अधिकारी सभी उपार्जन केंद्रों पर कृषकों के लिए शुद्ध पेयजल, छायादार शेड आदि आवश्यक सुविधाओं के लिए सघन भ्रमण करते हुए नियमित मॉनिटरिंग कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें एवं गेहूं उपार्जन के सम्बन्ध में शासन निर्देशानुसार आवश्यक प्रबंधन एवं कार्यवाही निर्धारित समय सीमा में प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जाए

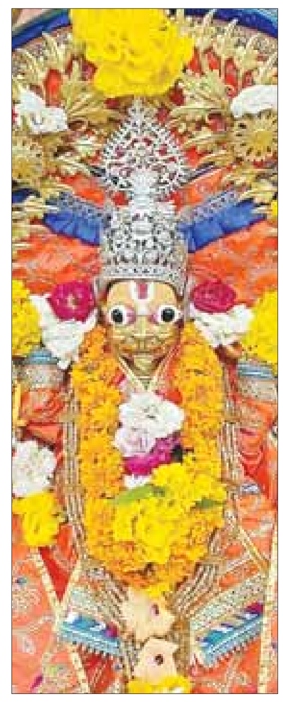

श्री नृसिंह प्रकटोत्सव पर अनेक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

भगवान नृसिंह भगवान विष्णु के चौथे अवतार हैं, नृसिंह जयंती के अवसर पर श्री नृसिंह टेकरी खितौला में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रहेगी प्राप्त जानकारी के अनुसार महन्त गोविन्द दास महाराज के सानिध्य में सुबह 6 बजे भगवान का अभिषेक पूजन तत्पश्चात हरिनाम संकीर्तन, शाम 6 बजे भगवान की प्रकटोत्सव आरती उसके बाद प्रसाद वितरण किया जायेगा। इस दौरान श्री नृसिंह शिष्य मण्डल ने समस्त धर्मप्रेमियों से उपस्थित होने की अपील की है।

आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान का होगा संगम

एनडीवीएसयू और शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज के बीच एमओयू

संयुक्त शोध और नवाचार को मिलेगी नई उड़ान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय और शासकीय स्वायत्त आयुर्वेदिक महाविद्यालय के बीच 29 अप्रैल 6 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा के प्रयासों से संपन्न हुए इस समझौते का उद्देश्य ज्ञान, शोध और अकादमिक सहयोग को सुदृढ़ बनाना है। इस समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. एस.एस. तोमर और आयुर्वेदिक कॉलेज की ओर से प्राचार्य डॉ. एल.एल. अहिरवार ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत दोनों संस्थान शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। समझौते के मुख्य बिंदुओं में संयुक्त शोध परियोजनाएं, छात्रों व संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन शामिल है।

पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा का समन्वय- कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि यह समझौता ज्ञान के आदान-प्रदान और नवाचार की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, आयुर्वेदिक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अहिरवार ने विश्वास जताया कि इस सहयोग से आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान के समेकित विकास को एक नई ऊंचाई मिलेगी। इस अनुबंध की नियम और शर्तें दोनों संस्थानों के विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा निर्धारित की गई हैं। इस समिति में डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. सुदिप्ता घोष, डॉ. अमिता दुबे, डॉ. एल.एल. अहिरवार, डॉ. मनोज सिंह और डॉ. पंकज मिश्रा शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी और संकाय सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अखिल विश्व गायत्री परिवार का गृहे-गृहे यज्ञ का अभियान

बुद्ध पूर्णिमा पर होगा आयोजन, सभी से की यज्ञ से जुड़ने की अपील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा 1 मई 2026 को बुद्ध पूर्णिमा पर्व पर गृहे गृहे गायत्री यज्ञ का आयोजन होगा, जो कि विश्व व्यापी रूप में निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। यह एक आध्यात्मिक प्रयोग है, इसका उद्देश्य वातावरण में व्याप्त विकृतियों को नष्ट कर मानव एवं समस्त प्राणी जगत के संवर्धन में यज्ञीय ऊर्जा को प्रक्षेपित करना है। इस यज्ञ अभियान में गायत्री मंत्र की करोड़ों आहुतियां, लाखों घरों से एक ही समय में, एक ही भावनाओं से, एक ही उद्देश्य के लिए समर्पित किया जाता है। गायत्री परिवार ट्रस्ट ने जबलपुर जिला के शहर और तहसीलों को मिलाकर बुद्ध पूर्णिमा पर्व पर ग्यारह हजार घरों में गृहे गृहे गायत्री यज्ञ करने का लक्ष्य रखा है। गायत्री परिवार के सक्रिय निष्ठावान कार्यकर्ता इस लक्ष्य को प्राप्त करने में जुटे हुए हैं। यह यज्ञ 01 मई को प्रात 7 से 12 बजे तक संपन्न किया जाएगा।

युवक को जूतों की माला पहनाकर घुमाया

शादी में डीजे पर डांस को लेकर जमकर चले लात-घूंसे

पुलिस ने किया मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहपुरा थाना अंतर्गत ग्राम बम्हनी में शादी की खुशियां उस वक्त तनाव में बदल गईं, जब डीजे पर डांस को लेकर हुआ विवाद एक युवक के सार्वजनिक अपमान तक पहुंच गया। विवाद इतना बढ़ा कि बुधवार दोपहर एक युवक को जूतों की माला पहनाकर सड़क पर घुमाया गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार 28 अप्रैल को गांव के यादव परिवार में शादी समारोह था। कार्यक्रम के दौरान डीजे पर नाचने की बात को लेकर यादव और रैकवार परिवार के सदस्यों के बीच तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले।

अगली सुबह युवक का किया अपमान- **विवाद** का बदला लेने की नीयत से बुधवार सुबह यादव परिवार के कुछ लोगों ने रैकवार परिवार के एक सदस्य को पकड़ लिया और उसे जूतों की माला पहनाकर पूरे गांव की सड़क पर घुमाया। वायरल वीडियो में गांव की महिलाएं इस अमानवीय कृत्य का विरोध करती नजर आ रही हैं, लेकिन आरोपी पक्ष ने किसी की नहीं सुनी। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि दोनों पक्षों को थाने तलब किया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

नई ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्रियों को मिले आधुनिक सुविधाएं

रेल मंडल में डीआरयूसीसी की 154वीं बैठक आयोजित

सदस्यों ने यात्री सुविधाओं के विस्तार, नई ट्रेन चलाने की रखी मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे के जबलपुर रेल मंडल के डीआरएम कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बुधवार मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) की 154वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा ने की। बैठक के प्रारंभ में अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। डीआरएम श्री तलरेजा ने अपने संबोधन में मंडल में उपलब्ध कराई जा रही यात्री सुविधाओं तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों पर चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इसके उपरांत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मंडल की उपलब्धियों एवं यात्रियों को प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया तथा यात्री सुविधाओं के सतत विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में डीआरयूसीसी के कुल 9 सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें सतना से सोमचंद्र ताम्रकार, शुभम त्रिपाठी,केशव बंसल एवं विक्रम सिंह विसेन, कटनी से पवन मित्तल, रीवा से कन्हैया लाल घंशानी, दमोह से सुधीर असाटी, सागर से मोहम्मद इरशाद एवं मैहर से सत्यभान सिंह शामिल थे। बैठक के दौरान सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित यात्री सुविधाओं के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। इनमें प्रमुख रूप से ट्रेनों के समय में परिवर्तन, स्टॉपेज बढ़ाने, कोचों की संख्या में वृद्धि, ट्रेनों के फेरे बढ़ाने, नई ट्रेनों का संचालन, एबीएसएस, आरओबी एवं आरयूबी से संबंधित कार्यों में तेजी लाने, स्टेशनों पर साफ-सफाई में सुधार तथा बड़े स्टेशनों के साथ-साथ छोटे स्टेशनों पर भी यात्री सुविधाओं के विस्तार से जुड़े सुझाव शामिल रहे। सभी सदस्यों ने जबलपुर मंडल रेल प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। बैठक के अंत में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा द्वारा सभी सदस्यों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। अधिकारियों ने सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

मई की तपिश में न हों परीक्षाएं

जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने उठाई आवाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मई माह में आयोजित होने वाली द्वितीय अवसर परीक्षा (सप्लीमेंट्री व श्रेणी सुधार) की तिथियों पर आपत्ति जताते हुए इसे जून माह तक टालने की मांग की है। संगठन का तर्क है कि मई की भीषण गर्मी शिक्षकों और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश भीषण लू और गर्मी की चपेट में है। ऐसे में परीक्षाएं संचालित करना व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रदेश के शिक्षक जनगणना जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्यों में व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर कई शिक्षक गंभीर बीमारियों जैसे हृदय रोग, शुगर, कैंसर और किडनी की समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस चिलचिलाती धूप में परीक्षा ड्यूटी करने से किसी भी अप्रिय घटना या स्वास्थ्य संबंधी हादसे की आशंका बनी रहती है।

छात्रों के हित में निर्णय जरूरी

संघ ने स्पष्ट किया कि यह परीक्षा उन छात्रों के लिए है जो अपना प्रतिशत सुधारना चाहते हैं या किसी विषय में अनुत्तीर्ण रहे हैं। यदि यह परीक्षाएं जून में स्कूल खुलने के बाद आयोजित की जाती हैं, तो मौसम में राहत होने के कारण छात्र बेहतर मानसिक और शारीरिक स्थिति में परीक्षा दे पाएंगे। साथ ही, कई शिक्षक इस समय ग्रीष्मकालीन अवकाश पर अपने परिवार के साथ बाहर हैं, जिससे परीक्षा ड्यूटी के प्रबंधन में भी समस्या आ सकती है। संगठन के सदस्यों ने माध्यमिक शिक्षा मंडल से पुरजोर मांग की है कि छात्र और शिक्षक हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के टाइम टेबल में बदलाव किया जाए। उन्होंने आग्रह किया है कि इन परीक्षाओं को जून माह में पुनर्निर्धारित किया जाए ताकि सभी सुरक्षित वातावरण में प्रक्रिया पूरी कर सकें।

विद्युत कंपनियों के दो कार्मिक आज होंगे सेवानिवृत्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विद्युत कंपनियों के दो कार्मिक आज 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के अधीक्षण अभियंता सिविल मुख्यालय धर्मेन्द्र वर्मा 40 वर्षों की सेवा के उपरांत आज 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता प्रोक्योरमेंट कार्यालय में दफ्तरी के पद पर कार्यरत रामाधार कोल 37 वर्षों की सेवा के उपरांत आज 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

वरिष्ठ समाजसेवी अरुणकान्त अग्रवाल का निधन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महाकोशल चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जबलपुर के पूर्व मानसेवी मंत्री एवं पूर्व रोटरी अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी अरुणकान्त अग्रवाल का 78 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया है। वह मधुसूदन एवं डॉ. रवि अग्रवाल के भाई, पीयूषकांत के पिता तथा उमंग एवं आलेख के दादाजी थे। अंतिम यात्रा निज निवास पुराना बंगला 127 नेपियर टाउन, शास्त्री ब्रिज के पास से प्रात: 9 बजे गौरीघाट मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

पिस्टल लहराकर बारातियों को धमका रहा था क्राइम ब्रांच का सिपाही!

मारपीट और अभद्रता का वीडियो वायरल

युवा कांग्रेस ने एडीशनल एसपी को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर के मदन महल थाना क्षेत्र के कृपाल चौक में एक शादी समारोह उस वक्त अखाड़े में तब्दील हो गया, जब क्राइम ब्रांच में पदस्थ एक पुलिसकर्मी ने कथित तौर पर जमकर उत्पात मचाया। आरोपी पुलिसकर्मी पर आरोप है कि उसने न केवल बारातियों के साथ मारपीट की, बल्कि महिलाओं और बुजुर्गों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए खुलेआम पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी। मामले को लेकर युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष सतेंद्र (सोनू) कुकरेले और कैंट विधानसभा अध्यक्ष सौरभ यादव ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एएसपी आयुष गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार रांझी बड़ा पत्थर इलाके से कुशवाहा परिवार की बारात मदन महल के कृपाल चौक पहुंची थी। आरोप है कि यहीं के निवासी और क्राइम ब्रांच में कार्यरत आनंद तिवारी ने बारात में पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आनंद तिवारी ने लाठी से बारातियों को पीटा और विरोध करने पर अपनी सर्विस पिस्टल निकालकर डराना शुरू कर दिया। इस दौरान महिलाओं के साथ गाली-गलौज और बुजुर्गों के साथ धक्का-मुक्की की भी बात सामने आई है।

युवा कांग्रेस ने की सख्त कार्रवाई की मांग

इस घटना को लेकर युवा कांग्रेस के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कप्तान के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे, तो जनता कहाँ जाएगी। बताया जा रहा है कि घटना के कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिन्हें पुलिस को साक्ष्य के तौर पर सौंपा गया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान रविंद्र कुशवाहा, निलेश जैन, अभ्युत बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता और पीड़ित पक्ष के लोग मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

देवी तालाब से अतिक्रमण हटाने एनजीटी ने दिया अंतिम आदेश

कलेक्टर–सीएमओ को सख्त निर्देश

बालाघाट। शहर के शासकीय देवी तालाब को अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त कराने की वर्षों पुरानी मांग को बड़ी सफलता मिली है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) भोपाल ने 27 अप्रैल 2026 को अंतिम सुनवाई करते हुए कलेक्टर बालाघाट, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद बालाघाट तथा संभागीय वन अधिकारी को देवी तालाब से अतिक्रमण हटाने, प्रदूषण समाप्त करने और तालाब के संरक्षण के लिए कठोर निर्देश जारी किए हैं। यह याचिका बालाघाट के नागरिक द्वारका नाथ चौधरी और प्रदीप परांजपे द्वारा देवी तालाब की बदहाली को लेकर प्रस्तुत की गई थी।

एनजीटी ने अपने आदेश में वेटलैंड नियम 2017 की धारा 4 का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। इसके तहत तालाब, झील या आर्द्रभूमि में मिट्टी, मुरुम या ठोस अपशिष्ट डालकर उसे भरने का प्रयास अतिक्रमण की श्रेणी में आता है और इस प्रकार के उपयोग परिवर्तन पर पूर्ण प्रतिबंध है।

एनजीटी ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि देवी तालाब क्षेत्र का सीमांकन, बाड़बंदी, संकेत–पट्ट और चेतावनी बोर्ड तत्काल लगाए जाएं। वहीं नगरपालिका परिषद को तालाब की सफाई, प्लास्टिक और ठोस कचरा डालने पर रोक तथा खरपतवारों को वैज्ञानिक तरीके से हटाने के लिए समय–सीमाबद्ध कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा तालाब की परिधि में स्थानीय प्रजातियों के पौधों का सघन रोपण करने, स्थल के जीर्णोद्धार की विस्तृत योजना तैयार करने तथा जिला आर्द्रभूमि संरक्षण समिति से अनुमोदन कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। अटफवळ 2.0 और स्वच्छ भारत मिशन के तहत सीवरेज नेटवर्क और एसटीपी निर्माण में तेजी लाने तथा किसी भी जल निकाय में अनुपचारित पानी का प्रवाह रोकने पर भी जोर दिया गया है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नियमित निगरानी और उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। सुनवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों की ओर से यह तर्क दिया गया कि उच्च न्यायालय जबलपुर के पुराने आदेश के अनुसार भूमि निजी है। हालांकि याचिकाकताओं के अधिवक्ता धर्मवीर शर्मा ने बताया कि कुल 16.14 एकड़ भूमि में मात्र 3 डिसमिल निजी है, शेष 16.11 एकड़ शासकीय भूमि है।

उन्होंने कहा कि एनजीटी के समक्ष यह मामला पर्यावरणीय संरक्षण से जुड़ा है, न कि मालिकाना हक से। करीब तीन दशकों से देवी तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने का संघर्ष जारी है। इस आंदोलन में स्वर्गीय सुरेश कोचर का विशेष योगदान रहा। उनके साथ अधिवक्ता कलीम कुरैशी, पीएल पुछिया, राम मोटवानी, प्रदीप परांजपे, राजेश मरार, द्वारका नाथ चौधरी सहित अनेक नागरिक लगातार सक्रिय रहे।

याचिकाकर्ता द्वारका नाथ चौधरी ने बताया कि एनजीटी ने पहले भी 23 सितंबर 2025 और 10 नवंबर 2025 को आदेश दिए थे, लेकिन उनका पालन नहीं हुआ। अब अंतिम आदेश के पालन में लापरवाही होने पर अवमानना की कार्रवाई हो सकती है। साथ ही अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध एनजीटी एक्ट 2010 की धारा 30 के तहत प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

हाईकोर्ट पहुंचा अवैध रूप से जेल भेजने का मामला

हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश शासन और अधिकारियों को भेजा नोटिस

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

टीआई मलाजखंड, तहसीलदार बिरसा के विरुद्ध प्रीतेश पनरिया और अन्य के द्वारा हाईकोर्ट जबलपुर ने रिट याचिका सुनवाई में आज 29/4/26 शासन को नोटिस जारी करके जवाब देने आदेश दिया तथा नियम विरुद्ध हथकड़ी लगाकर जेल भेजने को संज्ञान में लेकर मध्य प्रदेश शासन और आला–अधिकारियों को पार्टी बनाया है। पीड़ितों के तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र कुमार शर्मा, चिरंजीव शर्मा,देव शर्मा, आर्य गुरु व संतोष ब्रमहे उपस्थित हुए और तर्क दिया कि मलाजखंड पुलिस द्वारा पीड़ितों और नवयुवकों पर सटोरियों के इशारे में थाना प्रभारी द्वारा इस्तगासा पेश किया और पांच लोगों को गिरफ्तार करके न्यायालय तहसीलदार बिरसा में पेश किया। पीड़ितों के तरफ से विद्वान वकीलों ने तर्क दिया कि प्रीतेश पनरिया, शुभम श्रीवास विवेक परवार, धर्मेंद्र टोरिया व प्रदीप परवार को एक ही मामले में दो अलग अलग कहानी बनकर इस्तगासा पेश किया और तहसीलदार बिरसा राजूलाल नामदेव द्वारा पीड़ितों के परिजनों से उल्टे 10 हजार रुपए भी ले लिए नहीं तो और जेल में बंद रखने की धमकी दी।

इसके बाद पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक बालाघाट मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष व मानव अधिकार आयोग भोपाल को भी न्याय हित में पत्र लिखा था। इसके बाद पीड़ितों ने हाईकोर्ट जबलपुर का दरवाजा खटखटाया और गैरकानूनी तरीके से जेल में निरुद्ध रखने रिट याचिका लगाई थी। वस्तुत प्रदेश का यह पहला मामला है,जिसमें जमानत बंद पत्र भरने के बाद भी निर्दोष नवयुवकों को जेल जाना पड़ा था। इस सारे प्रकरण में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मलाजखंड थाने में पदस्थ तत्कालीन आरक्षक अनुराग गिरी व जयप्रकाश ठाकरे को निलंबित भी किया था। इसके बाद विभिन्न जन शिकायतों में तहसीलदार बिरसा राजूलाल नामदेव को जिला कलेक्टर ने एसडीएम बैहर कार्यालय में लाइन अटैच किया था फिलहाल तहसीलदार राजूलाल पुन- तहसीलदार बिरसा प्रभार में हैं। वहीं तत्कालीन थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह यादव दर्जन भर प्रकरणों में लापरवाही करने, सीएम हेल्पलाइन निराकरण,क्षेत्र में हो रही चोरियों में गंभीर लापरवाही व गलत विवेचना करने पर पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने निलंबित कर रक्षित केंद्र बालाघाट में लाइन अटैच करके रखा है।

स्पष्ट है कि कोई अधिकारी अपने पद में रहते हुए किसी के मानवीय अधिकारों व निर्दोष पीड़ित नवयुवकों को अपने पद का दुरुपयोग करके सलाखों के पीछे भेजा जिसके कारण पीड़ितों ने हाई कोर्ट जबलपुर का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट के भी निर्देश है कि 7 साल तक के मामलों में आरोपियों को जेल से ही मुचलका जमानत दे दिया जाए जिसकी भी इन अधिकारियों ने परवाह नहीं की, जबकि सारे आरोपी बनाए गए। नवयुवक पहली बार आपराधिक साजिश के शिकार हुए थे। पूर्व में उनके ऊपर एक भी प्रकरण किसी भी थाने में दर्ज नहीं था। वहीं पीड़ितों के वकीलों ने एक करोड़ का मुआवजा और सीबीआई जांच की भी मांग की है।

भगवान साई मंदिर में चोरी, मुकुट और दान पेटी ले गए चोर।

ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम नैतरा की घटना

बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव अंतर्गत ग्राम नैतरा में मंगलवार 28 अप्रैल की देर रात्रि को चोरों ने भगवान साईं मंदिर में निशाना बनाया और चोरी की घटना को अंजाम दिया है, जिसमें चांदी का मुकुट और दान पेटी चोर चुरा ले गए। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने पुलिस को की है। पुलिस ने मामला संज्ञान में लेकर जांच शुरू करदी है। जानकारी अनुसार, चोरी की घटनाएं दिन–ब–दिन बढ़ते जा रही है वही ग्राम नैतरा की साईं मंदिर से चोरों ने रात्रि में ताला तोड़ा और फिर चांदी का मुकुट करीब 60 से 70 हजार रुपए का और दान पेटी को चुरा ले गए। यह घटना बुधवार की सुबह जब ग्रामीण भगवान साईं मंदिर में पूजा अर्चना करने गए तब यह घटना देखी गई। वही बताया जाता है कि नैतरा से करीब 2 किलोमीटर दूर लिंगा के पास सड़क किनारे किसान को दान पेटी मिली है लेकिन दान पेटी का ताला टूटा हुआ और पैसे निकाल लिए थे। फिलहाल, इस मामले की पुलिस जांच कर रही है और चोरों की तलाश में जुटी है।

अर्णव अरुण तुमसरे का युविका 2026 में चयन

अब इसरो में प्रशिक्षण प्राप्त कर अंतरिक्ष अनुसंधान के हुनर सीखेंगे अर्णव

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

विज्ञान और प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में जिले के लिए गर्व का एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया है। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के कक्षा 10 वीं के मेधावी छात्र अर्णव अरुण तुमसरे का चयन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम ह्ययुविका–2026ह्व में हुआ है। यह उपलब्धि न केवल अर्णव और विद्यालय, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश के लिए सम्मान का विषय है। देशभर में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में इस वर्ष कुल 456 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें मध्य प्रदेश राज्य से केवल 13 छात्र शामिल हैं। इन चुनिंदा विद्यार्थियों में पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के प्रतिभाशाली छात्र अर्णव का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। खास बात यह भी है कि केंद्रीय विद्यालय संगठन, जबलपुर संभाग से केवल एक ही छात्र चयनित हुआ है, और वह अर्णव अरुण तुमसरे हैं। यह उपलब्धि उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण को दर्शाती है।

युविका कार्यक्रम में चयन के लिए कई स्तरों पर कठिन मानदंड निर्धारित होते हैं, जिनमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में रुचि के आधार पर अर्णव ने इन सभी मानकों पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, कड़ी मेहनत और विज्ञान शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन से सफलता प्राप्त की। उनकी विज्ञान के प्रति जिज्ञासु प्रवृत्ति और सीखने की लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत अर्णव को इसरो द्वारा 12 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान उन्हें इसरो की प्रमुख वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण करने, अंतरिक्ष अनुसंधान, रॉकेट प्रक्षेपण, उपग्रह प्रक्षेपण आदि की बारीकियों को समझने और आधुनिक तकनीकों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। इतना ही नहीं, उन्हें देश के शीर्ष वैज्ञानिकों के साथ संवाद करने और उनसे सीधे सीखने का अनमोल अवसर भी प्राप्त होगा, जो उनके भविष्य को नई दिशा देगा। अर्णव की इस ऐतिहासिक सफलता पर विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है।

विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे, विज्ञान विभाग के शिक्षकों और समस्त स्टाफ ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि अर्णव की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

रजेगांव चेक पोस्ट पर वाहनों की आकस्मिक जांच

बालाघाट। जिले में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा और यात्री वाहनों के नियमानुसार संचालन सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रजेगांव चेक पोस्ट पर सोमवार, 28 अप्रैल को आकस्मिक जांच की गई। इस दौरान मातोश्री ट्रेवल्स की दो बसें नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित पाई गईं, जिन पर कुल 1 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि जांच के दौरान संबंधित बसें बिना परमिट और बिना पंजीयन के संचालित हो रही थीं। इसके साथ ही वाहनों में सड़क सुरक्षा मानकों का भी उल्लंघन पाया गया, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में न केवल जुमार्ना लगाया जाता है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर वाहन जब्ती और अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाती है। जिला परिवहन अधिकारी ने वाहन संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन न करें और सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न संगठन सुदृढ़ीकरण पर बनी रणनीति

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया द्वारा दिन मंगलवार 28 अप्रैल 2026 को 11 बजे सर्किट हाउस में जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी राकेश जैन (कक्का) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष इंजी. विजय कोल ने की।

बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं मंडलम कांग्रेस कमेटियों के गठन, बीएलए–2 की नियुक्ति, समन्वय समिति के अंतर्गत अनुशासन समिति के गठन, जिले के रिक्त प्रकोष्ठों की पूर्ति तथा वार्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कांग्रेस कमेटियों के गठन जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके साथ ही स्थानीय जनसमस्याओं पर भी विचार–विमर्श कर आगामी रणनीति तैयार की गई।

बैठक में पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अजय सिंह, पूर्व अध्यक्ष राजेश शर्मा, जिला संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह, उमरिया ब्लॉक अध्यक्ष मिथलेश राय, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती अंजू सिंह, मो. आजाद, त्रिभुवन प्रताप सिंह, संतोष सिंह, मो. अशलम, सावित्री सिंह, अमृत लाल यादव, गौरी शंकर मिश्रा, ऐशोराम सिंह राठौर, रवि मिश्रा, पीडी प्रभाकर, मनीष सिंह बरकड़े, अनुराग सिंह 'अम्बुज', शकील खान, ओमकार सिंह, बबलू सहित समन्वय समिति के सभी सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक के अंत में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपते हुए आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

मानपुर में तीन जगहो से अवैध मदिरा जप्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मानपुर थाना अंतर्गत सोसायटी के पास ग्राम सिगुडी ,ग्राम रक्सा तथा ग्राम गोवर्दे में पुलिस ने आरोपियो पर कार्यवाही करते हुए उनके पास से अवैध मदिरा जप्त की है। जानकारी अनुसार पुलिस ने संजीत पटेल पिता चंद्रशेखर पटेल निवासी ग्राम सिगुडी पर कार्यवाही करते हुए उसके पास से अवैध 14 पाव देशी प्लेन मदिरा शराब 2.52 लीटर कीमत 1120 रूपये विक्रय हेतु पाई जाने पर जप्त की है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही हैं। इसी तरह ग्राम रक्सा में आरोपी अजय कुमार साहू पिता चिंतामणि साहू निवासी ग्राम रक्सा पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए उसके पास से अवैध 40 पाव देशी प्लेन व 12 बीयर की बोतल जप्त कि है जिसकी कीमत 5600 रूपये

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उमरार डेम एवं कैनल की गई साफ–सफाई

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश में जल संरक्षण को जन–आंदोलन का रूप देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जल गंगा संवर्धन अभियान इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसके माध्यम से परंपरागत जल स्रोतों का पुनर्जीवन और संरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। यह पहल न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल संसाधनों को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के मार्गदर्शन में जल संरक्षण और संवर्धन को मजबूत करने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा उमरार डेम एवं उससे जुड़ी कैनल की व्यापक साफ–सफाई की गई। इस सराहनीय पहल में विभागीय कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए श्रमदान किया और अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अभियान के तहत डेम और कैनल में जमा गाद, कचरा तथा जल प्रवाह में बाधा उत्पन्न करने वाली झाड़ियों को व्यवस्थित रूप से हटाया गया। इस कार्य से न केवल जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि सिंचाई व्यवस्था भी अधिक प्रभावी और सुचारु बन सकेगी, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ जल स्रोतों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे आसपास के क्षेत्रों में भू–जल स्तर में सुधार होता है और दीर्घकालीन जल उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जल संकट जैसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान संभव है। कार्यक्रम के अंत में आमजन से अपील की गई कि वे जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें, वर्षा जल संचयन को अपनाएँ और जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर इस अभियान को जन–जन तक पहुँचाने में भागीदार बनें।

कलेक्टर ने एनआईसी कक्ष में वितरित किए पेंशन प्रमाण पत्र

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने प्रदेश के 33 लाख से अधिक हितग्राहियो को माह मार्च पेड इन अप्रैल 2026 की कुल राशि 200.71 करोड़ का हितलाभ सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया। उमरिया जिले के भी हितग्राहियों को वृध्दावस्था, कल्याणी, दिव्यांगता पेंशन की राशि अंतरित हुई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण उमरिया एनआईसी कक्ष में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग अमन कुमार दुबे सहित हितग्राही उपस्थित रहे। इस अवसर पर सावित्री यादव, कृष्णपाल यादव, गंगा बर्मन, लक्ष्मण सोधियां, मीरा बाई सोधियां, मोबीन निवासी, रामरती कोरी, उमरिया को वृध्दावस्था पेंशन,वंदना हरीजन को कल्याणी पेंशन, अमित जैसवाल को दिव्यांगता पेंशन का प्रमाण पत्र कलेक्टर श्रीमती सहाय व्दारा वितरित किया गया।

गर्मी से जनजीवन अस्त-व्यस्त, दोपहर बाद सड़कों पर सन्नाटा

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिले में भीषण गर्मी ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। तापमान लगातार बढ़ने के कारण सुबह से ही तेज धूप लोगों को परेशान करने लगती है। जैसे–जैसे दिन चढ़ता है, गर्म हवाओं और तपिश के चलते हालात और भी मुश्किल हो जाते हैं। दोपहर के समय स्थिति यह हो जाती है कि सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आता है। लोग जरूरी काम न होने पर घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं।

बाजारों में भी दोपहर बाद ग्राहकों की संख्या में कमी देखी जा रही है। गर्मी से बचाव के लिए लोग विभिन्न उपाय अपना रहे हैं। सिर को ढकने के लिए टोपी और धूप से आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मे का उपयोग बढ़ गया है। वहीं, घरों में ठंडक बनाए रखने के लिए कूलर और पंखों की मांग में भी इजाफा हुआ है, जिससे इनकी बिक्री में तेजी आई है। चिकित्सकों ने भी लोगों को सलाह दी है कि तेज धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और हल्के व ढीले कपड़े पहनें, ताकि गर्मी के दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

देशी फ्रिज मटके की बढ़ी मांग

तापमान बढ़ते ही लोगों ने राहत पाने के लिए पारंपरिक उपायों की ओर रुख किया है, जिसके चलते 'देशी फ्रिज' के नाम से मशहूर मिट्टी के मटकों की मांग तेजी से बढ़ गई है। गांव से लेकर शहर तक मटकों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। बाजारों में अलग–अलग आकार और डिजाइन के मटके, सुराही और घड़े सज गए हैं। खास बात यह है कि इस बार टोटी लगे मटकों और आधुनिक डिजाइन वाले घड़ों की भी अच्छी मांग देखी जा रही है। मटके की बढ़ती मांग का मुख्य कारण इसका प्राकृतिक ठंडक देने वाला गुण है। मिट्टी का मटका बिना बिजली के पानी को ठंडा रखता है, जिससे यह फ्रिज का सस्ता और पर्यावरण अनुकूल विकल्प बन गया है।

यही वजह है कि कई लोग अब फ्रिज के बजाय मटके का पानी पीना पसंद कर रहे हैं। मटकों की इस बढ़ती मांग से कुम्हारों के चेहरे पर भी खुशी नजर आ रही है। लंबे समय बाद उनके पारंपरिक व्यवसाय को फिर से गति मिली है और उन्हें अच्छा रोजगार मिल रहा है। विदित हो चंदिया के नाम से मशहूर मटकों की बाजार मे धूम है। चंदिया के जिला उमरिया सहित अन्य प्रदेशो में बिक रहे है।

नगरीय प्रशासन की टीम ने मानपुर नगर परिषद का किया दौरा

मानपुर (स्वतंत्रमत)।

बुधवार 28 अप्रैल 2026 को नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यपालन यंत्री जीवेन्द्र सिंह द्वारा नगर परिषद मानपुर जिला उमरिया का निरीक्षण किया गया, जिसमें स्वच्छता के संबंध में वर्तमान में सर्वेक्षण चालू हो गया उसके लिए एमआरएफ स्टेशन का निरीक्षण किया। एसएस टूल किट 2026 के अनुसार अधिक से अधिक नंबर लाने के लिए निर्देश दिए गए। टीम द्वारा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया गया, स्काडा एवं टेस्ट रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। डेली गुणवत्ता युक्त पानी देने के निर्देश दिए गए एवं नगर वन अमृत 2.0 के पार्क का अवलोकन किया गया। जल गंगा संवर्धन अंतरगत अधिक से अधिक पेड़ लगाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण जे दौरान संभागीय कार्यपालन यंत्री अरविंद शर्मा और सीएमओ नगर परिषद मानपुर राजेन्द्र कुशवाहा सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

दस्तयाब कर परिजनों से मिलाया

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशन में एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक ऑपरेशन मुस्कान अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य लापता गुम बाल-बालिकाओं की खोज बाल तस्करी की रोकथाम तथा उन्हें सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कराना है। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा द्वारा समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए जा रहे है तथा अभियान की सतत मॉनिटरिंग सतीश कुमार चतुर्वेदी द्वारा की गई। अभियान अवधि में पुलिस द्वारा कुल 2 बालक एवं 39 बालिकाओं सहित 41 बच्चों को दस्तयाब कर सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

मासिक कार्ययोजना रखें तैयार

मण्डला(स्वतंत्र मत)। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने जिला योजना भवन में आकांक्षी विकासखंडों की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले के दो आकांक्षी ब्लॉक मवई तथा नारायणगंज में संचालित योजनाओं की प्रगति एवं संकेतकों की स्थिति की विभागवार समीक्षा की गई। सीईओ शाश्वत सिंह मीना ने बताया कि शासन द्वारा मवई विकासखंड के लिए कलेक्टर मंडला को तथा नारायणगंज विकासखंड के लिए संभागायुक्त जबलपुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी दिनों में संभागायुक्त जबलपुर का नारायणगंज विकासखंड में विजिट प्रस्तावित है।

ऑनलाइन फार्म भरने की अपील

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला जनगणना अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमति क्षमा सराफ ने जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना अभियान की शुरुआत करते हुए स्वयं ऑनलाइन गणना पत्रक भरकर नागरिकों से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक नागरिक के माध्यम से घर बैठे मात्र दो मिनट में अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्व-गणना के अंतर्गत आसान प्रश्नों का उत्तर देकर फॉर्म भरा जा सकता है जिससे 1 मई से 31 मई तक होने वाली घर-घर जनगणना प्रक्रिया अधिक सरल एवं त्वरित हो सकेगी।

हेलमेट पर विशेष अभियान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से 10 मई तक विशेष हेलमेट अनिवार्यता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट उपयोग को बढ़ावा देना एवं दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम करना है।

घुघरी में बीएलबीसी की बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जनपद घुघरी में बैंकर्स की जनपद स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार द्वारा की गई। बैठक में जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री भावना, सभी बैंक शाखा प्रबंधकों एवं विभिन्न ऋण योजनाओं से संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा में जमा वृद्धि, ऋण वितरण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

उत्पादन वनमंडल में डीएफओ की मनमानी: नियमों को ताक पर रखकर चल रहा कामकाज, परिवहन ठेकेदार हो रहे परेशान

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले के उत्पादन वन मंडल में इन दिनों व्यवस्थाएं सवालों के घेरे में हैं। विभागीय सूत्रों और स्थानीय लोगों की मानें तो यहां पदस्थ डीएफओ वनमंडल अधिकारी की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार असंतोष बढ़ता जा रहा है। आरोप है कि नियमों और पारदर्शिता को दरकिनार कर मनमाने तरीके से निर्णय लिए जा रहे हैं जिससे न केवल विभाग की साख प्रभावित हो रही है बल्कि वन संसाधनों के संरक्षण पर भी खतरा मंडरा रहा है। बताया जा रहा है कि उत्पादन वन मंडल में कई महत्वपूर्ण कार्य बिना तय प्रक्रिया का पालन किए ही स्वीकृत किए जा रहे हैं। जहां टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता अपेक्षित होती है वहां चयन में पक्षपात और मनमानी के आरोप सामने आ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिले में कूपों का परिवहन करने वाले ठेकेदारों ने डीएफओ पर आरोप लगाए हैं जिसकी शिकायत मुख्य वन संरक्षक जबलपुर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक भोपाल और वनमंत्री मप्र शासन भोपाल को की गई हैं। आरोप है कि नियमित रूप से परिवहन करने के बाद भी उन्हें काम न देते हुए सरकारी वाहन से परिवहन कराया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि परिवहन समूह

क्रमांक एमआई -4017 एमएफ 4055, 4056, 4053 में किसी सूचना के सरकारी वाहनों द्वारा निविदा कूपों में परिवहन कार्य कराया गया। एकरार नामा हस्ताक्षर करते समय समस्त परिवहनकर्ताओं को आपके द्वारा भरोसा दिलाया गया था कि कटाई आदेश विलंब से आने विस्तार समय 31 मई तक दिया जाएगा। 15/04/26 कि स्थिति में मात्रा 604 घनमीटर परिवहन मात्रा 394 घनमीटर, परिवहन हेतु शेष 2174 घनमीटर इस परिवहन समूह की समय सीमा खत्म न होने के बावजूद सरकारी वाहन से परिवहन कराया गया। जो कि नियम के विरूद्ध है। एमएफ-4056 कार्य आदेश 24/11/25 को जारी हुआ 25/11/25 को सरकारी वाहनो से परिवहन कराया गया एमएफ-40558/4/26 को सरकारी वाहनो से परिवहन कराया गया। जो कि नियम के विरूद्ध है। हम समस्त परिवहन कर्ताओ को कटाई के आदेश विलंब से आने से मात्रा जनवरी माह के शुरूआत में मध्य में परिवहन हेतु उपलब्ध कराई गई। कष्ठ विदोहन नियम पृ.क्र. 32 बड़े कूपो की कटाई थप्पीकरण वहीं 30 प्रतिशत नवबंर माह तो वहीं पूर्ण करने जनवरी माह 2 से 5 दिसंबर से विदोहन परिक्षण परिक्षेत पर प्रारंभ हुआ। जब मात्रा विलंब से प्रदान को गई तो समय अवधि पर कैरे परिवहन हो पाएगा। हम परिवहनकर्ताओं पर दबाव बनाया जा रहा है कि 30/04/26 तक संपूर्ण मात्रा परिवहन कर दी जाये जो संभव नही है। वन विभाग जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस प्रकार की कार्यशैली न केवल प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन है बल्कि इससे भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा मिलने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों और वन क्षेत्रों से जुड़े लोगों का कहना है कि उत्पादन के नाम पर वनों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। पेड़ों की कटाई में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है। कई स्थानों पर यह भी शिकायत है कि जिन क्षेत्रों को संरक्षित रखा जाना चाहिए वहां भी उत्पादन कार्यों की अनुमति दी जा रही है। इससे जैव विविधता पर सीधा असर पड़ रहा है और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास प्रभावित हो रहा है। वन मंडल के कर्मचारियों के बीच भी असंतोष की स्थिति बनी हुई है। नाम न छापने की शर्त पर कुछ कर्मचारियों ने बताया कि डीएफओ के फैसले अक्सर एक तरफा होते हैं और जमीनी हकीकत को नजरअंदाज किया जाता है। कई बार अनुभवी कर्मचारियों की सलाह को भी दरकिनार कर दिया जाता है जिससे कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि कोई अधिकारी अपनी बात रखने की कोशिश करता है तो उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है या दबाव में रखा जाता है। इस पूरे मामले में जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोग पूछ रहे हैं कि जब इतनी बड़ी अनियमितताओं की चर्चाएं हो रही हैं तो जनप्रतिनिधि क्यों खामोश हैं। कुछ सामाजिक संगठनों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो वन संसाधनों को अपूरणीय क्षति हो सकती है। सूत्रों के अनुसार उत्पादन वन मंडल की कार्यप्रणाली को लेकर उच्च अधिकारियों तक शिकायतें भी पहुंच चुकी हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे यह संदेश जा रहा है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक स्तर पर भी लापरवाही या उदासीनता बरती जा रही है। यदि शिकायतों पर समय पर ध्यान दिया जाता तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। अब सवाल यह है कि आखिर कब तक इस तरह की मनमानी चलती रहेगी। स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने मांग की है कि उत्पादन वन मंडल में सभी कार्यों को पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। टेंडर प्रक्रिया, लकड़ी कटाई और अन्य गतिविधियों की नियमित निगरानी होनी चाहिए। साथ ही स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्पादन वन मंडल का उद्देश्य केवल संसाधनों का उपयोग नहीं बल्कि उनका संरक्षण भी है।

रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले के युवाओं को रोजगार एवं कौशल विकास से जोड़ने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना बम्हनी एवं चौकी अंजनिया परिसर में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण एवं चयन शिविरों का आयोजन किया गया। थाना बम्हनी परिसर में आयोजित शिविर में लगभग 40 युवक युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान अभ्यर्थियों को जबलपुर एवं भोपाल में उपलब्ध विभिन्न ट्रेड 2 व्हीलर 4 व्हीलर सर्विस टेक्नीशियन हाउसकीपिंग एवं फूड एंड बेवरेज सर्विस में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई। चयनित अभ्यर्थियों को 12,000 से 15,000 प्रतिमाह वेतन निःशुल्क ड्रेस, जूते एवं प्रशिक्षण सामग्री प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई। वहीं चौकी अंजनिया परिसर में आयोजित शिविर में संस्था के प्रतिनिधि प्रदीप द्वारा उपस्थित युवाओं को निःशुल्क 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ऑटोमोबाइल, होटल मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन, ब्यूटी पार्लर, कंप्यूटर सहित कुल 32 विभिन्न सेक्टरों में उपलब्ध प्रशिक्षण एवं रोजगार अवसरों से अवगत कराया गया।

सामूहिक विवाह में जीवनभर साथ निभाने का लिया वचन

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

एकीकृत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर बिछिया में मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिछिया नगर निकाय एवं जनपद पंचायत क्षेत्र के कुल 126 जोड़ों ने एक-दूसरे के साथ जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया समारोह में जनजातीय परंपराओं और हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संस्कार सम्पन्न कराए गए। वहीं सामाजिक समरसता की मिसाल पेश करते हुए 2 मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी उनकी धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके रही। विवाह समारोह में मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के सम्मान और

सुरक्षा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां बोझ नहीं बल्कि समाज की शक्ति हैं और सरकार उनके विवाह से लेकर उनके उज्ज्वल भविष्य तक की जिम्मेदारी निभा रही है समारोह के दौरान मंत्री श्रीमती उइके ने अपने सहज और आत्मीय व्यवहार से सबका दिल जीत लिया। वे बारातियों के साथ मंच के सामने ढोल-नगाड़ों की धुन पर थिरकती नजर आईं जिससे पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर गया सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों संस्कृतियों और परंपराओं का मिलन होता है। उन्होंने कहा कि यह योजना सामाजिक समरसता समानता और आर्थिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को संदेश देते हुए कहा कि वे अपने वैवाहिक जीवन की नींव आपसी विश्वास सम्मान और समझदारी पर रखें। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश की कोई भी पात्र बेटी आर्थिक अभाव के कारण विवाह से वंचित न रहे। यह योजना समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है और इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। इस दौरान बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने वर-वधुओं को आर्शीवाद देते हुए कहा कि नशे से दूरी बनाएं और वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाने का आग्रह किया। समारोह के दौरान अतिथियों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से हितग्राही शमा बेगम, सरस्वती आर्मो दिव्य भावरे और भगवती घुर्वे को 49 हजार रुपये के चेक प्रदान किए गए। सभी वधुओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 49-49 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामप्यारी झारिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सकुना उइके, नगर परिषद बिछिया श्रीमती रजनी मरावी, विजय आनंद मरावी, महेंद्र पटेल, नीरज पटेल, नीरज मरकाम, एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव, सीईओ जनपद पंचायत रमेश मंडावी, नगर परिषद उपाध्यक्ष रानू रणजीत सिंह राजपूत, जनपद पंचायत बिछिया उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना पटेल जनपद सदस्य एवं पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

महाराष्ट्र के किसान पहुंचे मंडला

मण्डला(स्वतंत्रमत)

अमरावती जिला के धारिणी से समाज प्रगति सहयोग संस्था से किसानो का एक भ्रमण दल आया जिसका उद्देश्य था की मंडला में वनोपज के उत्पाद एवं सरल सहज तकनीकी से उत्पाद केसे बनाये जा रहे है सीडीवीडी संस्था के डायरेक्टर निशार कुरैशी ने बताया की संस्था के द्वारा छोटे छोटे उत्पादों को बिना किसी बड़ी मशीनरी की सहायता से घरेलु सामान से केसे उत्पाद बनाकर विक्रय किया जा सकता है वनोपज से जुड़े उत्पादों का प्रदर्शन किया गया एवं शहद प्रसंस्करण इकाई में पैकेजिंग के बारे विस्तृत जानकारी दी गई।

सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट सीडीवीडी संस्था के द्वारा वनोपज आधारित उत्पादों का अध्यन करने महाराष्ट्र के

जि.पं. में बीएलबीसी बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला पंचायत में बैंकर्स की जनपद स्तरीय समन्वय समिति की बैठक अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नाबार्ड के डीडीएम देबब्रत पाल, विभिन्न बैंकों के प्रमुख एवं ऋण योजनाओं से जुड़े विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए जमा वृद्धि ऋण वितरण एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर गहन चर्चा की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कार्ययोजना तैयार करने, सभी बैंकों एवं संबंधित विभागों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए समन्वित प्रयास करने, पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

निर्मला में पक्षियों के लिए सकोरे

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

निर्मला हायर सकेण्डरी स्कूल में भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षी के लिए सराहनीय पहल की गई है जहां स्कूल परिसर में छात्राओं के द्वारा सकोरे लगाए गए वहीं विद्यालय प्राचार्य सिस्टर क्लारा कुजूर ने बताया कि धरती को हरा भरा बनाए रखने में पक्षियों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। आज जब बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षियों का जीवन संकट में है तब समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य बनता है कि वह इनके संरक्षण के लिए आगे आए। भीषण गर्मी में

जल स्त्रोतों के सूख जाने से पक्षियों को पानी और भोजन की भारी कमी का सामना करना पड़ता है जिससे उनकी मृत्यु दर बढ़ रही है। इस कठिन समय में पक्षियों को राहत पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। लोग अपने घरों की छतों बालकनी और आसपास के स्थानों पर पानी के बर्तन परिंडे रख सकते हैं। साथ ही दाना डालकर पक्षियों के भोजन की व्यवस्था भी की जा सकती है।

आदेश वापस लेने सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मिड डे मील मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के रसोइयों को नहीं हटाए जाने के संबंध में रसोईया उत्थान संघ समिति ने जनसुनवाई में आवेदन के अलावा मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम भी कलेक्टर के द्वारा ज्ञापन सौंपा है। आवेदन और ज्ञापन में जिले सहित संपूर्ण मध्यप्रदेश के रसोईयों को ध्यान में रखकर जारी आदेश को शीघ्र ही वापस लिए जाने की मांग प्रमुखता से की गई है। संगठन के संरक्षक समाजसेवी पीडी खैरवार ने बताया है कि मध्यान्ह भोजन बनाने वाले रसोइयों का शोषण तरह-तरह से सरकार करती आ रही है। देर से मानदेय भुगतान करना कम मानदेय देना मुफ्त में काम कराना तो आम बात है अब काम से हटाना भी आम बात बनने लगी है। मार्च से मानदेय दिया नहीं गया है। हर साल जून के काम का मानदेय दिया नहीं जाता।

स्कूलों में अवकाश घोषित

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले में बढ़ते तापमान को देखते हुए कलेक्टर शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार भीषण गर्मी के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नर्सरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित किया गया है। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस अवधि में शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित रहेंगे और शैक्षणिक व प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राप्त शिकायत के आधार पर कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार खनिज विभाग मंडला ने ग्राम डिंगराघाट, तहसील बिछिया क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। सोमवार को वाहन क्रमांक एमपी 51 एए 8286 को अंजनिया क्षेत्र अंतर्गत खनिज विभाग की टीम द्वारा पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान वाहन में रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा था।

बुद्ध पूर्णिमा पर शांति रैली

मण्डला(स्वतंत्र मत)। विश्व को शांति का संदेश देने वाले महाकारुणिक तथागत भगवान बुद्ध की 2570 वी जयंती त्रिगुण पवन पूर्णिमा के पूर्व संध्या 30 अप्रैल को विश्व शांति रैली जो कि नेहरू स्मारक से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई डॉ.अम्बेडकर चौक में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण, सामूहिक वंदना पश्चात समाप्त होगी। 1 मई को बुद्ध पूर्णिमा के दिन त्रिरत्न विश्व शांति बुद्ध विहार देवदरा में प्रात: 9.00 बजे से पूज्य भंते धम्मदीप महानंद बोधि द्वारा परित्राण पाठ, मंगल मैत्री, धम्म देशना की जाएगी।

आवेदकों की सूची जारी

मण्डला(स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बीएलसी घटक 2.0 के अंतर्गत भूमिहीन आवेदकों के प्रकरणों की जांच उपरांत प्रारंभिक सूची जारी कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार म.प्र. के नगरीय क्षेत्रों में भूमिहीन व्यक्तियों को पट्टाधिकार प्रदान किए जाने संबंधी अधिनियम 1984 के तहत आवासीय भूमि के पट्टे के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच गठित दल द्वारा की गई। जाँच के दौरान कुल 52 आवेदनों में से 30 आवेदक पट्टा प्राप्त करने के लिए पात्र पाए गए, जबकि 22 आवेदक अपात्र घोषित किए गए हैं। पात्र एवं अपात्र आवेदकों की यह प्रारंभिक सूची नगर पालिका परिषद मंडला के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

डंफर ने वृद्ध को मारी टक्कर

बुरी तरह से वृद्ध चोटिल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर के मुख्य मार्ग पर बांसुरी वादन चौक के पास बेकाबू डंफर ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि हीरा उर्फ रज्जू राजपूत पिता महावीर राजपूत ग्राम खापा थाना केवलारी जिला सिवनी उम्र 70 वर्ष को डम्फर ने टक्कर मारी।मौके से घायल वृद्ध को उपचार हेतु नैनपुर चिकित्सालय लाया गया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। गुस्साए लोगों ने डंफर रोक लिया और थाने में खड़ा करा लिया गया है।।सिविल हॉस्पिटल नैनपुर में वृद्ध का इलाज चल रहा है। नगर के इकलौते मुख्य मार्ग पर बेकाबू डंफर बेख़ौफ़ दौड़ रहे है। मगर इनमें नियंत्रण नही लगाया जा पा रहा है।

संपादकीय

टेम्प्रेचर का टार्चर

एक्यूआई.इन नामक वैश्विक संस्था का हालिया आंकड़ा बताता है कि दुनिया के सबसे गर्म 20 शहरों में 19 भारत के हैं। निःसंदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 44 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं। आशंका जताई जा रही है कि दिल्ली में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। बहरहाल, इन तमाम चिंताओं के बीच प्रश्न यह है कि अप्रत्याशित गर्मी क्यों बढ़ रही है। दरअसल, अप्रैल माह में प्री-मानसून हीट पीरियड के चलते जमीन पर पड़ने वाली तेज धूप गर्मी का एक कारण है। बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम बर्फबारी भी गर्मी बढ़ने का एक कारक है। वहीं समुद्री सतह के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है। फलतः वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिस्टम कमजोर होने से, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वहीं शुष्क हवाएं बादल बनने में अवरोध पैदा करके बारिश की संभावना को कम कर दे रही हैं। निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की भी देन है। यह वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी और तापमान बढ़ने की चिंता भी दर्शाता है। आशंका है कि भविष्य में तापमान में तीव्रता और बार-बार हीटवेव चलने की स्थिति बढ़ सकती है। हाल-फिलहाल मानसून से पहले की फुहारों के कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं, जिसका मतलब है कि आने वाले दिनों में हमें भीषण गर्मी की तपिश झेलने को मजबूर होना पड़ेगा।

मुफ्त की राजनीति से अकर्मण्य होती पीढ़ी

क्षमा शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

पिछले दिनों तमिलनाडु, केरल, असम, पुडुचेरी तथा पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों को लेकर खासी गहमागहमी रही। बाकी राज्यों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं और पश्चिम बंगाल में अब दूसरे चरण का मतदान बाकी है। हर दल अपनी-अपनी जीत के लिए उत्साहित है। बड़ी-बड़ी घोषणाएं भी की जाती रही हैं कि अगर हम चुनाव में जीते, तो महिलाओं के खाते में हर माह, या हर साल इतने हजार ट्रांसफर करेंगे। युवाओं को इतना पैसा देंगे। किसानों का बिजली का बिल माफ कर देंगे। ये देंगे, वो देंगे।

यानी कि मुफ्त की रेवड़ियों का बाजार लगा रहा है। इस हाथ वोट दो, उस हाथ ये लो। यानी कि वोट की कीमत कैश या काइंड में मापी जा रही है। सत्तर के दशक में महिलाओं-पुरुषों को साड़ियां, धोतियां बांटकर, ट्रांजिस्टर देकर, वोट देने से पहले की रात नकदी देकर काम चला लिया जाता था, लेकिन अब हजारों रुपये भी कम पड़ जाते हैं। इस दल ने हमें यह दिया है, दूसरा दल अगर उससे ज्यादा दे रहा है, तो बस वोट उसी को। फिर मान लीजिए पिछले इलेक्शन में अगर इतना रुपया मिला था, इस बार भी उतने का ही वादा हो, तो क्या खास दिया। ज्यादा दो, तो कुछ बात बने। इस लालच को बढ़ाने में अधिकांश राजनीतिक दल बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। वे जानते हैं कि लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता आदि का कोई मतलब नहीं, लोगों को असली मतलब इस बात से होता है कि सरकार उन्हें मुफ्त में क्या दे रही है।

याद है हमें कि नब्बे के दशक में सोवियत संघ के विघटन के बाद, जब पूर्वी यूरोप के समाजवादी गुट में शामिल देश एक-एक करके टूट रहे थे, तो मशहूर मीडिया पर्सनेलिटी प्रणय राय ने एक कार्यक्रम में कहा था कि नाउ देअर विल बी नो फ्री लंच। यानी कि अब मुफ्त में कुछ नहीं मिलेगा। इन देशों के गिरने के पीछे यही कारण बताया जाता था कि यहां की आर्थिक स्थिति को वहां की सरकारों ने ही लोगों में मुफ्त सब कुछ पाने की आदत डालकर, तबाह कर दिया था। इसलिए वे समाजवादी होते हुए भी पूंजीवाद के सामने एक-एक करके धराशायी हो गए। हमारे यहां जितने भी राजनीतिक दल हैं, उन सबने इन स्थितियों को देखा है। बैठकर खाने के मुकाबले परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है, ये भी जानते ही हैं। यों भी दुनिया में कुछ मुफ्त नहीं मिलता। हो सकता है जिसे दलों द्वारा मुफ्त में सब कुछ मिल रहा है, वह उसकी कीमत न चुका रहा हो, लेकिन कीमत तो चुकानी ही पड़ती है, चाहे तरह-तरह के कर देकर देश की जनता चुकाए या सरकारें विश्व बैंक या अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सामने कटोरा लेकर चले जाएं। मगर विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के ऋण भी ब्याज समेत चुकाने ही पड़ते हैं, इन संस्थाओं की कठोर शर्तें भी माननी पड़ती हैं। वे भी देश की जनता के ही सिर होते हैं।

दरअसल, कोई भी सरकार तो कुछ कमाती नहीं है। वह तो लोगों से ही वसूलती है। यह बात अलग है कि अपने देश में जो टैक्स देते हैं, सरकारों की नजर में वे सोने की अंडे देने वाली मुर्गियां होती हैं। जितना चाहो निचोड़ो। आम तौर पर ये लोग मध्यवर्ग के होते हैं क्योंकि अमीर लोग तो सारी सुख, सुविधाओं, लाखों-करोड़ के मालिक होने के बावजूद, बेचारे अपना ऋण नहीं चुका पाते और सरकारें उन पर रहम करके माफ कर देती हैं। लेकिन मध्यवर्ग करदाता के लिए शायद ही किसी दल के पास कोई योजना हो। ये लोग अपनी मेहनत से पढ़-लिखकर नौकरियां प्राप्त करते हैं, ऋण लेकर घर बनाते हैं, शादी-ब्याह अपने खर्चे से करते हैं। बच्चों को पढ़ाते हैं लेकिन कोई इनकी सुध नहीं लेता, क्योंकि मान लिया गया है कि यह तो सम्पन्न वर्ग है। इसे किसी सरकारी सहायता की जरूरत नहीं। इसकी जेबों से पैसा निकालकर सरकारें वोट बटोरने के लिए लोकप्रियतावादी, जिसे अंग्रेजी में पॉपुलिज्म कहते हैं, का रास्ता अपनाती हैं। वोटर्स के लिए तरह-तरह की ऐसी मुफ्त की योजनाएं लाई जाती हैं, जिनसे सरकारी खजाना खाली होता जाता है। राज्य सरकारों से लेकर केंद्र सरकार तक मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से परहेज नहीं करतीं।

हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि बहुत सारी राज्य सरकारों के खजाने खाली हैं। उन पर लाखों करोड़ का कर्ज है, कर्मचारियों को वेतन देने के पैसे नहीं हैं जैसा कि कुछ दिन पहले हमने हिमाचल प्रदेश में देखा था, लेकिन वोटर भगवान वोट दे दे, इसके लिए खजाना खाली होता रहे, तो क्या हुआ। लोग कहते हैं कि दलों का वश नहीं चलता वर्ना वे वोटर्स को सूरज, चांद और आसमान को भी मुफ्त में बांट दें।

पिछले साल बिहार के चुनाव से पहले अड़तीस हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। हालत यह हो गई थी कि वहां की सरकार के पास जरूरी खर्चों के लिए भी पैसे नहीं बचे थे। एक अनुमान के अनुसार विभिन्न सरकारों द्वारा महिलाओं के लिए जो मुफ्त की योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनकी राशि एक लाख, अड़सठ हजार, चालीस करोड़ तक पहुंच सकती है। किसी जमाने में 'अजगर करे न चाकरी पंछी करे न काम, दास मलूका कह गए सबके दाता राम' को उन लोगों को निंदा के रूप में सुनाया जाता था, जो कुछ नहीं करना चाहते थे, लेकिन अब तो लगता है कि सरकारें ही इसके लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। केंद्र सरकार ने चाहे इस पर चिंता व्यक्त की हो, लेकिन सिर्फ चिंता से कुछ नहीं होता, क्योंकि दलों को चुनाव जीतने का यही आसान सा रास्ता लगता है। ऐसे में देश में कुछ न हो, इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में धन के अभाव में रोड़े अटक जाएं, किसी को क्या फर्क पड़ता है। सच तो यह है कि इन मुफ्त की रेवड़ियों की कीमत अंततः जनता को ही चुकानी पड़ती है। उच्चतम न्यायालय बार-बार इस बारे में अपनी अप्रसन्नता प्रकट कर चुका है, मगर 'स्वारथ-लागि करें सब प्रीती' के इस दौर में न नेता सुनते हैं, न जनता। नेताओं का स्वार्थ वोट और जनता का स्वार्थ मुफ्त में सब कुछ।

अपने देश में बताया जाता है कि अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त में वर्षों से राशन मुफ्त दिया जा रहा है। इसका नतीजा यह है कि अब गांवों में भी लोग काम नहीं करना चाहते। गांव में रहने वाले एक मित्र ने बताया था कि चूंकि तरह-तरह की सरकारी योजनाओं से लोगों को बिना कुछ किए पैसे भी मिल रहे हैं और खाने-पीने की सुविधाएं, तो अब युवा काम नहीं करना चाहते। वे दिनभर मटरगश्ती करते हैं। बहुत से जुआ आदि खेलते हैं। चूंकि काम नहीं तो खाली दिमाग शैतान का घर, इसलिए लड़ाई-झगड़ा, हत्या यानी कि अपराधों का ग्राफ भी बढ़ रहा है। गांव में अब मजदूर भी नहीं मिलते।

एक तरह से ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है जिसके मुंह मुफ्त की रेवड़ियों का स्वाद लग चुका है। फिर यदि एक बार आप किसी को मुफ्त की सुविधा का स्वाद चखा दें, तो फिर उसे आसानी से वापस नहीं लिया जा सकता। वापस लेते ही हारने की तैयारी हो जाती है। इसीलिए बहुत से नेता निजी बातचीत में इन मुफ्त की सुविधाओं से असहमति व्यक्त करते हैं, मगर खुलेआम अगर कुछ कहें तो जानते हैं कि उनका राजनीतिक भविष्य चौपट हो जाएगा।

आया राम-गया राम की संस्कृति और संवैधानिक पाप

लगभग साठ साल पुराना किस्सा है, जिसे भारतीय राजनीति के संदर्भ में चटखारे ले-लेकर सुना-सुनाया जाता है। हरियाणा विधानसभा में एक विधायक थे गया लाल। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे वे। एक दिन अचानक उन्हें इलहाम हुआ कि अब कांग्रेस पार्टी उनके अनुकूल नहीं है। वे कांग्रेस पार्टी छोड़कर जनता पार्टी के साथ जुड़ गये। कुछ घंटे बाद उन्हें लगा उनका यह निर्णय सही नहीं है। वे फिर अपने घर यानी कांग्रेस पार्टी में लौट आये। फिर अचानक उनके ज्ञान-चक्षु खुल गये, उन्हें समझ आया कि उनका सवेरे वाला निर्णय ही सही था। वे कांग्रेस से फिर जनता पार्टी में चले गये। एक ही दिन में तीन बार अपनी पार्टी बदलकर इन विधायकजी ने भारतीय राजनीति को एक नया मंत्र भी दे दिया और यह भी समझा दिया कि 'जनता की सेवा करने के लिए' राजनीति में इस तरह के निर्णय लेने पड़ते हैं! पर उनके अपने साथी यह मानने को तैयार नहीं थे कि किसी राजनेता को जनता की सेवा के लिए पार्टी बदलनी ज़रूरी लग सकती है। वे यह मानते थे कि इस तरह के निर्णय अपने व्यक्तिगत स्वार्थों के चलते नेता लोग लेते हैं। गया लाल नामक उन विधायक जी के नाम पर देश की राजनीति को एक मंत्र मिल गया- आया राम, गया राम! साठ साल पहले शुरू हुई राजनीतिक स्वार्थ की यह प्रवृत्ति तब एक अपवाद थी, अब यह जैसे आम बात है। नवीनतम उदाहरण कल तक 'आम आदमी पार्टी' के प्रखर नेता कहलाने वाले सांसद राघव चड्ढा का है। आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में थे राघव चड्ढा। पार्टी के कोषाध्यक्ष भी रह चुके थे। पार्टी ने उन्हें राज्यसभा की सदस्यता भी दी। फिर उनके ज्ञान-चक्षु खुल गये। उन्हें लगा जिस भारतीय जनता पार्टी को वे 'अनपढ़ गुंडों की पार्टी' मानते थे वह वास्तव में भारतीयों की सच्ची सेवा करने वाली पार्टी है और उन्होंने घोषणा कर दी कि वह आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। यह इलहाम अकेले राघव चड्ढा को ही नहीं हुआ, वे अपने साथ आम आदमी पार्टी के छह सांसदों को भी ले गये। राज्यसभा के सभापति ने बिना कुछ देर किये इन्हें सदन में भाजपा के सदस्य के रूप में मान्यता भी दे दी है। राघव चड्ढा की पुरानी पार्टी यदि चाहे तो वह 'अपने सदस्यों' को इस कार्रवाई और भाजपा में उनके 'विलय' को चुनौती दे सकती है।

पर दल-बदलुओं का अबतक का इतिहास तो यही बताता है कि भले ही उच्चतम न्यायालय दल-बदल की इस प्रक्रिया को 'संवैधानिक पाप' की संज्ञा दे दे, पर इन कथित पापियों को कोई सज़ा मिलती नहीं! 'दलबदलुओं' को सज़ा देने की कोशिशों में एक कोशिश दल-बदल के खिलाफ कानून बनाना भी था। वर्ष 1985 में देश की संसद में एक संशोधन पारित कर के दल-बदल की इस लगातार बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाये गये। तय हुआ कि पार्टी के दो तिहाई सदस्य मिलकर यदि किसी दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं, तभी इसे 'विलय' माना जायेगा, अन्यथा ऐसा करने वाले नेता की सदस्यता निरस्त मानी जायेगी। पर पेच यह रह गया कि दो-तिहाई संख्या पार्टी की या संसदीय दल की? इसमें एक गांठ यह भी है कि विलय का निर्णय सदन का पीठासीन अधिकारी करता है। इसका मतलब यह है कि सदस्य जब चाहे सत्तारूढ़ पार्टी का 'आया राम' बन सकता है। सवाल यह उठता है कि कोई आया राम या गया राम क्यों अपनी मूल पार्टी छोड़कर किसी अन्य पार्टी में शामिल होता है? क्या सचमुच यह कोई नीतिगत निर्णय होता है या फिर इसके पीछे राजनीतिक स्वार्थ होते हैं? भारत के दल-बदलुओं का इतिहास बताता है कि लगभग शत प्रतिशत राजनीतिक स्वार्थ होता है। अक्सर इस आशय के आरोप भी लगते हैं कि अपने अपराधों के पाप धोने, या फिर सत्तारूढ़ दल के हितों को दृष्टि में रखकर भी 'आयाराम गयाराम' का यह खेल होता है। यह खेल खेलने वालों की आधिकारिक संख्या बतानी तो मुश्किल है, पर ज्ञात तथ्यों के अनुसार 1985 में दल-बदल विरोधी कानून लागू होने के बाद से अब तक सैकड़ों सांसद और विधायक दल-बदल चुके हैं। कहते हैं कानून बनने से पहले 1967 से 1971 के बीच लगभग 50 प्रतिशत विधायकों ने अपनी पार्टी बदली थी, इसे 'आयाराम, गयाराम' की राजनीति कहा गया। मार्च 2024 तक की रिपोर्ट के अनुसार दसवीं अनुसूची के तहत कम से कम सात प्रमुख अवसरों पर सदस्यों पर कार्रवाई हुई है। सन 2022 में हमने महाराष्ट्र और गोवा में दल-बदल का यह 'खेला' देखा, इससे दो साल पहले मणिपुर के तीन विधायकों को अयोग्य ठहराया गया था। और अब यह आम आदमी पार्टी का मामला सामने है।

निश्चित रूप से यह सारे मामले इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमारी राजनीति में सिद्धांतों और नीतियों के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। कभी विधायक या सांसद अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए ऐसा कदम उठाता है और कभी राजनीतिक दल अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिए दूसरे दलों के सदस्यों को अपने साथ जुड़ने के लिए बाध्य करता है। स्वार्थ के इसी खेल के संदर्भ में अक्सर यह आरोप लगते हैं कि सत्तारूढ़ दल ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स विभाग आदि का डर दिखाकर अपने हित साधता है। इस तरह के आरोपों की पुष्टि आसान नहीं होती। लेकिन विपक्ष के इस आरोप की जांच तो होनी ही चाहिए कि दल-बदल करने वाले राजनेताओं के विरुद्ध चल रहे मामले अचानक कहीं खो क्यों जाते हैं या फिर अक्सर ऐसी कार्रवाई के बाद ही कोई राजनेता आयाराम गयाराम क्यों बन जाता है?

बहरहाल, दल-बदल की इस सारी राजनीति का एक पक्ष और भी है। राघव चड्ढा और उनके दलबदलू साथी कल तक भारतीय जनता पार्टी के कटु आलोचक थे। क्या यह बताना उनका कर्तव्य नहीं है कि इस दौरान ऐसा क्या हुआ कि उन्हें भाजपा अचानक इतनी अच्छी पार्टी लगने लगी कि वे 'गया राम' बन गये? राजनीति की जनतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता अथवा प्रतिनिधि चुनकर विधानसभा या संसद में भेजते हैं। उनके चुनाव का आधार सिर्फ व्यक्ति-विशेष ही नहीं होता, मतदान उस विचार के पक्ष-विपक्ष में भी होता है जिसे जानने-मानने का दावा राजनीतिक दल करते हैं। क्या दल-बदल करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों का यह दायित्व नहीं होना चाहिए कि वह उस मतदाता को भी विश्वास में लें जिसने उन्हें चुना है? कोई कानून इस आशय का भी बनना चाहिए जो मतदाता के 'अधिकार' को संज्ञान में ले।

- विश्वनाथ सचदेव

उदासी से बड़े सवाल

समूचा हिंदी जगत विनोद जी के जाने से उदास है, दुखी है। सब उन्हें अपनी-अपनी तरह से याद कर रहे हैं। उनकी कविताएं, ऑटोग्राफ, साथ की तस्वीरें, यादें सोशल मीडिया पर आ रही हैं। व्यक्ति ने कितना बड़ा जीवन जिया है यह उसके जाने के बाद और ज़्यादा समझ में आता है। लेकिन आज कुछ और कहना चाहती हूं, वह सच जो विनोद जी के घर जाने पर देखा, सुना महसूस किया। मैं और माया आंटी विनोद जी के घर पहुंचे। वही मौलश्री का पेड़, वही पंछियों का डेरा, वही झूला, वही कमरा लेकिन इंतज़ार करती वो आंखें कहीं नहीं थीं। शाश्वत इस बार भी हमेशा की तरह दरवाज़े पर इंतज़ार करते मिले। कमरे में विनोद जी नहीं थे, उनकी तस्वीर थी। माला चढ़ी तस्वीर। मैं उस तस्वीर को देखना नहीं चाहती थी। मैं मानना नहीं चाहती थी कि वो अब नहीं हैं। मानो मेरा न मानना सच भी हो सकता हो और वो धीरे-धीरे चलकर आयेंगे और मुस्कुराकर पूछेंगे आने में कोई परेशानी तो नहीं हुई? इधर सोशल मीडिया पर लोग उनकी अच्छी सेहत की दुआ कर रहे थे, अपना प्यार जता रहे थे उधर विनोद जी हर रोज़ अस्पताल की अव्यवस्था, डॉक्टर्स की लापरवाही और उदासीनता से जूझ रहे थे। वो फेफड़ों में पानी भरने की वजह से अस्पताल ले जाए गए थे लेकिन वे अपनी बीमारी की वजह से ज़िंदगी से नहीं हारे बल्कि अस्पताल में मिली बीमारियों, अव्यवस्था और लापरवाहियों की वजह से जीवन से हार गए। विनोद जी के साथ उनके अंतिम समय में हुई यह चिकित्सीय अव्यवस्था कई सवाल खड़े करती है। उनके बेहतर चिकित्सकीय प्रबंध की ज़िम्मेदारी राज्य और केंद्र सरकार की क्यों नहीं थी? शाश्वत यहां से वहां भटकते रहे, लोगों से प्रशासन से गुहार करते रहे लेकिन उनकी आवाज़ सुनी क्यों नहीं गई? स्थानीय मीडिया में, सोशल मीडिया की कुछ पोस्ट में जब मामला उछला, तब सुनवाई हुई लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। शाश्वत की हताश और उदास आंखें ज़ेहन से जा नहीं रहीं और उनका यह कहना कि 'मैंने तो अपने पिता को खो दिया है लेकिन किसी और के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए।' रुके हुए दुख के बांध को तोड़ ही देता है। उनके जाने से समूचा देश उदास है, हम सब उदास हैं लेकिन कुछ सवाल हैं जो इस उदासी से बड़े हैं। जवाब न जाने किसके पास हैं।

- प्रतिभा कटियार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ह्यूमन इंटेलिजेंस (भाग-1)

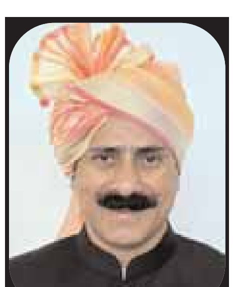

एडवोकेट डी.सी. सागर
भूतपूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक (पुलिस वीरता पदक का प्रथम बार और अन्य राष्ट्रीय व राजकीय सम्मानों से अलंकृत)

मानवीय बुद्धिमत्ता यानि ह्यूमन इंटेलिजेंस (एचआई) एक जैविक, विकासवादी उत्कृष्ट कृति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक गणितीय और कृत्रिम शक्ति के बीच के गहन द्वैत की पड़ताल करता है। इनके बाइनरी आधार से लेकर एपीआई सिनैप्स तक, और विकसित भारत 2047 के सामाजिक-कानूनी ढांचे के भीतर उनकी कार्यात्मक उपयोगिता की तुलना करते हुए, हम सेंटॉर इंटेलिजेंस का एक खाका तैयार करते हैं। यह मशीन की प्रशस्ति और मानवीय भावना का महिमामंडन है, जो प्रगति की एक साझा कहानी में पिरोया गया है।

दार्शनिक आधार: वेटवेयर से सिलिकॉन तक

वैश्विक बुद्धिमत्ता की वर्तमान स्थिति को समझने के लिए, हमें पहले दोनों नायकों के 'सोर्स कोड' की जांच करनी होगी। मानवीय बुद्धिमत्ता 'वेटवेयर' पर आधारित है, जो लाखों वर्षों के विकास का परिणाम है। मानव मस्तिष्क लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स का एक सघन नेटवर्क है, जो खरबों सिनैप्टिक कनेक्शनों के माध्यम से संवाद करता है। यह एक एनालॉग और गहराई से एम्बॉडीड प्रणाली है; यह केवल सूचनाओं को प्रोसेस नहीं करता, बल्कि उन्हें महसूस करता है। इसके विपरीत, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 'सिलिकॉन' की उपज है। इसका आधार बाइनरी सिस्टम है- वास्तविकता का 0 और 1 में अंतिम सरलीकरण। जबकि मानव मस्तिष्क इलेक्ट्रोकेमिकल संकेतों पर काम करता है, एआई ट्रांजिस्टर और लॉजिक गेट्स के बीच उच्च गति वाले संक्रमणों पर काम करता है। हालांकि, 2026 की तकनीकी विजय यह है कि हमने इस बाइनरी सादगी का उपयोग न्यूरल नेटवर्क बनाने के लिए किया है जो जैविक संरचनाओं की नकल करते हैं। हाई-डायमेंशनल वेक्टर स्पेस के माध्यम से, एआई अब मानवीय विचारों का गणितीय 'मैपिंग' कर सकता है। इस लेटेंट स्पेस में, शब्द और अवधारणाएं केवल डेटा पॉइंट नहीं हैं; वे एक बहु-आयामी ब्रह्मांड के निर्देशांक हैं जहाँ 'न्याय' और 'संविधान' के बीच के संबंध को कोसाइन सिमिलरिटी के रूप में मापा जाता है।

ऊर्जा का विरोधाभास: दक्षता बनाम पाशविक शक्ति

मानवीय बुद्धिमत्ता की प्रशंसा करने का एक सबसे सम्मोहक कारण इसकी ऊष्मप्रवैगिकी दक्षता है। मानव मस्तिष्क ज्ञात ब्रह्मांड का सबसे ऊर्जा-कुशल कंप्यूटर है। यह एक मध्यम शक्ति वाले एलईडी बल्ब से भी कम ऊर्जा पर मानवीय अनुभव का पूरा फुल-स्टैक जटिल कानूनी रणनीतियाँ, कविता की बारीकियां और शारीरिक संतुलन संपादित करता है। यह दक्षता 'स्पार्स डेटा लर्निंग' प्रतिमान से पैदा हुई है; मनुष्यों को सावधानी की भावना विकसित करने के लिए किसी 'घोटाले' के लाखों उदाहरण देखने की आवश्यकता नहीं होती है। भावना और परिणाम के साथ जुड़ा एक भी अनुभव जीवन भर के लिए एक विवेकपूर्ण सीख बनाने के लिए पर्याप्त है। इसके विपरीत, एआई कंप्यूटेशनल ब्रूट फोर्स की शक्ति का प्रमाण है। एक आधुनिक लार्ज लैंग्वेज मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए विशाल सर्वर फार्मों की आवश्यकता होती है जो मेगावाट बिजली की खपत करते हैं। एआई का 'लर्निंग मोड' डेटा का भूखा है। इसे मानवीय भाषा के सांख्यिकीय वितरण को समझने के लिए खरबों 'टोकन' की आवश्यकता होती है। जबकि हम भारतीय न्याय संहिता के पूरे संग्रह को सेकंडों में स्कैन करने की एआई की क्षमता का गुणगान करते हैं, यह क्षमता भारी ऊर्जा व्यय की कीमत पर हासिल की गई है। एचआई 'कम में ज्यादा' का मास्टर है, जबकि एआई 'ज्यादा में ही सब कुछ' का मास्टर है।

कार्यात्मक सिनैप्स: एपीआई की भूमिका

2026 के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में, एआई के लिए सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा एपीआई है। यदि न्यूरल नेटवर्क एआई का 'मस्तिष्क' है, तो एपीआई उसका कार्यात्मक सिनैप्स है। यह वह तकनीकी सेतु है जो एक स्वतंत्र गणितीय मॉडल को बाहरी दुनिया के साथ बातचीत करने की अनुमति देता है। रेस्टफुल या जीआरपीसी प्रोटोकॉल के माध्यम से, एपीआई एक मानकीकृत संचार परत के रूप में कार्य करता है। यह 'ब्लैक बॉक्स' मॉडल की जटिलता को इनपुट और आउटपुट के एक सरल सेट में बदल देता है। इंदौर बेंच (उच्च न्यायालय) के एक कानूनी पेशेवर के लिए, एपीआई वह है जो उनके शोध सॉफ्टवेयर को सर्वर को 'पिंग' करने, 'स्वर्ण त्रिभुज' (अनुच्छेद 14, 19, 21) के संबंध में एक मिसाल माँगने और जेएसओएन प्रारूप में एक संरचित प्रतिक्रिया प्राप्त करने की अनुमति देता है। जहाँ मनुष्य समाज के साथ बातचीत करने के लिए 'ऑर्गेनिक एपीआई' अपनी इंद्रियों और सामाजिक अंतर्ज्ञान का उपयोग करते हैं, वहीं एआई उपयोगी बनने के लिए इन तकनीकी प्रोटोकॉल पर निर्भर करता है। एपीआई ही वह गोंद है जो एआई को हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा फायरवॉल, बैंकिंग स्विच और न्यायिक ई-पोर्टल में एकीकृत करने की अनुमति देता है।

क्रमशः

हमारे लिए अब भी जंग जैसे हालात: ईरान

उधर, ईरान पर लंबी नाकेबंदी की तैयारी में अमेरिका

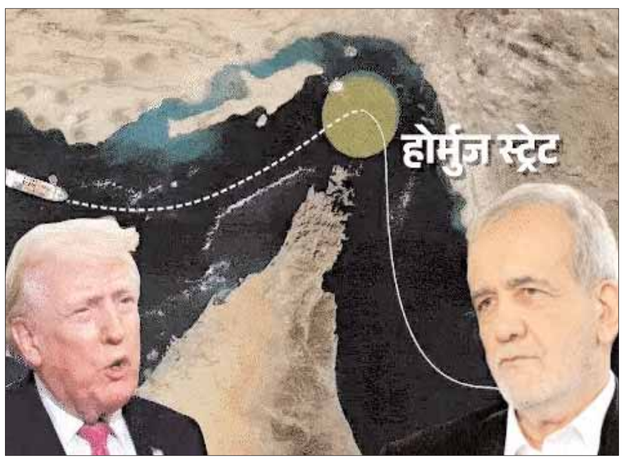

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान ने कहा है कि उसके लिए हालात अब भी जंग जैसे बने हुए हैं। प्रेस टीवी के मुताबिक ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने कहा कि ईरान मौजूदा हालात को सामान्य नहीं मानता है। उन्होंने कहा कि सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार मॉनिटरिंग और सर्विलांस कर रही हैं, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। ईरान ने दुश्मन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई नई कार्रवाई हुई, तो उसे नए हथियारों, नए तरीकों और नए मोर्चों पर जवाब दिया जाएगा।

उधर, डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने अधिकारियों को ईरान के खिलाफ लंबी समय तक के लिए नाकेबंदी की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार हाल की बैठकों में ट्रम्प ने ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखने का फैसला किया है।

इसके तहत ईरान के बंदरगाहों तक जहाजों की आवाजाही रोककर उसकी तेल सप्लाई और व्यापार को प्रभावित करने की योजना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ट्रम्प का मानना है कि दूसरे विकल्प जैसे फिर से बमबारी करना या इस संघर्ष से पूरी तरह हट जाना ज्यादा जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए उन्होंने नाकेबंदी जारी रखने को बेहतर रणनीति माना है। इस कदम का मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था और तेल निर्यात को और कमजोर करना बताया जा रहा है।

अमेरिका में वॉर पावर्स रेजोल्यूशन 1973 नाम का एक कानून है। इसके मुताबिक अगर राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सेना का इस्तेमाल करते हैं, तो उन्हें 60 दिन के भीतर संसद से अनुमति लेनी होती है। अमेरिका ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था लेकिन संसद में इसकी जानकारी 2 मार्च को दी थी। ऐसे में ट्रम्प के पास 1 मई तक का समय है कि वे यह मंजूरी हासिल करें।

अगर ऐसा नहीं होता, तो कानून कहता है कि उन्हें सैन्य कार्रवाई खत्म करनी होगी। मंजूरी हासिल करने के लिए अमेरिका की संसद, यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों से साधारण बहुमत से मंजूरी जरूरी होती है। अभी तक ऐसी मंजूरी नहीं मिली है। क्योंकि कम से कम 10 रिपब्लिकन सांसद जंग के खिलाफ हैं। नियम के मुताबिक अगर संसद मंजूरी नहीं देती, तो सैन्य कार्रवाई खत्म करनी चाहिए। लेकिन असल में मामला इतना सीधा नहीं है। पहले भी कई अमेरिकी राष्ट्रपति इस नियम को पूरी तरह नहीं मानते रहे हैं और इसे संविधान के खिलाफ बताते रहे हैं।

अमेरिका-ईरान में यहां फंसी बात

1. परमाणु कार्यक्रम : अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद कर दे। लेकिन ईरान कहता है कि अगर रोक लगानी है तो वह ज्यादा से ज्यादा 5 साल के लिए ही होगी, हमेशा के लिए नहीं।

2. यूरेनियम का भंडार : अमेरिका चाहता है कि ईरान के पास मौजूद 400 किलो एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका के पास आ जाए। ईरान ने इस मांग को साफ तौर पर ठुकरा दिया है।

3. होर्मुज का खोलना : ईरान कहता है कि जब तक अमेरिका उसके बंदरगाहों पर लगी पाबंदी नहीं हटाता, तब तक वह इस समुद्री रास्ते पर रोक बनाए रखेगा। वहीं अमेरिका कहता है कि जब तक पूरा समझौता नहीं होता, पाबंदियां नहीं हटेंगी।

4. फ्रोजन एसेट्स : ईरान चाहता है कि उस पर लगी पाबंदियां हटाई जाएं और उसके करीब 20 अरब डॉलर जो कि सीज कर लिए गए हैं, वापस किए जाएं।

5. युद्ध का हर्जाना : ईरान का कहना है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों से उसे जो नुकसान हुआ, उसके लिए करीब 270 अरब डॉलर का मुआवजा दिया जाए।

6. रीजनल इन्फ्लुएंस : अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने सहयोगी समूहों जैसे हिजबुल्लाह और हमास को समर्थन कम करे और अपने मिसाइल प्रोग्राम को भी सीमित करे। ईरान इसके लिए तैयार नहीं दिख रहा।

कौन है देश का सबसे पढ़ा-लिखा मुख्यमंत्री

नई दिल्ली

राजनीति में एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। लोग अपने मंत्री, सांसद या मुख्यमंत्री के एजुकेशन के बारे में जानने के लिए बेताब रहते हैं। जो नेता ज्यादा पढ़े- लिखें होते हैं जनता उन्हें ज्यादा पसंद करती है। कई राज्यों के मुख्यमंत्री न केवल राजनीतिक तौर पर मजबूत हैं बल्कि पढ़ाई के मामले में भी कई रिकॉर्ड बना चुके हैं। लेकिन क्या आपको ये मालूम है कि किस राज्य के मुख्यमंत्री सबसे पढ़े-लिखे हैं?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सबसे पढ़े-लिखे सीएम में पहले स्थान पर आते हैं। उन्होंने बीएससी से ग्रेजुएशन किया है। इसके बाद उन्होंने पॉलिटिकल साइंस से एमए किया। इन सब के बाद मोहन यादव ने एलएलबी और एमबीए मैनेजमेंट की पढ़ाई की। फिर पॉलिटिकल साइंस से पीएचडी भी पूरी की है।

असम के मुख्यमंत्री

इसके बाद नाम आता है असम के सीएम हिमंत बिस्वा शर्मा का आता है। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई गुवाहाटी के जाने-माने कामरूप अकादमी स्कूल से की। इसके बाद उन्होंने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया। इसी कॉलेज से उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया। इसके बाद उन्होंने उन्होंने बीआरएम गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस में पीएचडी की डिग्री हासिल की।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

इस लिस्ट में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शामिल हैं। उन्होंने जोगमाया देवी कॉलेज से हिस्ट्री में बीए और कलकत्ता विश्वविद्यालय से इस्लामी हिस्ट्री में एमए किया है। साथ ही उन्होंने श्री शिक्षायतन कॉलेज से बीएड और जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज से एलएलबी की डिग्री हासिल की है।

मेघालय के मुख्यमंत्री

इसमें मेघालय के मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई दिल्ली के मशहूर सेंट कोलंबा स्कूल से की है। उन्होंने अमेरिका की प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया के व्हार्टन स्कूल बीबीए और लंदन के पीरियल कॉलेज से एमबीए की पढ़ाई पूरी की है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी इस लिस्ट में मजबूती से खड़े हैं। उनके पास कानून (लॉ) की डिग्री है। साथ ही उन्होंने बिजनेस मैनेजमेंट और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में विशेष पढ़ाई की है, जो उनके प्रशासनिक कौशल में भी झलकता है।

पाकिस्तान में गुब्बारों में गैस भरकर खाना बना रहे लोग

कराची

पाकिस्तान के कराची शहर में गैस की भारी कमी के कारण लोग अब प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरकर खाना बनाने को मजबूर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लंबे समय से गैस लोड शेडिंग और कम प्रेशर की वजह से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। यह खतरनाक तरीका खास तौर पर कराची के ओरंगी टाउन इलाके में देखा गया है, जिसमें मोमिनाबाद भी शामिल है। वहां के लोगों का कहना है कि अनियमित गैस सप्लाई के कारण उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, लोग खास तरह के प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरते हैं। जब थोड़ी देर के लिए गैस सप्लाई आती है, तब इन गुब्बारों को भर लिया जाता है और बाद में दिन भर इन्हीं का इस्तेमाल करके खाना बनाया जाता है। ये गुब्बारे स्थानीय बाजार में भी करीब 1000 से 1500 रुपये में मिल रहे हैं। एक्सपर्ट्स ने इस तरीके को बेहद खतरनाक बताया है। सेफ्टी एनालिस्ट्स का कहना है कि प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरना 'मोबाइल बम' जैसा है, क्योंकि हल्की सी घर्षण, गर्मी या चिंगारी भी बड़ा विस्फोट करा सकती है। घरों के अंदर ऐसे गैस से भरे गुब्बारे रखना आग लगने के खतरे को बढ़ाता है, खासकर घनी आबादी वाले इलाकों में इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सप्लाई पर दबाव बढ़ा हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव के कारण ऊर्जा सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट जैसे अहम रास्तों पर भी असर पड़ा है।

कराची में कई सालों से गैस की कमी, कम दबाव और लंबी कटौती की समस्या चलती रही है। सर्दियों में तो हालत और खराब हो जाती है, क्योंकि उस समय मांग बढ़ जाती है और सप्लाई उतनी नहीं होती। इसी वजह से पहले भी लोग अलग-अलग जुगाड़ करते रहे हैं। घरेलू गैस बेहद ज्वलनशील होती है। अगर थोड़ी भी गैस लीक हो जाए और पास में चिंगारी, माचिस या बिजली का स्पार्क आ जाए, तो तुरंत आग या विस्फोट हो सकता है। इसी वजह से एक्सपर्ट्स इसे 'चलता-फिरता बम' कहते हैं।

हरियाणा का युवक अमेरिका में जिंदा जला

टेक्सास/करनाल। हरियाणा के एक युवक की अमेरिका के टेक्सास शहर में फूड स्टोर में लगी आग में जिंदा जलकर मौत हो गई। इस हादसे में पंजाब के मोहाली निवासी स्टोर मालिक विक्रांत की भी मौत हो गई। जिस समय आग लगी, उस वक्त युवक और स्टोर मालिक दोनों अंदर सो रहे थे। टेक्सास पुलिस के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी और पूरा स्टोर भी जलकर खाक हो गया। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। मृतक की पहचान करनाल के गंगाटेहड़ी गांव निवासी सुखविंद्र सिंह (22) के रूप में हुई है। वह परिवार का इकलौता बेटा था। परिजनों ने करीब 50 लाख रुपए खर्च कर उसे डंकी रूट के जरिए अमेरिका भेजा था।

ऑफिसर के हत्यारे का एनकाउंटर...3 पुलिसकर्मी घायल

पटना। बिहार के भागलपुर में कार्यकारी पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार की हत्या के बाद पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। हत्या के महज 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी रामधनी यादव पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। इस मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। घटना के बाद इस कार्रवाई की चर्चा हो रही है। दरअसल, मंगलवार को भागलपुर के सुल्तानगंज जिला परिषद कार्यालय में कार्यकारी पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात ने प्रशासनिक महकमे को झकझोर कर रख दिया था। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस को सूचना मिली कि इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी रामधनी यादव एक ठिकाने पर छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस की विशेष टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने उसे सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन रामधनी यादव ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से चली गोलियों में रामधनी यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, मुठभेड़ के दौरान तीन पुलिसकर्मी भी जख्मी हो गए। घायल आरोपी और पुलिसकर्मियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने रामधनी यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल पुलिसकर्मियों का इलाज जारी है।

मराठी सीखी या नहीं? 1 मई से होगी ऑटो-रिक्शा चालकों की चेकिंग

मुंबई

महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा चालकों पर मराठी को अनिवार्य बनाने के फैसले को लागू करने के लिए स्पेशल वेरिफिकेशन अभियान शुरू किया जाएगा। यह अभियान 1 मई से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा। जिसकी सूचना परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान के दौरान ड्राइवरों के लाइसेंस केवल मराठी न जानने के कारण रद्द नहीं किए जाएंगे। हालांकि, नियमों का उल्लंघन करने वालों और अवैध परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरनाईक ने कहा, कार्रवाई केवल मौजूदा कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही की जाएगी। यह अभियान राज्य के सभी 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में एडिशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर रविंद्र गायकवाड़ की अध्यक्षता वाली समिति की देखरेख में चलाया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने कहा, अगर कोई महाराष्ट्र में व्यापार करना चाहता है, तो मराठी जानना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी बताया कि ऑटो और टैक्सी यूनियनों के प्रतिनिधियों ने इस फैसले का पूरा समर्थन किया है। इसके साथ ही मीरा-भयंदर में हाल ही में चलाए गए एक विशेष अभियान का हवाला देते हुए सरनाईक ने कहा कि 3,443 ऑटो-रिक्शा का निरीक्षण किया गया, जिसमें 565 चालक मराठी भाषा जानने में असफल रहे। उन्होंने कहा, लेकिन इन ड्राइवरों ने भाषा सीखने की इच्छा दिखाई है। सरनाईक ने आगे कहा कि गायकवाड़ की अध्यक्षता वाली समिति इस अभियान की डेली और वीकली आधार पर निगरानी करेगी और निरीक्षण रिपोर्टों के आधार पर आरटीओ को निर्देश जारी करेगी। सरनाईक के अनुसार, मराठी सीखने के इच्छुक चालकों के लिए आरटीओ कार्यालयों में सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिसमें कोंकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ द्वारा ट्रेनिंग सपोर्ट दिया जाएगा। बुकलेट्स जैसी सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण पूरा करने वाले चालकों को राज्य सरकार द्वारा प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे, जिनकी आवश्यकता लाइसेंस रिन्यूअल के समय होगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सीता- द इनकार्नेशन : 5 साल से रिलीज के लिए तरस रही है कंगना रनौत की यह फिल्म

अक्सर देखा जाता है कि फिल्मी सितारे अपनी अपकमिंग फिल्मों का एलान बड़े ही धूमधाम से करते हैं, लेकिन कुछ मूवीज ऐसी रहती हैं, जो अनाउंसमेंट के बाद भी रिलीज नहीं हो पाती हैं।

इस कड़ी में भारतीय सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कंगना रनौत की एक बहुचर्चित फिल्म का नाम भी शामिल है, जिसकी घोषणा 5 साल पहले हुई थी। कंगना ने सोशल मीडिया पर अपनी उस मूवी का फर्स्ट लुक पोस्टर और टाइटल भी रिवील किया था। आइए जानते हैं कि यहां कौन सी फिल्म के बारे में जिक्र किया जा रहा है। फिल्मों की घोषणा और उनका डिब्बाबंद होना सिनेमा जगत में काफी पुराना चलन है। ज्यादातर सुपरस्टार इसका अनुभव अपने करियर में एक न एक बार जरूर करते हैं। ऐसा लग रहा है कि अब कंगना रनौत भी इस फेहरिस्त में शामिल होती हुई नजर आ रही हैं। दरअसल साल सितंबर 2021 में कंगना ने अपनी बहुचर्चित फिल्म सीता- द इनकार्नेशन का आधिकारिक एलान सोशल मीडिया पर किया था।

इस मूवी के फर्स्ट लुक पोस्टर के जरिए कंगना रनौत ने जानकारी दी थी कि इस मूवी में वह रामायण के पात्र माता सीता की भूमिका को निभाती हुई नजर आएंगी। ये एक पैन इंडिया रिलीज फिल्म होगी, जिसे हिंदी सहित साउथ की अन्य भाषाओं के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इतना ही नहीं सीता- द इनकार्नेशन के निर्देशक के तौर पर अलौकिक देसाई और लेखक के तौर पर केवी विजयेंद्र प्रसाद का नाम शामिल आया था। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई अहम जानकारी सामने नहीं आई और अब तक कंगना की सीता- द इनकार्नेशन सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तरस रही है। माना जा रहा है कि अगले साल 2027 में इस मूवी को लेकर कोई लेटेस्ट अपडेट सामने आ सके। मंडी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत की अगली फिल्मों के बारे में जिक्र किया जाए तो उनमें भारत भाग्य विधाता और तनु वेड्स मनु 3 का नाम शामिल है। इतना ही नहीं हाल ही में कंगना की मोस्ट अवेटेड मूवी क्वीन के सीक्वल भी घोषणा हुई है। ऐसे में आने वाले समय में अभिनेत्री इन मूवीज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी।

इच्छामृत्यु के मुद्दे पर गहरी चोट करती है मर्सी

पिछले महीने देश के इतिहास में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान की थी। अदालत ने 12 साल से अधिक समय से कोमा में चल रहे 32 वर्षीय हरीश राणा का लाइफ सपोर्ट (जीवनरक्षक मशीनें) हटाने की मंजूरी प्रदान की थी। गाजियाबाद के हरीश को नली के जरिए दवाएं, भोजन और पानी दिया जाता था। यह निर्णय उन परिवारों की पीड़ा का भी परिचायक था, जो अपने प्रियजनों को ऐसी अवस्था में देखते हुए कठिन निर्णयों से गुजरते हैं। आज सिनेमाघरों में रिलीज हो रही फिल्म मर्सी भी किसी व्यक्ति की असहनीय पीड़ा को खत्म करने के लिए उसके जीवन मुक्ति पर आधारित है। कहानी अमेरिका से मुंबई आए इंजीनियर शेखर (राज वासुदेव) के इर्दगिर्द है। शेखर और उसके छोटे भाई विहान (कुणाल भान) का पालन पोषण उनकी मां सुजाता (अर्पणा घोषाल) ने अकेले ही किया होता है।

विहान जब मां के गर्भ में था तभी पिता का निधन हो जाता है। पूरा परिवार खाने पर एकत्र होता है। इस दौरान विहान अपना म्यूजिकल बैंड शुरु करने की चाहत व्यक्त करता है। उसके लिए शेखर से आर्थिक मदद मांगता है, लेकिन वह इनकार कर देता है। दरअसल, विहान उससे पहले कई बार असफल हो चुका होता है। इसी दौरान शेखर की पत्नी जिया (निहारिका रायजादा) गर्भवती होने की खुशखबरी देती है। इसके बाद घटनाक्रम मोड़ लेते हैं। छह महीने से सुजाता कोमा में है। डॉक्टर भी उम्मीद छोड़ चुके हैं। शेखर असमंजस में है, जबकि जिया और विहान को लगता है कि वेंटिलेटर पर मां को रखना उसके कष्ट को बढ़ाना ही है। अंततः फादर (आदिल हुसैन) के मार्गदर्शन के बाद शेखरअहम फैसला लेता है। फिल्म के लेखक और निर्देशक मितुल पटेल ने अत्यंत गंभीर और संवेदनशील विषय को बिना नाटकीयता और भाषणबाजी के दर्शाने की कोशिश की है। उन्होंने उसे बोझिल नहीं बनने दिया है। असमंजस में फंसे शेखर को जब फादर एक बुजुर्ग दंपती की कहानी सुनाते हैं कि किस प्रकार यही प्रेम बाद में नफरत में भी बदल जाता है। वह दिल को छूता है। यह प्रसंग जिंदगी की कड़वी सच्चाई को बताने के साथ झकझोर भी जाता है। इसी तरह मां को वेंटिलेटर से हटाने को लेकर भाइयों के बीच टकराव और खर्च को लेकर चिंता जैसे दृश्य वास्तविक लगते हैं। अच्छी बात यह है कि 146 मिनट अवधि की यह फिल्म अपने मूल विषय पर ही केंद्रित रहती है। कलाकारों में शेखर के द्वंद्व, संवेदनशीलता और जिद को राज वासुदेव ने बहुत सहजता से निभाया है। कुणाल भान ने भी अपने पात्र के साथ न्याय किया है।

किशोर कुमार ने एक ही फिल्म के लिए गाए थे 6 गाने

45 साल पुराना महारिकॉर्ड आज भी कायम

किशोर कुमार को हिंदी सिनेमा के सबसे उम्दा सिंगर के तौर पर याद किया जाता है। अपने सुनहरे गायिकी करियर में उन्होंने एक से बढ़कर एक गीत को आवाज दी थी, जिन्हें आज भी श्रोता सुनना पसंद करते हैं। इस आधार पर आज हम आपको किशोर दा से जुड़ा एक अनोखा किस्सा बताने जा रहे हैं, जब उन्होंने एक ही फिल्म के लिए 6 गानों को गाया था। खास बात ये थी कि किशोर कुमार के वे सभी गाने सुपरहिट साबित हुए थे। आइए जानते हैं कि वह कौन सी फिल्म थी और कौन से गीत थे। 70 से लेकर 80 के दशक तक किशोर कुमार हिंदी सिनेमा के सबसे डिमांड वाले गायक बन गए थे। हर फिल्ममेकर्स चाहता था कि उनकी फिल्मों में किशोर दा का कम से कम एक गाना जरूर होना चाहिए। इसी तर्ज पर निर्देशक राकेश कुमार ने 1981 में अपनी फिल्म याराना के लिए किशोर कुमार को अप्रोच किया। लेकिन यहां बात सिर्फ एक नहीं बल्कि 6 गीतों की थीं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और अमजद खान संग अच्छी बॉन्डिंग के वजह से किशोर कुमार ने याराना के लिए हामी भर दी। इस तरह से 45 साल पहले आई इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के सभी सॉन्ग्स को किशोर कुमार ने अपनी मधुर आवाज दी। फिल्म याराना के सभी 6 गानों को किशोर कुमार ने गाया था। बता दें कि 45 साल बाद किशोर दा ये रिकॉर्ड कायम है और बहुत कम सिंगर्स ऐसे रहे हैं, जिन्होंने एक फिल्म के सभी गानों को गाया था। याराना फिल्म को आज भी अपने शानदार गीतों के लिए याद किया जाता है और श्रोता इन्हें सुनना बेहद पसंद करते हैं। यही कारण है कि मौजूदा समय में भी याराना के ये सभी सॉन्ग कल्ट माने जाते हैं।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने किया गेहूं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के निर्देश दिए

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को शक्ति कार्पोरेशन वेयर हाउस गुंदरई और ओम वेयर हाउस बौछार में गेहूं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गेहूं की नमी और एफ.ए.क्यू. गुणवत्ता का गेहूं का भी परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार खोबरिया सहित अन्य अधिकारी और किसान मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने शक्ति कार्पोरेशन वेयरहाउस गुंदरई स्थित गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि केन्द्र पर वर्तमान में 4 तौल-काटे संचालित हैं, जिस पर कलेक्टर ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो अतिरिक्त तौल-काटे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों के लिए छायादार बैठने की व्यवस्था एवं पेयजल व्यवस्था समुचित रखने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ओम वेयरहाउस बौछार का निरीक्षण किया। यहां भी किसानों के बैठने के लिए छायादार शेड एवं पेयजल की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रखने के निर्देश दिए। तौल प्रक्रिया को सुगम एवं त्वरित बनाने के लिए तौल-काटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने वेयरहाउस के अंदर जाकर पूर्व में संग्रहित गेहूं के स्टॉक का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान किसानों से अनुरोध किया है कि वे अपनी गेहूं की उपज को घर से ही ग्रेडर/ छन्ने से साफ- सफाई कर स्लॉट बुकिंग अनुसार निर्धारित दिवसों में खरीदी केन्द्रों में लेकर पहुंचे, जिससे खरीदी केन्द्रों के द्वारा गेहूं गुणवत्ता का परीक्षण कर एफएक्यू गुणवत्ता के मापदंड अनुसार गेहूं की खरीदी की जा सके। खरीदी केन्द्र परिसर से उपार्जन से संबंधित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराएं, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो।

बोदरी में माँ महाकाली प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर के समीप ग्राम पंचायत बोदरी स्थित सराठे कृषि फार्म में मां महाकाली प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमदभागवत कथा श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित की गईं। विदित हो कि मंदिर निर्माण के उपलक्ष्य में मां महाकाली, भगवान भोलेनाथ परिवार, श्री हनुमान जी, भैरव दादा एवं सिद्ध दादा की प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान से संपन्न हो हुई। कार्यक्रम के प्रेरणास्रोत स्व. भैया लाल सराठे को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए आयोजन किया गया । श्रीमद भागवत कथा का वाचन आचार्य शिवम दीक्षित द्वारा करते हुए प्रतिदिन भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओ के बारे में प्रवचन दिये गये जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने प्रतिदिन सहभागिता करते हुए लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। अंतिम दिन भंडारे में सभी ने प्रसादी ली।

आदि शंकराचार्य जी की जयंती पर बरमान में सम्पन्न हुआ विकासखंड स्तरीय व्याख्यान कार्यक्रम

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

आदि शंकराचार्य जी की जयंती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन बरमान में सम्पन्न हुआ। यह व्याख्यान कार्यक्रम मप्र जनअभियान परिषद विकासखंड चांवरपाठा के तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महंत श्री रघुनाथ दास जी ने बताया कि आदि शंकराचार्य जी ने अल्पायु में सम्पूर्ण भारत की चार बार पदयात्रा कर सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने देश के चारों दिशाओं में मठों की स्थापना कर सनातन धर्म का पुनरुत्थान किया और समाज को एकसूत्र में बांधने का संदेश दिया। जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा ने आदि शंकराचार्य जी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की प्रस्तावना विकासखंड समन्वयक श्रीमती माधवी पाठक ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद से जुड़ी नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं, परामर्शदाता और नागरिक मौजूद थे।

विश्व नृत्य दिवस पर काया द्वारा दिवंगत पार्श्वगायिका आशा भोंसले के गीतों पर आधारित नृत्यांजलि का आयोजन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो की संचालिका सुश्री इंदु सिंह द्वारा एक विशेष नृत्य आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय सिनेमा की महान पार्श्वगायिका आशा भोंसले को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अमर गीतों पर आधारित एक थीम प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में कोरियोग्राफर आस्था लखेरा ने आशा भोंसले के प्रसिद्ध नृत्य गीतों जैसे पान खाये सैया हमारो, झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में तथा कोई शहरी बाबू दिल लहरी बाबू पर मनमोहक नृत्य निर्देशन किया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से उन्होंने न केवल गीतों की लय और भाव को जीवंत किया, बल्कि, अपने नृत्य के जरिए उन गीतों की आत्मा को भी साकार रूप दिया। इन सभी नृत्य के माध्यम से केवल शारीरिक कौशल ही नहीं, बल्कि, आशा भोंसले के गीतों की गहराई और उनके विविध मनोभावों को भी दर्शाया गया। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में आशा भोंसले के अन्य लोकप्रिय गीतों पर भी नृत्यांजलि प्रस्तुत की गई, जिसमें भाव-भंगिमा, अभिव्यक्ति और कला का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। काया की सदस्यों आरती सिंह, मीना शर्मा, रानू श्रीवास्तव, प्रीति पटेरिया, अदिति नेमा, प्रीति सोनी, पूनम मंदाना, आभा नेमा, पूजा नेमा, सोनल नेमा एवं सपना कुशवाहा ने आशा जी के अन्य चुनिंदा गानों पर नृत्य करते हुए उनके प्रति अपना सम्मान और स्नेह व्यक्त किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विश्व नृत्य दिवस के महत्व को उजागर करना और भारतीय संगीत एवं नृत्य परंपरा को सम्मान देना था। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त साधिकाओं ने इस अनूठी प्रस्तुति की सराहना करते हुए इसे एक प्रेरणादायक प्रयास बताया। इस अवसर पर संचालिका सुश्री इंदु सिंह ने कहा, आशा भोंसले जी केवल एक गायिका नहीं, बल्कि एक संस्था हैं। उनके गीतों में जो ऊर्जा और भाव हैं, वे किसी भी नर्तक के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। विश्व नृत्य दिवस के बहाने उन्हें याद करना और उनके गीतों पर नृत्यांजलि देना काया के लिए सौभाग्य की बात है।

डीईओ ने किया नवाचारी शिक्षक केके राजोरिया द्वारा सुसज्जित प्रयोगशाला का अवलोकन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस स्थानीय पीएमश्री शासकीय बीटीआई स्कूल में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा ने रसायन शास्त्र के नवाचारी शिक्षक के के राजोरिया द्वारा सुसज्जित प्रयोगशाला को देखा। इस दौरान श्री राजोरिया ने उनके द्वारा वहां कराई जा रही गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी द्य श्री राजोरिया ने उन्हे आवर्त सारिणी, अम्ल क्षार के प्रयोगो सहित उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारो से अवगत कराया द्य इस अवसर पर श्री कुशवाहा ने कहा कि श्री राजोरिया द्वारा नवाचारों से सुसज्जित प्रयोगशाला अन्य स्कूलों के लिए एक आदर्श बन सकती है। इस अवसर पर बीईओ चीचली वीरेंद्र राजपूत, प्राचार्य सुनीता पटैल, राजेश दुबे सहित स्टॉफ के शिक्षक उपस्थित रहे।

सभी मंडियों में किसानों को असुविधा

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा नरसिंहपुर जिले की सभी मंडियों मैं जाकर किसानों को हो रही असुविधा पर अपनी चिंता व्यक्त की । नरसिंहपुर मंडी प्रांगण में व्यापारियों द्वारा अनाज जमा किया हुआ रखा है जिससे किसानों को द्वारा लाया गया अनाज इतनी भीषण गर्मी में खुले में रखना पढ़ रहा है एवं स्वयं भी खुले में बैठने पर मजबूर हैभारतीय किसान संघ की मांग पर एसडीएम एवं मंडी सचिव के द्वारा अनाउंस कराया गया कि व्यापारियों द्वारा मंडी पर रखा माल जल्दी से जल्द उठाने के निंदेश दिये।

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल आज सींगरी नदी के पट्टा घाट पर श्रमदान कार्यक्रम में होंगे सम्मिलित

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल गुरूवार 30 अप्रैल को सींगरी नदी के पट्टा घाट पर श्रमदान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल गुरूवार 30 अप्रैल को प्रात॰ 07 बजे सर्किट हाउस नरसिंहपुर से प्रस्थान कर प्रात॰ 07॰05 बजे नरसिंह मंदिर आएंगे और दर्शन एवं पूजन करेंगे। इसके पश्चात आप प्रात॰ 07॰50 बजे नरसिंह मंदिर से प्रस्थान कर प्रात॰ 08 बजे पुराना नरसिंहपुर स्थित सींगरी नदी के पट्टा (पटपटा घाट) आएंगे और यहां सींगरी नदी के पट्टा घाट पर श्रमदान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

कुलदेवी माता महालक्ष्मी जी एवं भगवान अग्रसेन महाराज की 29 वीं महाआरती

कटनी (स्वतंत्रमत)

कुलदेवी महालक्ष्मी जी एवं भगवान श्री अग्रसेन जी की महाआरती का क्रम निरंतर जारी है। महाआरती समाज में एक सकारात्मक ऊर्जा के साथ ही श्रृद्धा- भक्ति और समाज को एक जूट करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। भगवान श्री अग्रसेन जी के आदर्शों को आत्मसात कर एक-ईट एक-रुपये के सिद्धांत को अपनाकर समाज कल्याण की दिशा में भी अग्रसर हो रहा है। महाआरती में अग्रबंधु जजमानी कर पुण्य लाभ भी अर्जित कर रहे हैं। 29वीं महाआरती की जजमानी- विष्णु, संजय, आशीष, डॉ. राजुल अग्रवाल परिवार द्वारा की गई है समाज के अग्रजनो की उपस्थिति सराहनी रही। परसोत्तम अग्रवाल, अशोक, सुरेश चंद्र, नरवर, किशोर कुमार, स्वामी प्रसाद, कंछेदी लाल, अनूप, जीवनलाल, आनंद राज, श्याम बिहारी, रामकुमार, संजीव, अशोक, बंसल, अंबिकेश, भरत, हर्षवर्धन, गोपाल कृष्ण, जगदीश, अनुराग घनश्याम, राजकुमार, मोहन कुमार, अतुल, मुकुल मित्तल, वैभव, आशीष, सागर, ऋषि राज, कमलकांत, रविकांत, आकाश, हर्ष, शौर्य महिलाओं में आशा, रानी, पुष्पा, रेखा, उमा, अलका, सुमन, वर्षा, रीना, नेहा, नीति, रीता, आकांक्षा, किरण, सीमा, रश्मि, मीरा, सरिता, सीमा, निशा, संगीता, रश्मि, माया, निमिषा, शिल्पी, सरला मित्तल, श्वेता, पायल, चंचलकुमारी, सौम्या, कुमारी आन्या, कुमारी नबीका, महाआरती में शामिल होकर इस एतिहासिक पल के साक्षी बनें और महाआरती समूह द्वारा प्रारंभ इस अभिनव पहल से समाज को गौरान्वित कर रहे हैं।

समाज-सेवा के प्रेरणापुंज डॉ. प्रो. राजकुमार गुप्ता समाज रत्न से अलंकृत

कटनी (स्वतंत्रमत)। धर्मो रक्षति रक्षितः के पावन मंत्र से गुंजायमान पिपरिया की धरा पर 25-26 अप्रैल को गुप्ता एकता मंच रजि. श्री अयोध्यावासी वैश्य गुप्ता समाज समिति मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह परिचय सम्मेलन एवं समरसता महाकुंभ में सेवा-समर्पण की मिसाल बने अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रोफेसर राजकुमार गुप्ता, पिता स्व. रामदास गुप्ता कटनी को समाज रत्न की उपाधि से अलंकृत कर भावपूर्ण सम्मान दिया गया। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम एवं वैश्य शिरोमणि महाराजा मणिकुंडल जी के दिव्य सान्निध्य में शॉल-श्रीफल, अंगवस्त्र व प्रशस्ति-पत्र भेंट कर जब उनका अभिनंदन हुआ।

जीडीएक्स ग्रुप में 120 पदों पर भर्ती के लिए जिले में आयोजित होंगे पंजीयन/ प्लेसमेंट

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जीडीएक्स सिक्योरिटी सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट (जीडीएक्स ग्रुप नोएडा) द्वारा सुरक्षा जवान के 120 पदों पर भर्ती के लिए जिले के विकासखंड स्तरीय पंजीयन शिविर/ प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं से स्नातक, शारीरिक मापदंड, आयु 18 से 45 वर्ष, 168 सेमी ऊंचाई होना आवश्यक है। शेष शर्तें भर्ती अधिकारी एवं कम्पनी के मापदण्ड अनुसार लागू होंगे। जिले के विकासखंड स्तरीय पंजीयन/ प्लेसमेंट का आयोजन मुख्य मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद बावई चीचली में 6 मई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोटेगांव में 7 मई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सांईखेड़ा में 8 मई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करेली में 11 मई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चांवरपाठा में 12 मई और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नरसिंहपुर में 13 को आयोजित किये जायेंगे। ये पंजीयन/ प्लेसमेंट का आयोजन आयोजित किये जायेंगे।

गोवंश संरक्षण के लिए मांग तेज प्रधानमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

देशभर के नागरिकों गो-भक्तों और संत समाज ने गोवंश की सुरक्षा

सम्मान और सेवा के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

सम्पूर्ण भारत में देशी गोवंश की सुरक्षा, सेवा और राष्ट्रीय सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देशभर के नागरिकों, गो-भक्तों, कार्यकर्ताओं और संत समाज की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत निवेदन भेजा गया है। इस निवेदन में गोवंश संरक्षण के लिए केंद्रीय स्तर पर सख्त कानून बनाने और स्वतंत्र गो सेवा मंत्रालय की स्थापना की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में देश में गोवंश की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। तस्करी, अवैध वध और सड़कों पर भटकते निराश्रित पशुओं की समस्या लगातार बढ़ रही है, जिससे समाज में आक्रोश और चिंता का माहौल है। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार से ठोस और प्रभावी कदम उठाने की अपेक्षा की गई है। ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 48 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि गो-संरक्षण को केवल राज्य विषय तक सीमित रखने के बजाय केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप कर केंद्रीय गो सेवा एवं संरक्षण अधिनिय लागू करना चाहिए। साथ ही, देशभर में संचालित वधशालाओं पर सख्त कार्रवाई और उनके लाइसेंस निरस्त करने की मांग भी की गई है। इसके अलावा गोवंश को राष्टमाता या राष्ट्र आराध्या के रूप में संवैधानिक मान्यता देने, गो तस्करी और वध को गैर-जमानती अपराध घोषित करने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक प्रावधान लागू करने की मांग भी प्रमुख रूप से रखी गई है। ज्ञापन में गो आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है। इसमें पंचगव्य आधारित उत्पादों को कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रोत्साहन देने, स्कूलों के मध्याह्न भोजन और धार्मिक स्थलों में देशी गो उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने की बात कही गई है ।बुनियादी ढांचे के विकास के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में नंदीशाला और जिला स्तर पर गो अभ्यारण्य स्थापित करने, साथ ही राजमार्गों पर गोवंश के लिए एम्बुलेंस और ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्था करने का सुझाव भी दिया गया है ।शिक्षा के क्षेत्र में गो-विज्ञान को पाठ्यक्रम में शामिल करने और गोचर भूमि संरक्षण के लिए विशेष कानून बनाने की मांग भी उठाई गई है, ताकि गोवंश के लिए पर्याप्त चारा और सुरक्षित चरागाह उपलब्ध हो सके ।ज्ञापन के अंत में प्रधानमंत्री से आग्रह किया गया है कि वे इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र आवश्यक नीतिगत और विधिक निर्णय लें, जिससे गोवंश की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित हो सके।

चिलचिलाती धूप के बीच कलेक्टर ने किया 4 खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण

उपार्जन केन्द्रों में पंखा व छन्ना के माध्यम से करायें गेहूँ की सफाई

साफ-सुथरा व गुणवत्तायुक्त गेहूँ की करें खरीदी

जिले में अब तक 18 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ की हुई खरीदी

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी ने मंगलवार को बड़वारा, नन्हवारा सेझा, विलायतकला और अमाड़ी उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केन्द्रों में पंखा व छन्ना के माध्यम से गेहूँ की सफाई कराकर ही खरीदी की जाय। गेहूं उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। साथ ही उन्होंने किसानों को केन्द्रों पर बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर श्लोक वाइकर, जिला आपूर्ति अधिकारी सज्जन सिंह परिहार, तहसीलदार बड़वारा ऋषि गौतम, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी यज्ञदत्त त्रिपाठी मौजूद रहे। कलेक्टर ने गुणवत्तायुक्त गेहूँ खरीदने के सख्त निर्देश दिये और अमाड़ी उपार्जन केन्द्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने खुद कुछ बोरियों को खुलवाकर उनकी गुणवत्ता परखा और गेहूँ को पंखा और छन्ना से साफ करवाकर गेहूँ की तुलाई कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खरीदी केन्द्रों में मौजूद किसानों से चर्चा किया और पूछा- कोई समस्या हो तो बतायें। साथ ही उनसे खरीदी केन्द्रों में लाये गये गेहूँ की मात्रा और गेहूँ के बोये गये रकबे आदि के संबंध में जानकारी ली। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 कर दी गई है, ताकि अधिक संख्या में किसान स्लॉट बुकिंग कराकर गेहूं बेच सकेंगे। किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी न हो एवं उपज विक्रय के लिए इंतजार न करना पड़े इसके लिये किसानों को जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा उपलब्ध है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाएं आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं। कलेक्टर ने किसान भाईयों से अपील की है कि वे उपार्जन केन्द्र में छना हुआ साफ-सुथरा गेंहू लायें। उपार्जन केन्द्र में हर हाल में एफएक्यू गुणवत्ता का ही गेहूं खरीदा जाय। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि गेहूं की खरीदी निर्धारित मानक अनुसार की जाए।

9 मई तक किसान करा सकेंगे स्लॉट बुकिंग- लघु एवं सीमांत कृषकों के साथ-साथ मध्यम एवं बड़े किसानों के लिये भी स्लॉट बुकिंग प्रारम्भ कर दी गई है। स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई कर दी गई है। जिले में अब तक 6 हजार 134 किसानों से 18 हजार 691 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है और जिले में 24 हजार 743 किसानों से स्लॉट बुक कराया है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे खरीदी केंद्र में साफ-सुथरा गेंहू लायें।

जेपीव्ही डीएव्ही स्कूल में लगी आग, कंप्यूटर लैब सहित कमरों तक फैली आग

कटनी (स्वतंत्रमत)

कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत थाने के पीछे स्थित डीएवी पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार सुबह अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते स्कूल का कंप्यूटर सेंटर पूरी तरह जलकर राख हो गया, जबकि फर्नीचर और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को भी भारी नुकसान पहुंचा है। स्कूल में आगजनी की इस घटना ने स्कूल की सुरक्षा और आगजनी जैसी घटनाओं की पोल खोलकर रख दी है। भगवान का शुक्र था कि आगजनी की इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, अगर ऐसा कुछ होता तो फिर न जाने क्या हो जाता। जानकारी के अनुसार डीएवी पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में सुबह करीब 10:30 बजे स्कूल परिसर से धुआं उठता देखा गया, जिसके बाद तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बस स्टैंड जोन से एक फायर वाहन रवाना किया गया, जिसके बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक और फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचा। कुल दो फायर ब्रिगेड वाहनों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया, हालांकि तब तक कंप्यूटर सेंटर सहित स्कूल के कई कमरे आग की चपेट में आ चुके थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कंप्यूटर उपकरण, फर्नीचर और कुछ शैक्षणिक रिकॉर्ड पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है और स्कूल में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं। समय रहते राहत और बचाव कार्य शुरू होने से एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी और दहशत का माहौल रहा, लेकिन स्थिति अब नियंत्रण में है।

प्यासे की प्यास बुझाकर दी सच्ची श्रद्धांजलि

पं. सत्येंद्र पाठक की पुण्यतिथि पर नगर परिषद अध्यक्ष ने खोला प्याऊ

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ कर्मयोग सेवा त्याग और जनहित के पर्याय रहे स्वर्गीय पं. सत्येंद्र पाठक की पुण्यतिथि पर विजयराघवगढ़ नगर भावुक श्रद्धा में डूबा नजर आया। उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे ने नगरवासियों के लिए प्याऊ का शुभारंभ कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। यह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं था बल्कि उस व्यक्तित्व को याद करने का भावुक अवसर था जिसने अपने पूरे जीवनकाल में जरूरतमंदों की सेवा को ही अपना धर्म माना। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह की आंखें उस समय नम हो उठीं जब पं. सत्येंद्र पाठक के जनसेवा से जुड़े प्रसंगों को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बाबूजी ने हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता की। उनके द्वार से कोई भी जरूरतमंद खाली हाथ नहीं लौटा। उन्होंने अपने जीवन में न जाने कितनों की प्यास बुझाई कितनों के आंसू पोंछे और कितनों को सहारा देकर आगे बढ़ाया। नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे ने भावुक शब्दों में कहा कि पं. सत्येंद्र पाठक केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं थे बल्कि जन-जन के हृदय में बसने वाले ऐसे सेवाभावी व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य है। उनकी पुण्यतिथि पर प्याऊ की सौगात देकर हमने उनके सेवा भाव को आगे बढ़ाने का छोटा सा प्रयास किया है। बाबूजी को भुला पाना संभव नहीं उनका अपनापन त्याग और बलिदान आज भी हर दिल में जीवित है। उन्होंने कहा कि बाबूजी की जीवनगाथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उनका संघर्ष समर्पण और लोगों के प्रति आत्मीयता यह संदेश देती है कि सच्चा जनसेवक वही होता है जो जनता के सुख-दुख में हर समय खड़ा रहे। प्याऊ के शुभारंभ के साथ ही उपस्थित लोगों ने पं. सत्येंद्र पाठक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूरा वातावरण भावुकता और श्रद्धा से सराबोर हो उठा। नगरवासियों ने कहा कि बाबूजी भले आज हमारे बीच शारीरिक रूप से नहीं हैं। लेकिन उनकी यादें उनके विचार और उनके द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्य हमेशा जीवंत रहेंगे। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुवे उपाध्यक्ष हरिओम वर्मन पार्षदगण जनप्रतिनिधि नगर के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि पं. सत्येंद्र पाठक का जीवन समाजसेवा का ऐसा अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी पुण्यतिथि पर खोला गया यह प्याऊ मानो यही संदेश दे रहा था कि सेवा का प्रवाह कभी रुकता नहीं वह पीढ़ियों तक लोगों के जीवन को सींचता रहता है।

शिवलिंग निर्माण महारुद्र यज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन 16 मई से

कटनी

पावन पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर पूज्य डॉ. रजनीश शास्त्री के सान्निध्य में कटनी नगर में एक अत्यंत विराट एवं ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन शिवलिंग निर्माण महारुद्र यज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की सबसे विशेष और दुर्लभ बात यह है कि इसमें अष्टादश (18) महापुराण पारायण का भी आयोजन किया जाएगा, जो अपने आप में अत्यंत पुण्यदायी एवं विरले अवसरों में होने वाला धार्मिक अनुष्ठान है। साथ ही असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण का भी कार्यक्रम आयोजित होगा, जिससे यह आयोजन और अधिक भव्य एवं आध्यात्मिक महत्व का बन गया है। इसी क्रम में होटल इंद्र पैलेस, कचहरी चौराहा, कटनी में पूज्य रजनीश शास्त्री शिष्य मंडल द्वारा चौथी बैठक आयोजित की गई, जिसमें पत्रकार वार्ता के साथ-साथ शिष्य मंडल की विस्तृत बैठक संपन्न हुई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं अधिकाधिक धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। शिष्य मंडल द्वारा बताया गया कि इससे पूर्व आयोजन को सफल बनाने हेतु तीन महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। पहली बैठक मां जालपा मढ़िया में संपन्न हुई थी। इसके पश्चात दूसरी बैठक बजरंग बाल रामायण समाज भवन में आयोजित की गई, जिसमें मातृशक्ति की विशेष सहभागिता रही। वहीं तीसरी बैठक में पुरुष वर्ग के साथ विस्तृत चर्चा कर उन्हें आयोजन की जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। आयोजित चौथी बैठक में सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अंतिम तैयारियों को गति देने पर जोर दिया गया। आयोजन समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि यह भव्य धार्मिक आयोजन 16 मई से 22 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इसके पूर्व 15 मई 2026 को सायं 5 बजे से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो दक्षिणमुखी हनुमान मंदिरए कामनिया गेट, कटनी से प्रारंभ होगी। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन प्रात: 7 बजे से 10 बजे तक शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात सायंकाल 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक पूज्य डॉ. रजनीश शास्त्री द्वारा श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा एवं प्रवचनों का श्रवण कराया जाएगा। यह संपूर्ण आयोजन शंकर मंदिर, मसुरहा का बगीचा, शिव नगर, कटनी में संपन्न होगा। कार्यक्रम का आयोजन भागवत सेवा महारुद्र यज्ञ समिति एवं समस्त शिष्य मंडल, कटनी द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार नवाचार 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित

15 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन किए जा सकेंगे आवेदन

कटनी (स्वतंत्रमत)

शासकीय सेवाओं में नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार नवाचार वर्ष 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन सामान्य प्रशासन विभाग की वेबसाइट के माध्यम से किए जा सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। यह पुरस्कार 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के मध्य किए गए उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर प्रदान किया जाएगा। प्रदेश के समस्त शासकीय सेवक, जिनमें राज्य शासन के विभाग, विभागाध्यक्ष एवं उनके अधीनस्थ निगम, मंडल, बोर्ड तथा संस्थाओं में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं, इसके लिए पात्र होंगे। पुरस्कार के अंतर्गत नागरिक सेवा प्रदाय, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन, शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण, अधोसंरचना, सामाजिक समावेश एवं सशक्तिकरण तथा रोजगार एवं आर्थिक विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में किए गए नवाचारों को शामिल किया जाएगा। इस वर्ष कुल 15 पुरस्कार दिये जाएंगे। प्रत्येक चयनित को एक लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। एक ही कार्यक्षेत्र में एक से अधिक पात्र पाए जाने पर पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से वितरित की जाएगी। पुरस्कार संबंधी विस्तृत जानकारी सामान्य प्रशासन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सेवा, सादगी और समर्पण की मिसाल कर्मयोगी पं. सत्येन्द्र पाठक की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ सम्पन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। मानव सेवा की प्रतिमूर्ति, प्रकृति प्रेमी कर्मयोगी मध्यप्रदेश शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री स्वर्गीय पंडित सत्येन्द्र पाठक की पुण्यतिथि 28 अप्रैल को श्रद्धा, भक्ति और भावनात्मक वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजनों, गणमान्य नागरिकों एवं उनके अनुयायियों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके आदर्शों को याद किया। पं. सत्येन्द्र पाठक का सम्पूर्ण जीवन मानव सेवा, सादगी और समर्पण का प्रतीक रहा। वे सदैव समाज के हर वर्ग के लोगों के सुख-दुख के सच्चे साथी बने रहे। चाहे किसी जरूरतमंद की सहायता हो, सामाजिक कार्यों में सहभागिता हो या फिर प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता- उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी सकिय भूमिका निभाई। उनका सहज, सरल और विनम्र व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा और उन्होंने अपने कर्मों से समाज में एक अमिट छाप छोड़ी। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थितजनों ने उनके जीवन के प्रेरणादायी प्रसंगों को साझा करते हुए कहा कि पाठक ने निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा की और हमेशा लोगों के सुख-दुख में सहभागी बने रहे। उनके बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर कटाए घाट मोड़ पर सायना किड्स एवं आर के मोटर्स परिसर में आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहां सभी ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम सायं 5:30 बजे से प्रारंभ होकर प्रभु इच्छा तक श्रद्धा और सेवा भाव के साथ चलता रहेगा। आयोजकों ने अंत में सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सेवा, संस्कार और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। पं. सत्येन्द्र पाठक के आदर्श सदैव जनमानस को प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर आशीष पाठक, यश पाठक, मनीष पाठक, राकेश गौतम, दीपक जैन, गुड्डा जैन, अनुज तिवारी, निक्कू सलूजा, राजेन्द्र दुबे पप्पू पुलिस, रामजी पांडे, वरुण गौतम, अमन पाठक, रिजुल भसीन, सृजन सलूजा, सचिन तिवारी, सुमित अजमानी, नीरज नगरिया, राजू शर्मा, ध्रुव महेश्वरी, ऋषि अरोड़ा, अर्जुन तिवारी, प्रियंक अग्रवाल, लालू जैन, राजा सलूजा, मनीष लालवानी, रवि मिश्रा, अंकित अग्निहोत्री, कपिल भाटिया, राजू तनवानी सहित मित्र मंडल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मंदिर के अंदर घुसकर चोरी करने वाले चोरों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अति पुलिस अधीक्षक कटनी संतोष डेहरिया के कुशल निर्देशन एवं नेहा पच्चीसिया नगर पुलिस अधीक्षक कटनी के मार्ग दर्शन में थाना चौकी प्रभारी झिंझरी को मिली सफलता। 29 मार्च को प्रार्थी संतोष बर्मन पिता आशाराम बर्मन निवासी पिपरौध थाना माधवनगर का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट लेख कराया की हमारे घर के सामने हम लोगो पारिवारिक दुर्गा मंदिर बना हुआ है जिसमे दुर्गा माता की मूर्ती के ऊपर चांदी के छोटे बड़े 02 छत्र, माता जी गले मे सोने का मंगलसूत्र तथा चांदी की सुतिया पहने थी। 28 अप्रैल को मेरे घर मे बोरिंग हो रही थी तो मै रात करीब 1:30 बजे तक जग रहा था। 29 अप्रैल सुबह करीब 08:30 बजे पड़ोस की काजल पटवा जो कि रोज सुबह मंदिर की सफाई करती है आकर बताई कि मंदिर मे दुर्गा माता की मूर्ती के ऊपर चांदी के छोटे बड़े 02 छत्र, माता जी गले मे सोने का मंगलसूत्र तथा चांदी की सुतिया नही है कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया हैं। दौरान विवेचना थाना कोतवाली कटनी एवं थाना एनकेजे के चोरी के अपराध मे गिरफ्तार शुदा आरोपी प्रकाश उर्फ अभिषेक दुबे पिता गुड्डू उर्फ कृष्ण कुमार

दुबे उम्र 20 साल निवासी आनाथालय अयोध्या नगर चार लाईन भोपाल हाल उड़िया मोहल्ला एस.के.पी. थाना एन.के.जे., राहुल सोनी पिता स्व. पुरुषोत्तम दास सोनी उम्र 38 साल निवासी शांति मार्ग नम्बर उमरिया जिला उमरिया से पूछताछ की गयी जिन्होने चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी प्रकाश उर्फ अभिषेक दुबे आदतन अपराधी है जिसके विरुध्द थाना कोतवाली, कुठला, एन.के.जे, बडवारा, स्लीमनाबाद, जिला उमरिया, व सिहोरा मे कई संम्पत्ती संबंधी अपराध दर्ज है एवं थाना माधवनगर कटनी क्षेत्र के ग्राम पिपरौध के माता जी के मंदिर मे चोरी करना बताये जिनके कब्जे से 150 ग्राम चांदी एवं एक सोने जैसे धातू का लाकेट कीमती लगभग 95000 रुपए विधिवत जप्त किए गए है। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कटनी के समक्ष पेश कर जिला जेल कटनी में दाखिल कराया गया। आरोपीगण- प्रकाश उर्फ अभिषेक दुबे पिता गुड्डू उर्फ कृष्ण कुमार दुबे उम्र 20 साल आनाथालय अयोध्या नगर चार लाईन भोपाल हाल उड़िया मोहल्ला एस.के.पी. थाना एन.के.जे., राहुल सोनी पिता स्व. पुरुषोत्तम दास सोनी उम्र 38 साल निवासी शांति मार्ग नम्बर उमरिया जिला उमरिया बरामद शुदा मशरूका- 150 ग्राम चांदी जैसे धातू एवं एक सोने जैसे धातू का लाकेट कीमती लगभग 95000 रुपए।

जनसुनवाई बनी आमजन की समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम में आयोजित महापौर जनसुनवाई में आज नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं। शहर के अलग-अलग वार्डों से आए लोगों ने पेयजल, सड़क, स्वच्छता और अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के माध्यम से प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ, जिससे समाधान की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनी। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को महापौर प्रीति संजीव सूरी के समक्ष अपनी बात रखने का अवसर मिला। उन्होंने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इससे लोगों में विश्वास और संतोष की भावना देखने को मिली। कई नागरिकों ने मौके पर ही अपनी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया शुरू होने पर संतुष्टि भी जताई। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिससे कई मामलों में तत्काल निर्णय लेते हुए मौके पर ही आवश्यक निर्देश जारी किए गए। इस व्यवस्था के कारण नागरिकों को अलग-अलग शाखाओं में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी और एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं पर कार्रवाई शुरू हो गई। साथ ही प्राथमिकता वाले मामलों को चिन्हित कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित हो रही इस जनसुनवाई में नागरिकों की सहभागिता और नगर निगम के प्रति जवाबदेही और समयबद्ध कार्यवाही के चलते यह पहल शहरवासियों के लिए राहत का माध्यम बनती जा रही है।

प्लेऑफ़ में जगह पक्की करने पर होगी आरसीबी की नजर

अहमदाबाद (वार्ता)

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2026 प्लेऑफ़ की दौड़ में अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश करेगी, जब गुरुवार को यहाँ नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सीजन के 42वें मैच में उसका सामना गुजरात टाइटन्स से होगा। आरसीबी इस मुकाबले में जबरदस्त फ़ॉर्म में उतर रही है उसने अपने आठ में से छह मैच जीते हैं और 1.919 के शानदार नेट रन रेट के साथ पॉइंट्स टेबल पर दूसरे स्थान पर है। वहीं, गुजरात टाइटन्स का प्रदर्शन इस सीज़न में उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिसमें उसे चार जीत और चार हार मिली हैं, जिससे वह पॉइंट्स टेबल में बीच में फँसी हुई है और उसका नेट रन रेट भी नेगेटिव है।

बेंगलुरु की टीम ने इसी सीजन में पहले गुजरात टाइटन्स को पाँच विकेट से हराया था और इस बार भी वह अपनी बल्लेबाज़ी की ताक़त और अनुशासित गेंदबाज़ी के संतुलित तालमेल पर ही भरोसा करेगी। विराट कोहली 58.50 की औसत से 351 रन बनाकर

आरसीबी की बल्लेबाज़ी की रीढ़ बने हुए हैं, जबकि देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदार ने मध्यक्रम में आक्रामक अंदाज़ में उनका साथ दिया है। उनकी गेंदबाज़ी भी इस टूर्नामेंट में सबसे असरदार रही है; भुवनेश्वर कुमार अब तक 14 विकेट ले चुके हैं और जोश हेजलवुड लगातार मैच जिताने वाली गेंदबाज़ी कर रहे हैं। आरसीबी दिल्ली कैपिटल्स पर एकतरफ़ा जीत हासिल करके इस मैच में उतर रही है, जिसमें उसने अपने विरोधी को सिर्फ़ 75 रन पर ऑल आउट कर दिया था और फिर 6.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया था। हेज़लवुड ने 4/12 का प्रदर्शन किया, जबकि भुवनेश्वर ने 3/5 विकेट लेकर अपना दबदबा दिखाया। हालाँकि, गुजरात टाइटन्स चेन्नई सुपर किंग्स पर अपनी हालिया जीत से आत्मविश्वास हासिल करेगी। साई सुदर्शन ने 46 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि जोस बटलर और कप्तान शुभमन गिल ने भी लगातार रन बनाने का अपना सिलसिला जारी रखा। कगिसो रबाडा ने इस सीज़न में 13 विकेट लेकर गेंदबाज़ी की कमान बखूबी संभाली है। घरेलू मैदान का फ़ायदा होने के बावजूद, गुजरात टाइटन्स इस सीज़न में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए तीन मैचों में से सिर्फ़ एक ही जीत पाई है। जैसे-जैसे टूर्नामेंट अपने अहम पड़ाव पर पहुँच रहा है, उनकी यह बेजोड़ फ़ॉर्म उनके लिए चिंता का सबब बनी हुई है। अहमदाबाद की पिच से बल्लेबाज़ी के लिए मददगार होने की उम्मीद है, जहाँ आईपीएल की पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 180 रहता है। मौसम साफ़ और सूखा रहने की संभावना है, हालाँकि दूसरी पारी में ओस का असर पड़ सकता है। मेहमान टीम के पक्ष में चल रही लय और हालिया फॉर्म को देखते हुए, इस बड़े मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु थोड़ी ज़्यादा मजबूत दावेदार नजर आ रही है।

भारतीय भारोत्तोलकों ने एक स्वर्ण और तीन रजत जीते

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारतीय भारोत्तोलकों ने अपिया, समोआ में चल रही 2026 कॉमनवेल्थ यूथ और जूनियर वेटलिफ़्टिंग चैंपियनशिप के साथ-साथ यूनिवर्सल कप में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, और प्रतियोगिता के तीसरे दिन एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर अपने पदकों की संख्या में और इज़ाफ़ा किया। कॉमनवेल्थ यूथ और जूनियर चैंपियनशिप में बेलाना हरिका ने 69 किग्रा वर्ग में कुल 197 किग्रा (स्नैच में 86 और क्लीन एंड जर्क में 111 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण जीता जबकि करांगी तरंगिनि ने 63 किग्रा में कुल 179 किग्रा (स्नैच में 79 और क्लीन एंड जर्क में 100 किग्रा) वजन उठाकर रजत और भूमिका मोहिते ने 63 किग्रा में कुल 195 किग्रा (स्नैच में 86 और क्लीन एंड जर्क में 109 किग्रा) वजन उठाकर रजत जीता। यूनिवर्सल कप में अभिषेक निपाने ने 88 किग्रा वर्ग में कुल 324 किग्रा (स्नैच में 140 और क्लीन एंड जर्क में 184 किग्रा) वजन उठाकर रजत जीता। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष ने एथलीटों, कोचों और सहयोगी कर्मचारियों को उनके शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण के लिए बधाई दी। ये उपलब्धियाँ हमारे एथलीटों की दृढ़ता और प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। भारत वैश्विक भारोत्तोलन मंच पर अपनी स्थिति को लगातार मज़बूत कर रहा है।

बंगलादेश बनाम न्यूजीलैंड टी-20 मुकाबला बारिश में धुला

चटगांव (वार्ता)। बंगलादेश और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को यहां होने वाला दूसरा टी-20 मैच लगातार हो रही बारिश की भेट चढ़ गया। आज यहां जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में जैसा कि अनुमान था टॉस के तय समय पर स्टेडियम में भारी बारिश शुरु हुई और यह लगातार जारी रही, जिसके बाद अधिकारियों मैच को रद्द करने का फैसला किया। स्थानीय समयानुसार से अपराह्न बजे के आस-पास थोड़ी उम्मीद जगी जब बारिश कम होती दिखी।

सूर्यवंशी ने फिर किया ऑरेंज कैप पर कब्ज़ा

नयी दिल्ली (वार्ता)

जब भी पंजाब किंग्स या राजस्थान रॉयल्स का मैच आईपीएल 2026 में होता है, ऑरेंज कैप तालिका में बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं। मंगलवार रात न्यू चंडीगढ़ में जब दोनों टीमें आमने-सामने हुईं, तब भी यही देखने को मिला।

ऑरेंज कैप- वैभव सूर्यवंशी इस सीजन सबसे ज़्यादा रन बनाने वालों की सूची में फिर से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सिर्फ़ 16 गेंदों में 43 रन बनाए, जिसमें पांच छक्के शामिल थे। इसके साथ ही वह इस सीजन 400 रन के आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज़ बन गए। सीजन की शुरुआत 52, 31, 39 और 78 जैसी पारियों से करने के बाद सूर्यवंशी का प्रदर्शन थोड़ा धीमा पड़ा था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पिछली तीन पारियों में से दो में 46 और 103 का स्कोर बनाया है और अब ताज़ा पारी के बाद वह फिर से ऑरेंज कैप सूची में नंबर 1 पर हैं। उनके पीछे शीर्ष पांच में अभिषेक शर्मा (380 रन), केएल राहुल (358), विराट कोहली (351) और हेनरिक क्लासेन (349 रन) मौजूद हैं। वहीं मंगलवार को 44 गेंदों में 59 रन की पारी खेलने वाले पंजाब के प्रभसिमरन सिंह 346 रन के साथ छठे स्थान पर हैं।

प्रभसिमरन के कप्तान श्रेयस अय्यर 27 गेंदों में 30 रन बनाकर सीजन में कुल 309 रन तक पहुंच गए हैं और अब दसवें स्थान पर हैं।

पर्पल कैप- जोफ़्रा आर्चर ने न्यू चंडीगढ़ में प्रियांश आर्य का विकेट लेकर अपनी कुल विकेटों की संख्या 14 तक पहुंचा दी है, जिससे वह अब आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज और एसआरएच के इशान मलिंगा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। आर्चर की इकॉनमी रेट 8.27 है, जबकि भुवनेश्वर की 7.61, कंबोज की 8.56 और मलिंगा की 9.44 है। इनके पीछे 13 विकेट के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के प्रिंस यादव और गुजरात टाइटंस (जीटी) के कगिसो रबाडा मौजूद हैं।

विनेश फोगाट कुश्ती में वापसी पर 57किग्रा वर्ग में उतरेंगी

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल (वार्ता)

विनेश फोगाट कुश्ती में वापसी करते हुए अपना वेट क्लास बदलेंगी। वह गोंडा, उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट 2026 में 57किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता पेरिस 2024 ओलंपिक्स के बाद उनकी पहली उपस्थिति होगी, और जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले आगामी एशियाई खेलों के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता भी बनेगी। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने पेरिस 2024 ओलंपिक्स में गोल्ड मेडल मुकाबले के लिए तय वज़न (वेट) पूरा न कर पाने के एक दिन बाद ही संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालाँकि, दिसंबर 2025 में उन्होंने संन्यास का अपना फैसला बदल दिया और एल ए 2028 ओलंपिक्स पर अपनी नज़रें जमा लीं। मैट से दूर रहने के इस दौरान उन्होंने एक निजी उपलब्धि भी हासिल की,

जब पिछले साल जुलाई में विनेश माँ बनीं। प्रसिद्ध फोगाट बहनों में से एक विनेश, पेरिस 2024 में महिलाओं के 50किग्रा वर्ग के फाइनल तक पहुँची थीं, जहाँ उन्होंने लगातार कई शानदार जीत दर्ज की थीं। पेरिस 2024 के फाइनल तक पहुँचने के रास्ते में उन्होंने टोक्यो 2020 की चैंपियन जापान की यूई सुसाकी, 2019 यूरोपीय चैंपियनशिप की गोल्ड मेडलिस्ट यूक्रेन की ओक्साना लिवाच और पैन अमेरिकन गेम्स की विजेता क्यूबा की युसनेलिस गुज़्मैन को हराया था। विनेश ने चोटों और घरेलू प्रतिस्पर्धा, दोनों कारणों से अक्सर अपने वेट कैटेगरी बदले हैं। उन्होंने 48किग्रा वर्ग में शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने 2014 में एशियाई खेलों में कांस्य और 2015 में एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। इसके बाद रियो 2016 ओलंपिक्स की तैयारी के दौरान वह अलग-अलग वेट कैटेगरी में उतरती रहीं, और अंततः रियो में उन्होंने 48किग्रा वर्ग में ही हिस्सा लिया। इसके बाद के वर्षों में उन्होंने 55किग्रा और 53किग्रा दोनों वर्गों में प्रतिस्पर्धा की, और उन्हें सबसे बड़ी सफलता 53किग्रा वर्ग में ही मिली। विनेश ने 2018 के एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में 53किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीते थे। यही वह कैटेगरी है जिसमें उन्होंने अपने दोनों विश्व चैंपियनशिप पदक भी हासिल किए थे, और टोक्यो 2020 ओलंपिक्स में भी इसी वर्ग में हिस्सा लिया था। गोंडा में होने वाला आगामी इवेंट अब उनके वजन वर्ग में पाँचवें बदलाव का गवाह बनेगा – और 57 किलोग्राम वर्ग में यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी।

रुपया 14 पैसे गिरकर अबतक के दूसरे निचले स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया बुधवार को 14 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 94.82 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा का यह दूसरा निचला बंद स्तर है। इससे पहले 27 मार्च को यह 94.8525 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। पिछले कारोबारी दिवस पर 53 पैसे की गिरावट के साथ 94.68 रुपये प्रति डॉलर पर बंद होने वाला रुपया आज 94.79 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। इसका दिवस का उच्चतम स्तर 94.70 रुपये और निचला स्तर 94.8650 रुपये प्रति डॉलर रहा। अंत में यह 94.82 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी ने रुपये पर दबाव बनाया। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 5.3 प्रतिशत चढ़कर 117 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में 0.25 प्रतिशत की मजबूती से भी भारतीय मुद्रा कमजोर हुई है।

भारतीय पर्यटकों को भा रहीं अनजान और शांत जगहें : रिपोर्ट

नयी दिल्ली (वार्ता)

छुट्टियां बिताने के लिए पसंदीदा स्थान चुनने के भारतीय पर्यटकों के मानदंड बदल रहे हैं और अब वे ऐसी जगहों पर जाना चाहते हैं जहां कुछ नया अनुभव मिले और बहुत ज्यादा लोग न जाते हों। ब्रितानी सर्च एग्रीगेटर एवं ट्रेवल एजेंसी स्काईस्कैनर की यहां मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 81 प्रतिशत भारतीय पर्यटकों को नयी जगहों पर जाने से कोई गुरेज नहीं है जबकि 60 प्रतिशत से अधिक लोग कम भीड़-भाड़ वाली शांत जगहों को पसंद करते हैं। स्काईस्कैनर के भारतीय कारोबार के प्रमुख नील घोष ने यह रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि पहले

जहां लोग ज्यादातर ऐसी जगहों पर जाना पसंद करते थे जो प्रसिद्ध हों या लोकप्रिय हों, वहीं अब वे ऐसी जगहों को तरजीह दे रहे हैं जहां कम लोग जाते हैं, जहां कुछ नया अनुभव मिले और बिल्कुल अनजान जगहों पर जाने से भी नहीं कतराते हैं। उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे और नये पर्यटन स्थलों के उभरकर सामने आने का एक कारण यह भी है कि पहले जहां ये जगहें दुर्गम थीं अब इनके लिए परिवहन सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। श्री घोष का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण लोगों ने अपने गंतव्य जरूर बदले हैं लेकिन छुट्टियों पर बाहर जाना पूरी तरह टाला नहीं है। उन्होंने कहना है कि आम तौर पर भी अब पर्यटक अपने गंतव्य और समय को लेकर काफी लचीलापन दिखा रहे हैं। यही कारण है कि 48 फीसदी भारतीय पर्यटक अब नॉन-पीक टाइम यानी उन दिनों में भी सफर करने के लिए तैयार हैं जब भीड़ ज्यादा नहीं होती। रिपोर्ट के अनुसार, एक-तिहाई लोग छुट्टी रद्द करने की बजाय अपना गंतव्य बदलने के लिए तैयार हैं। f

इंडियन बैंक का चौथी तिमाही का मुनाफा पांच प्रतिशत बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 4.97 प्रतिशत बढ़कर 3,103 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक ने बुधवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की। चौथी तिमाही में ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 11.27 प्रतिशत बढ़कर 7,109 करोड़ रुपये और शुल्क से प्राप्त आय 19.04 फीसदी की वृद्धि के साथ 1,092 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। उसका परिचालन लाभ 5.32 प्रतिशत बढ़कर 5,286 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के दौरान कंपनी की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) एक साल पहले के 3.09 प्रतिशत से घटकर 31 मार्च 2026 को 1.98 प्रतिशत रह गयी। शुद्ध एनपीए भी 0.19 प्रतिशत से कम होकर 0.15 प्रतिशत रहा। पूरे वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने 12,156 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया जो सालाना आधार पर 11.33 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 6.91 फीसदी बढ़कर 26,915 करोड़ रुपये पर और परिचालन लाभ 4.83 फीसदी बढ़कर 19,916 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शेयर बाजारों में लौटी तेजी सेंसेक्स 609 अंक चढ़ा

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को एक बार फिर तेजी लौट आयी और बीएसई का सेंसेक्स 600 अंक से अधिक की बढ़त में बंद हुआ। सेंसेक्स की शुरुआत तेजी के साथ हुई और पूरे दिन यह हरे निशान में रहा। अंत में पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 609.45 अंक (0.79 प्रतिशत) चढ़कर 77,496.36 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक 181.95 अंक यानी 0.76 फीसदी की मजबूती में 24,177.65 अंक पर बंद हुआ। वृहत बाजार में मझौली कंपनियों के सूचकांक लाल निशान में रहे जबकि छोटी कंपनियों में लिवाली देखी गयी। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.06 प्रतिशत उतर गया। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.65 प्रतिशत की बढ़त रही। एफएमसीजी, रियलटी और ऑटो सेक्टरों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत के बीच चढ़े। आईटी, तेल एवं गैस, धातु और रसायन समूहों

में भी अच्छी तेजी रही। निजी बैंकों के सूचकांक जहां बढ़त में रहे वहीं सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर रहा। वित्त और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक भी गिरावट में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी का शेयर चार प्रतिशत के करीब मजबूत हुआ। टेक महिंद्रा में तीन प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर दो से तीन प्रतिशत तक चढ़े। सन फार्मा, एलएंडटी, अडानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनीलिवर, इंफोसिस, टीसीएस और बजाज फाइनेंस के शेयर एक से दो प्रतिशत तक ऊपर बंद हुए। कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन, पावरग्रिड, टाटा स्टील और बीईएल के शेयर भी हरे निशान में बंद हुए। इंडिगो का शेयर ढाई फीसदी और एनटीपीसी का डेढ़ फीसदी के करीब टूट गया। बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी नीचे बंद हुए।

औद्योगिक क्षेत्र पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव झलकने लगे हैं : रिपोर्ट

नयी दिल्ली (वार्ता)

वित्त मंत्रालय की बुधवार को जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के औद्योगिक क्षेत्र के कारोबार पर पश्चिम एशिया संकट का असर चालू वित्त वर्ष के प्रारंभ में दिखने लगा है और इस संकट के कारण उर्वरक क्षेत्र को गैस और रसायन आपूर्ति में रुकावटों का सबसे ज़्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। थोक मुद्रा स्फीति पर भी संकट का असर दिख रहा है, लेकिन खुदरा मुद्रास्फीति अभी मद्धिम बनी हुई है। अप्रैल 2026 माह की रिपोर्ट में कहा गया है कि कारोबारी माहौल नरम पड़ा है, जबकि ई-वे बिल की संख्या भले ही मार्च 2026 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी हो, लेकिन वृद्धि की दर नवंबर 2025 के लगभग 30 प्रतिशत के शीर्ष स्तर से नीचे आ गयी गयी है। रिपोर्ट के अनुसार समय -समय पर आने वाले अन्ये आंकड़े भी मार्च, 2026 में आपूर्ति पक्ष में कुछ नरमी का संकेत देते हैं। ऐसा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के शुरुआती असर के रूप में दिखता है। मासिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि, मांग पक्ष के संकेतक काफी हद तक मज़बूत बने हुए हैं और देश की अर्थव्यवस्था अब तक की नीतिगत प्रतिक्रिया ने लंबी अवधि की

प्राथमिकताओं से समझौता किये बिना भी तात्कालिक रुकावटों का सामना करने में समर्थ दिखती है। रिपोर्ट के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति मध्यम बनी हुई है1 मार्च में यह 3.4 प्रतिशत थी। घरेलू ईंधन की बढ़ती कीमतों से बचाने के लिए किये गये नीतिगत उपायों से खुदरा मंहगायी नीचे रखने में मदद मिली है। थोक कीमतों में बढ़ोतरी लागत-जनित दबावों के उभरने का संकेत देती है, जो अगर आपूर्ति में रुकावटें बनी रहीं, तो उपभोक्ता मुद्रास्फीति में बदल सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने सतर्क रुख बनाये रखा है, रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है, जबकि दूसरे दौर के प्रभावों पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है। सिस्टम में तरलता अधिशेष की स्थिति बनी हुई है और बैंक ऋण वृद्धि मजबूत और व्यापक आधार वाली है। गत 31 मार्च, 2026 तक, बैंक ऋण में साल-दर-साल 17.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, हालांकि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए ऋण की मांग और शर्तों के बारे में बैंकों के उत्साह को थोड़ा कम कर दिया है। वित्तीय अस्थिरता का हालांकि कोई खतरा नहीं है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का व्यापार प्रदर्शन, वैश्विक व्यापार के अस्थिर माहौल के बावजूद, मज़बूती दिखाता है। कुल निर्यात (वस्तुएं और सेवाएं) में साल-दर-साल 4.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 860.1 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, गैर-पेट्रोलियम निर्यात 387.8 अरब डॉलर के ऐतिहासिक शिखर पर पहुंच गया, जबकि सेवाओं का निर्यात पहली बार 400 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया, जो 418.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया। पश्चिम एशिया में संकट के प्रभाव मार्च 2026 के व्यापार आंकड़ों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं, जिसके दौरान कुल निर्यात और आयात में क्रमशः 4.6 प्रतिशत और 5.7 प्रतिशत की गिरावट आयी। वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही के नियमित मासिक श्रम-शक्ति सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि श्रम बाजार में धीरे-धीरे स्थिति मजबूत हो रही हैं। श्रमिकों की भागीदारी भागीदारी बढ़ रही है, बेरोज़गारी घट रही है और मासिक उतार-चढ़ाव एक सीमित दायरे में हैं। रोज़गार बाजार की संरचना में बदलाव आया है, और अब लोग नियमित वेतन वाले रोज़गार और गैर-कृषि गतिविधियों की ओर ज़्यादा झुक रहे हैं। इसके अलावा, नीति आयोग की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले एक दशक में महिलाओं की ऋण तक पहुंच में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है।

उद्यानिकी फसलों के रकबे का करें विस्तार : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने की उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं एवं फील्ड गतिविधियों की समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्यानिकी फसलें छोटी जगह से बड़ी कमाई करने का प्रभावी माध्यम है। प्रदेश के अधिकाधिक किसानों को इससे जोड़ा जाये। किसानों को सीज़नल और उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिए प्राकृतिक खाद का उपयोग कर जैविक खेती से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उद्यानिकी फसलों के माध्यम से किसानों की वास्तविक आय बढ़ाई जाए। किसानों की आय वृद्धि और उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिये योजनाबद्ध तरीके से उद्यानिकी फसलों और इनके जोत रकबे का साल-दर-साल विस्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी उद्यानिकी एवं मसाला फसलों की अंतर्राष्ट्रीय मांग बढ़ रही है। इसकी पूर्ति के लिए बाजार तलाशें, उद्यानिकी उत्पादों की भरपूर ब्रांडिग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यहां औषधीय गुणों से भरपूर फसलों की खेती भी बहुतायत में की जाती है। इनकी बड़ी संभावनाएँ है। औषधि निर्माण के लिए जरूरी इन फसलों की इन्टरनेशनल मार्केट में मांग अनुसार आपूर्ति के लिए पूरी सप्लाई चेन तैयार की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में हर साल नये-नये आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं अस्पताल खोले जा रहे हैं। इनमें देशी/आयुर्वेदिक दवाईयों की आपूर्ति में प्रदेश की औषधीय फसलों एवं उप-उत्पादों का भरपूर उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि मसाला फसलों के उत्पादन में हम पूरे देश में पहले स्थान पर है। यह उपलब्धि हमें इस क्षेत्र में और भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मंत्रालय में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विभागीय संचालित योजनाओं की प्रगति और हितग्राहियों को लाभ प्रदाय पर गहन चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि सिंहस्थ - 2028 के मद्देनजर उज्जैन में फूलों की खेती को प्रोत्साहन एवं विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए उज्जैन में सेंटर फॉर एक्सीलेंस फ्लोरीकल्चर की स्थापना की जा रही है। सेंटर स्थापना के लिए उज्जैन शहर के पास एक गांव में 19 एकड़ जमीन चिह्नित कर ली गई है। केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर समुचित समन्वय भी किया जा रहा है।

दुनिया में मिलेगी मप्र की उद्यानिकी फसलों को पहचान

बैठक में बताया गया गया कि वर्ष 2030 तक उद्यानिकी क्षेत्र का रकबा 30 लाख हेक्टेयर तक पहुंच जाएगा। बागवानी फसलों के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिएप्रदेश में हॉर्टिकल्चर प्रमोशन एजेंसी की स्थापना करने की कार्रवाई जारी है। मध्यप्रदेश के उद्यानिकी उत्पादों को दुनिया में पहचाना जाएगा। इसके लिए जी आई टैग दिलवाने की प्रक्रिया जारी है। विशेष रूप से जबलपुरी मटर, गुना का कुंभराज धनिया, बुरहानपुर का केला, रतलाम का रियावन लहसुन, खरगोन की मिर्च, इंदौर का मालवी आलू, बरमन भटा, छतरपुर का पान जैसे उद्यानिकी उत्पादों को जल्दी ही विशिष्ट भौगोलिक पहचान मिल जाएगी।

मध्यप्रदेश में हो रही मखाना की खेती

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में मखाना की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। मखाना क्षेत्र विस्तार योजना के तहत प्रदेश के 14 जिलों यथा नर्मदापुरम, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, रीवा, शहडोल, रायसेन, अनूपपुर, पन्ना एवं सतना में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मखाना उत्पादन का रकबा इस वर्ष बढ़ाकर 85.00 हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्र सरकार द्वारा मखाना उत्पादन की कुल परियोजना लागत (एक इकाई) पर 40 प्रतिशत तक की अनुदान सहायता दी जाती है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में इसी वर्ष जून माह में भोपाल में आम महोत्सव, जुलाई में खरगौन में मिर्च महोत्सव, सितम्बर में बुरहानपुर में केला महोत्सव, अक्टूबर में इंदौर में सब्जी महोत्सव, नवम्बर में ग्वालियर में अमरूद महोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही दिसंबर में ग्वालियर में मधुमक्खी पालन व्यवसाय के प्रोत्साहन एवं जागरूकता के लिए एक कार्यशाला/सेमिनार भी आयोजित की जाएगी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में प्रेसराईज इरीगेशन वाले जिलों में 15 हज़ार हैक्टेयर रकबे में सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्र का विस्तार भी किया जा रहा है। दो स्मार्ट बीज फार्म का विकास, सागर में झिला फार्म एवं देवास में कन्नौद फार्म विकसित किया जा रहा है। उद्यानिकी विभाग के अधीन 40 नर्सरियों का उन्नयन कर इन्हें पूरी तरह से हाईटेक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश की जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियां उद्यानिकी फसलों के लिए बेहद अनुकूल हैं, इसका पूरा लाभ उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्रवार विशेष फसलों की पहचान कर किसानों को उनकी खेती के लिए प्रोत्साहित करें। उद्यानिकी फसलों के रकबे में तेजी से वृद्धि के लिए किसानों को जोड़कर एक व्यापक कार्य योजना तैयार की जाए।

योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाकर इन्हें और प्रभावी बनायें। योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार की योजनाओं का लाभ पाने के लिए किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न होने पाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाना ही हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे। राज्य सरकार कृषि को आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण से हम किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की ओर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

किसी भी समय,कहीं भी उतर सकता है मुख्यमंत्रीजी का हेलीकॉप्टर

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में उपार्जन केंद्र पर चल रही गेहूँ उपार्जन की प्रक्रिया का आने वाले दिनों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और किसानों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यह भी देखेंगे कि निर्देशानुसार शासन-प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाएं किसानो को प्राप्त हो रही है या नहीं।

किसानों भाइयों के लिये उपार्जन केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाएँ

उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाएं आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं। किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी न हो एवं उपज विक्रय के लिए इंतजार न करना पड़े इसके लिये किसानों को जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसानों को गेहूँ की तौल के लिये इंतजार नहीं करना पड़े इस हेतु उपार्जन केन्द्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी गई है और अधिक तौल कांटे बडाने की सुविधा अब जिलो को दी गई है । गेहूँ के लिये एफएक्यू मापदंड में शिथिलता प्रदान की गई है। चमक विहीन गेहूँ की सीमा 50 प्रतिशत तक की गई है। सूकडे दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बडाकर 10 प्रतिशत तक की गई है। क्षतिग्रत दानों की सीमा बड़ाकर 6 प्रतिशत तक की गई है। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके इसके लिये बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूंटर, नेट कनेक्शन, कूपन ,गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ-सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। उपार्जन केन्द्र की क्षमता अनुसार उपज की तौल की जा सके एवं अधिक से अधिक किसानों से उपार्जन किया जा सके, इसके लिये उपार्जन केन्द्रों पर प्रतिदिन, प्रति उपार्जन केन्द्र पर गेहूं विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 2250 क्विंटल किया गया है , इसे जिले और अधिक बडा कर प्रति केन्द्र 3000 क्विंटल कर सकते हैं। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। किसानों की सुविधा के लिए खरीदी के लिये प्रत्येक शनिवार को भी स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन का कार्य जारी रहेगा। किसानों के हित में सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी किसानों तक पहुँचाने के उद्देश्य से जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार किये गये पोस्टर एवं बैनर उपार्जन केन्द्रों में लगाये गये हैं।

3 मई को आयोजित होगी नीट परीक्षा

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा 3 मई रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा जिले के तीन केंद्रों, केंद्रीय विद्यालय दमोह, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह तथा पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में संपन्न होगी।

भगवान की लीला बुद्धि का विषय नहीं है भक्ति ही जीवन का अंतिम सत्य है : शास्त्री

दमोह (स्वतंत्र मत)

नंदीवन मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिवस में कथा व्यास आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने कहा कि भगवान की लीला बुद्धि का विषय नहीं है भगवान तो भक्ति से प्राप्त होते हैं जो प्रेम उनको भजता है वह उन्ही को प्राप्त हो जाता है महाराजइक्ष्वाकु वंश के राजा मुचुकुन्द एक महान पराक्रमी और धर्मनिष्ठ राजा थे वे सत्य और धर्म के पालन में अटल थे एक समय देवताओं और असुरों के बीच भीषण युद्ध छिड़ गया उस समय देवताओं के पास कोई योग्य सेनापति नहीं था तब उन्होंने पृथ्वी पर आकर

मुचुकुन्द से सहायता मांगी राजा मुचुकुन्द ने अपना राज्य परिवार और सुख सुविधाएं त्यागकर देवताओं की सहायता के लिए युद्ध स्वीकार किया यह युद्ध बहुत लंबे समय तक चला इतना लंबा कि पृथ्वी पर युग बदल गया लेकिन मुचुकुन्द को इसका आभास भी नहीं हुआ। द्वापर युग में जब कंस का वध हो चुका था तब मथुरा पर एक नया संकट आया यवन राजा कालयवन अत्यंत शक्तिशाली और अहंकारी था उसने अपनी विशाल सेना के साथ मथुरा पर आक्रमण कर दिया कालयवन को यह वरदान था कि कोई भी यदुवंशी उसे युद्ध में पराजित नहीं कर सकता भगवान श्रीकृष्ण ने समझ लिया कि सीधे युद्ध में उसे हराना संभव नहीं है इसलिए उन्होंने एक अद्भुत लीला रची वे बिना शस्त्र उठाए युद्धभूमि से निकल पड़े मानो भयभीत होकर भाग रहे।

गर्मी से बचाव: सावधानियां अपनाएं, सेहत बचाएं

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके अठया ने बताया कि गर्मी के साथ लू और झुलसाने वाली तेज धूप की वजह से शरीर का तापमान बढ़ जाता है जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डॉ. अठया ने गर्मी से बचाव के संबंध में एडवाईजरी जारी करते हुए कहा है कि गर्मी से बचाव के लिए सावधानी, स्वच्छता और सही दिनचर्या अपनाना बेहद जरूरी है। समय पर ध्यान देने से निर्जलीकरण और अन्य बीमारियों से आसानी से बचा जा सकता है।

लाखों की चोरी का खुलासा : रिश्ते का साला निकला आरोपी, माल बरामद

हटा (स्वतंत्र मत)। थाना क्षेत्र अंतर्गत नवोदय वार्ड में रविवार की दरमियानी रात एक घर में लाखों रुपये की चोरी का मामला सामने आया। फरियादी मोती साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने बड़े भाई की बेटी की शादी में पास के एक मैरिज गार्डन में गए थे जबकि घर पर अन्य रिश्तेदार ठहरे हुए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घर में ठहरे सभी लोगों, विशेषकर संदिग्ध व्यक्तियों से अलग-अलग पूछताछ की। पूछताछ के दौरान हिंडोरिया निवासी मनीष साहू ने अपने एक बाल अपचारी साथी के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण और नगदी सहित चोरी गया माल जब्त कर लिया।

उद्योग की मांग के अनुसार ट्रेड्स का प्रशिक्षण देकर प्लेसमेंट कराना सुनिश्चित करें : टेटवाल

मंत्री टेटवाल ने 'आईटीआई चले हम' प्रवेश 2026 का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने 'आईटीआई चले हम' प्रवेश 2026 अभियान का शुभारंभ करते हुए प्रदेशभर में कौशल आधारित शिक्षा को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। मंत्री श्री टेटवाल ने इस अवसर पर आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न जिलों के आईटीआई संस्थानों की प्रगति, प्रशिक्षण व्यवस्था, प्लेसमेंट और विद्यार्थियों की सहभागिता का समग्र मूल्यांकन किया। मंत्री श्री टेटवाल ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल प्रवेश प्रक्रिया नहीं, बल्कि युवाओं को कौशल, आत्मनिर्भरता और रोजगार से जोड़ने का व्यापक प्रयास है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी आईटीआई संस्थानों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा प्राचार्यों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित हों, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार हो सके। समीक्षा के

दौरान प्लेसमेंट की स्थिति पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि उद्योगों की मांग के अनुरूप पाठ्यक्रमों को अद्यतन किया जाए और प्रशिक्षण को पूरी तरह प्रैक्टिकल एवं जॉब-ओरिएंटेड बनाया जाए। मैन्युफैक्चरिंग, टेक्सटाइल, ब्यूटी पार्लर, फूड प्रोसेसिंग सहित अन्य उभरते सेक्टर्स में रोजगारोन्मुख कोर्सेस को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए, जिससे अधिकाधिक युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही अवसर मिल सकें। विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंत्री श्री टेटवाल ने हॉस्टल सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन, जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहयोग उपलब्ध कराने तथा ड्रॉपआउट युवाओं को पुनः प्रशिक्षण से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने आईटीआई में बेटियों के प्रवेश को बढ़ावा देने और उनके लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी आई टी आई में शत प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करें। मंत्री श्री टेटवाल ने निर्देशित किया कि प्रशिक्षण के साथ सॉफ्ट स्किल्स, कम्युनिकेशन और इंटरव्यू प्रिपरेशन को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, जिससे विद्यार्थी रोजगार के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें। साथ ही, जिन संस्थानों में विद्यार्थियों की उपस्थिति और सहभागिता कम है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 29/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति आरती कुमारी पति सुनील कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 156 फेस-2 पार्ट-1 चैतन्य सिटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 2000291770 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1808 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज (1) श्री तेजिंदर सिंह (2) श्री नरेन्द्र सिंह पिता हरजीत सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

शपथ पत्र

मैं फिरदोस जहा (आयु 47 वर्ष) पति फखरूद्दीन मसूरी पिता शेख मेहमूद निवासी म. नं. पुराना-3029 नया 661 कटरा मस्जिद के पास वार्ड 50 शहीद अब्दुल हमीद, आधारताल जबलपुर म. प्र. 482004 आधार कार्ड नं. 9451 0494 2542 मो नं. 9303385084 मै शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करती/ता हूँ कि यह कि :- 1. यह कि, मैं उपरोक्त पते पर निवास करता/ती हूँ। 2. यह कि, मेरे भारत गणराज्य के पासपोर्ट में मेरा नाम आशिया फिरदोस (ASHIYA FIRDOS) एवं मेरे पति का नाम फखरूद्दीन (FAKHRUDDIN) दर्ज है। जो कि सही एवं सत्य है। 3. यह कि मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम फिरदोस जहां (FIRDOS JAHAN) एवं मेरे पति का नाम फखरूद्दीन मंसूरी (FAKHRUDDIN MANSOORI) दर्ज है। जो कि सही एवं सत्य है। 4. यह कि, मुझे आशिया फिरदोस (ASHIYA FIRDOS) और मेरे पति फखरूद्दीन (FAKHRUDDIN) एवं फिरदास जहां (FIRDOS JAHAN) तथा मेरे पति फखरुद्दीन मंसूरी (FAKHRUDDIN MANSOORI) मुझे और मेरे पति को उक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। अर्थात दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। 5. यह कि, भारत गणराज्य के पासपोर्ट में मेरा पूरा नाम फिरदोस जहां (FIRDOS JAHAN) एवं मेरे पति का पूरा नाम फखरूद्दीन मंसूरी (FAKHRUDDIN MANSOORI) फखरूद्दीन मंसूरी (FAKHRUDDIN MANSOORI) दर्ज कर लिखा एवं पढ़ा जावे। 6. यह कि मेरे द्वारा दी गई जानकारी अगर गलत या झूठी पाई जाती है तो उसका जिम्मेदार मुझ शपथकर्त्ता की स्वयं की होगी। 7. यह कि, उक्त आशय के संबंध में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्त्ता

जबेरा में आज से दो दिवसीय श्री नरसिंह महोत्सव का शुभारंभ

जबेरा (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं श्री नरसिंह सेवा समिति जबेरा के संयुक्त तत्वावधान में आज से दो दिवसीय श्री नरसिंह महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो रहा है। महोत्सव के प्रथम दिवस आज शाम 6 बजे देवालय से कार्यक्रम स्थल खेल ग्राउंड तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें संतगण, कलश यात्रा एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रहेगी। सुबह भव्य 21 पंडितों द्वारा हवन पूजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत शाम 7 बजे से 9 बजे तक स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके पश्चात रात 9 बजे से राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार ब्रजेश राव अपनी मनमोहक भजन प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भाव विभोर करेंगे। महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को प्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर की मधुर प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजन स्थल पर भव्य पंडाल एवं आकर्षक लाइटिंग की विशेष व्यवस्था की गई है जिससे कार्यक्रम की शोभा और बढ़ेगी।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 29/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) गनेश प्रसाद पिता सुदर्शन प्रसाद (2) निशा चौधरी पति गनेश प्रसाद ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 2074 ध-1 नई बस्ती कजरवारा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000387397 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 806 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री सुदर्शन प्रसाद पिता मनोहर लाल चौधरी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 29/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति प्रतिभा कुमारी मंडल पति श्री दिलीप कुमार मंडल ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. ए 17 चग्गर फार्म सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000383552 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1600 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री नवल किशोर पिता एस.पी. श्रीवास्तव का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 29/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री उल्ली पोटु लोकेश्वर राव पिता यू आवैया ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक म.नं. डी-7 मधुवन कालोनी तिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000378897 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 651 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 651 व.फु. प्रथम तल 651 व.फु. द्वितीय तल 661 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री सुखचैन सिंह पिता स्वर्ण सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना

(दस्तावेज गुम होने की सूचना)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शुभम जैन, पिता श्री देवचंद जैन, निवासी मकान नं. 713/1062, गुप्ता कॉलोनी, गढ़ा फाटक, जबलपुर के मालिकाना हक की संपत्ति के मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गए हैं। यह दस्तावेज दिनांक 23/05/1971 को पंजीकृत विक्रय पत्र (बनामा) है, जो गढ़ा फाटक से लार्डगंज जाते समय मार्ग में कहीं गिर गया है। दस्तावेज का विवरण निम्नानुसार है :-

संपत्ति का स्थान - मौजा जबलपुर नं. ब. 264, प.ह.नं. 24/1, तहसील व जिला जबलपुर। खसरा क्रमांक - 233, 234, 236, 237/2, 238, 239। क्षेत्रफल- 548 वर्गफुट पर निर्मित मकान। पंजीकरण विवरण- दस्तावेज क्र. 2169, पुस्तक क्र. अ/1, ग्रन्थ क्र. 3735, पृष्ठ क्र. 371 से 374। जिस किसी भी सज्जन को उक्त मूल रजिस्ट्री प्राप्त हो, वे कृपया मानवीय आधार पर नीचे दिए गए पते पर सूचित करने या दस्तावेज लौटाने का कष्ट करें।

-: संपर्क विवरण :-

नामः शुभम जैन
पता : म.नं. 713/1062, गुप्ता कॉलोनी, गढ़ा फाटक, जबलपुर (म.प्र.)
मोबाइल नंबर : 9424559553

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिव नगर दमोह नाका कालोनी जबलपुर में भवन क्र. **MIG-II-153** श्री जगदीश प्रसाद असाटी पिता श्री मुन्नालाल असाटी के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 26.03.2022 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री जगदीश प्रसाद असाटी पिता श्री मुन्नालाल असाटी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 11.03.2026 के माध्यम से श्रीमति कल्पना जैन पति श्रीकांत जैन को विक्रय किया है। अतः श्रीमति कल्पना जैन पति श्रीकांत जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण /(भवन/भूखण्ड) बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अदर लिखित मे वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तातरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 29/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महेन्द्र कुमार तेजा पिता हल्कूराम ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मीबाई के भवन क्रमांक 1070/1 पी पिंक सिटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000386707 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 570 व.फु. प्रथम तल 570 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री अमरप्रीत सिंह पिता गुरूचरण सिंह मकड का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

बरेला के ग्राम परतला में युवक पर की थी फायरिंग

गोलीकांड का दूसरा आरोपी भी पकड़ाया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरेला थाना क्षेत्रातंर्गत ग्राम परतला में विगत दिनों आयोजित लगुन कार्यक्रम में फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी विनोद पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी का परतला गांव में ही जुलूस निकाला है। इससे पूर्व पुलिस ने मुख्य आरोपी नितिन मिश्रा को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विगत 8 अप्रैल को परतला निवासी भरत पटेल के यहां लगुन कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान मुख्य आरोपी नितिन मिश्रा ने कपिल लोधी पर सरेआम फायरिंग कर दी थी।

चैकिंग के दौरान काटे गये कई घरों के कनेक्शन

बिजली उपभोक्ताओं की हुई रात भर चेकिंग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहपुरा में रात भर अधिकारीयों द्वारा नाइट चेकिंग की गई। कार्यपालन अभियंता नवनीत राठौर की उपस्थिति में सहायक अभियंता पाटन एवं लाइन स्टाफ की टीम बनाकर शहपुरा टाऊन में नाइट चेकिंग की गई। नाइट चेकिंग में ऐसे उपभोक्ताओं को चिन्हित किया गया जो लंबे समय से बिजली बिल जमा नहीं कर रहे थे। ऐसे उपभोक्ताओं के खिलाफ धारा 138 के तहत प्रकरण तैयार किया गया एवं समाधान योजना में छूट का लाभ उठाकर बिजली बिल जमा करने के लिए प्रेरित किया गया। पाटन संभाग के सभी वितरण केंद्रों में नाइट चेकिंग निरंतर जारी रहेगा।

राजस्थान पुलिस की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट का सख्त रूख

सीजीएम दर्ज करेंगे बयान, पुलिस की थ्योरी और बंदियों के दावों में बड़ा विरोधाभास, 12 मई को अगली सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

वसुंधरा राजे सिंधिया से जुड़े कथित वायरल पत्र विवाद में कांग्रेस आईटी सेल के तीन कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी का मामला अब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के गलियारों में पहुंच गया है। जबलपुर पीठ के समक्ष हुई ताजा सुनवाई में राजस्थान और मध्य प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। बुधवार 29 अप्रैल को मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने इस मामले की विस्तार से सुनवाई की। अदालत के आदेश पर पुलिस ने आरोपी बिलाल खान, इनाम अहमद और निखिल प्रजापति को व्यक्तिगत रूप से पेश किया।

पुलिस थ्योरी से उपजा विवाद

राजस्थान पुलिस ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए बताया कि तीनों कार्यकर्ताओं को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत ही हिरासत में लिया गया था। पुलिस के वकील ने दलील दी कि आरोपियों को पूर्व में अवैध रूप से नहीं पकड़ा गया था बल्कि 22 अप्रैल को दोपहर 1:10, 1:20 और 1:30 बजे क्रमानुसार गिरफ्तार किया गया। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी के तुरंत बाद ही उन्हें संबंधित मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर दिया गया था। सुनवाई में यह बात भी निकलकर आई कि तीनों आरोपियों को जमानत का लाभ मिल चुका है परंतु जमानत की औपचारिकताएं और बांड भरने की प्रक्रि या लंबित होने के कारण वे अभी जेल से बाहर नहीं आ सके हैं।

न्यायालय पहुंचे पुलिस से आला अधिकारी

इस हाई-प्रोफाइल मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान पुलिस के आला अधिकारियों का दल भी अदालत में मौजूद रहा। उपस्थित अधिकारियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामस्वरूप शर्मा, एसीपी बलराम चौधरी, सीआई संतरा मीणा और एसआई शेर सिंह प्रमुख थे। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता बी.डी. सिंह ने 28 अप्रैल की स्थिति का विवरण देने वाला एक पत्र और कुछ चुनिंदा सीसीटीवी फुटेज न्यायाधीशों के समक्ष प्रस्तुत किए। सरकार का कहना था कि उपलब्ध फुटेज में घटना की प्रासंगिक कड़ियां मौजूद हैं। हालांकि पुलिस के इन दावों को आरोपियों ने कोर्ट रूम के भीतर ही चुनौती दे दी।

पुलिस की बताई कहानी को किया खारिज

जब तीनों कार्यकर्ताओं को अपनी बात कहने का अवसर मिला तो उन्होंने पुलिस द्वारा बताई गई कहानी को सिरे से खारिज कर दिया। बिलाल, इनाम और निखिल ने अदालत को बताया कि वास्तविकता उस विवरण से बिल्कुल अलग है जो पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज की गई है। उनके बयानों से ऐसा प्रतीत हुआ कि मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस के बीच समन्वय और गिरफ्तारी के समय को लेकर कहीं न कहीं विरोधाभास है। इस स्थिति ने पुलिस की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। कोर्ट ने इन विरोधाभासी बयानों को गंभीरता से लेते हुए पूरी प्रक्रिया की तह तक जाने का निर्णय लिया है।

हाईकोर्ट ने लागाई फटकार

हाईकोर्ट ने मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया है कि वे तीनों कार्यकर्ताओं के अलग-अलग और विस्तृत बयान दर्ज करें। इन बयानों में प्रथम संपर्क से लेकर जेल भेजने तक की पूरी समयरेखा दर्ज की जाएगी। इसके अतिरिक्त जयपुर के डीआईजी क्राइम और भोपाल के डीसीपी क्राइम को आदेश दिए गए हैं कि वे एक सप्ताह के भीतर शपथ पत्र जमा करें जिसमें घटनाक्रम का पूरा ब्यौरा हो। अदालत ने अगली सुनवाई की तिथि 12 मई 2026 निर्धारित की है और सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों को पुन: उपस्थित रहने का आदेश दिया है।

डाउन सिंड्रोम प्रभावितों को मिले सम्मान और समान अवसर

जिनसार ने विक्टोरिया अस्पताल में किया जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस के उपलक्ष्य में जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज़ एंड रिसर्च द्वारा विक्टोरिया अस्पताल में एक विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान की प्राचार्य प्रभारी प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में डाउन सिंड्रोम के प्रति संवेदनशीलता और समावेशिता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की अनुमति और सहयोग के लिए आयोजकों ने विक्टोरिया अस्पताल के सीएमएचओ एवं सिविल सर्जन डॉ. नवीन कोठारी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल समन्वय नर्सिंग ट्यूटर सुश्री मनीषा विश्वकर्मा एवं सुश्री साक्षी पटेल द्वारा किया गया। जागरूकता अभियान के तहत बी.एससी. (नर्सिंग) द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने डाउन सिंड्रोम से प्रभावित व्यक्तियों के दैनिक जीवन की चुनौतियों और उनके प्रति प्रेम, देखभाल व सम्मान की आवश्यकता को बखूबी दर्शाया। नाटक देखने आए मरीजों और उनके परिजनों को यह संदेश दिया गया कि ये व्यक्ति भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें समान अधिकारों व अवसरों की आवश्यकता है।

संवाद से दूर की भ्रांतियां- प्रदर्शन के साथ-साथ नर्सिंग विद्यार्थियों ने अस्पताल में उपस्थित आमजन से सीधा संवाद किया और उन्हें डाउन सिंड्रोम की स्थिति के बारे में विस्तार से समझाया। इस गतिविधि से न केवल जनता जागरूक हुई, बल्कि भावी नर्सों के रूप में विद्यार्थियों के संचार कौशल और करुणामय देखभाल की समझ में भी वृद्धि हुई। संस्थान ने इस सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं और समन्वयकों के प्रयासों की सराहना की।

वयोवृद्ध पर डंडे से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंझौली पुलिस ने बताया कि हरदुआ खेरवा निवासी 72 वर्षीय केसरी प्रसाद प्रधान बीती रात अपने घर के सामने टल रहे थे। उसी समय पड़ोस में रहने वाला तेज सिंह उनके घर वालों का नाम लेकर गालीगलौज करने लगा, केसरी प्रसाद ने विरोध किया तो तेज सिह ने डण्डे से हमला कर उनके सिर में चोट पहुंचा दी, आसपास के लोग बीच बचाव करने पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया।

अमृत भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस नई ट्रेन सेवा की शुरुआत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 22589/22590 बनारस-हडपसर (पुणे)-बनारस के मध्य अमृत भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस नई ट्रेन सेवा की शुरुआत की गई थी। इस नई अमृत भारत ट्रेन का नियमित संचालन 02 मई 2026 से बनारस और 04 मई 2026 से हडपसर (पुणे) स्टेशन से प्रारम्भ हो रही है। यह नई ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के बीना, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी। जिसमें संख्या 22589 बनारस-हडपसर (पुणे) अमृत भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन 02 मई 2026 से प्रतिदिन प्रारम्भिक स्टेशन बनारस से शाम 18:15 बजे रवाना होकर, दूसरे दिन बीना सुबह 06:05 बजे, रानी कमलापति 08:07 बजे, नर्मदापुरम 09:16 बजे, इटारसी 10:20 बजे, हरदा 11:15 बजे और तीसरे दिन मध्यरात्रि 00:10 बजे हडपसर (पुणे) पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 22590 हडपसर (पुणे)-बनारस अमृत भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन 04 मई 2026 से प्रतिदिन प्रारम्भिक स्टेशन हडपसर (पुणे) से सुबह 07:50 बजे रवाना होगी।

टावर से कॉपर केबल तार चुरा ले गये चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खमरिया थाने में ग्वारीघाट भीम नगर निवासी बृजेश अवस्थी ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह एयरटेलज इंडस पावर में टैक्निशियन के पद पर कार्यरत है। ओएफके कालेज के बाजू से एवं टाईप-2 राम मंदिर के पीछे एयरटेल इंडस टावर में कॉपर के केबल तार लगे है, जिसे उसके द्वारा बारी बारी से चैक किया जाता है। 14 अप्रैल 26 की रात 8 बजे से 9 बजे बीच ओएफके कालेज के बाजू से कोई अज्ञात चोर टावर के गेट को तोड़कर गेट में लगा कॉपर केबल काटकर चोरी कर ले गया। इसी प्रकार 23 अप्रैल 26 की रात 2 बजे से 3 बजे के बीच टाईप-2 राममंदिर के पीछे बने टावर का गेट तोडकर अज्ञात चोर कॉपर कबेल चुरा ले गया है।

मंडल मंत्री के घर पर बमबाजी

मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कैंट थाना अंतर्गत सदर बाजार की गली नंबर-9 में रहने वाले भारतीय जनता पार्टी के मंडल मंत्री के घर पर मंगलवार-बुधवार की दरम्यिानी रात बम फेंके जाने का मामला सामने आया है। गनीमत यह रही कि बम फेंके जाने के बाद वहां भड़की आग पर स्थानीय लोगों ने समय रहते काबू पा लिया। उक्त घटनाक्रम के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। भाजपा मंडल मंत्री बंटी शिवहरे ने बताया कि मंगलवार-बुधवार की दरम्यिानी रात वह अपने सदर बाजार मकान नं 380 गली नंबर 9 स्थित मकान की तीसरी मंजिल पर परिवार के साथ सो रहे थे। रात दो बजे के करीब अचानक घर की बिजली चली गई। जब उन्होंने लाईट जाने का कारण जानने के लिए घर के बाहर झांक कर देखा तो, नीचे सड़क पर भीड़ लगी हुई थी। जिसके बाद वे तत्काल नीचे आये तो पड़ोसियों ने बताया कि अज्ञात तत्वों द्वारा उनके घर पर बम जैसा कुछ फेंका गया था। जिससे तेज धमाके के बाद आग लग गई थी। आग समीप ही खड़े दुपहिया वाहनों तक भी पहुंच गई थी, मगर समय रहते पड़ोसियों ने आग बुझा दी। बंटी शिवहरे ने बताया कि इस मामले में उनके द्वारा लिखित शिकायत कैंट पुलिस थाना प्रभारी को दी गई है। बंटी शिवहरे ने बताया कि उनका किसी से कोई विवाद नहीं है, फिर क्यों उनके घर में बम फेंके गए इसका खुलासा तो पुलिस जांच के बाद ही हो पाएगा।

जीआरपी की खंडहर बिल्डिंग की छत पर मिला शव

पुलिस ने जताई हत्या की आशंका, खिनाख्ती के प्रयास में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सेठी हॉस्पिटल के समीप स्थित जीआरपी के पुराने खंडहर भवन की छत पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मामले की जानकारी देते हुए सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को मोबाइल के माध्यम से सूचना मिली थी कि जीआरपी के पुराने भवन की छत पर एक शव पड़ा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जब मुआयना किया, तो पाया कि शव किसी पुरुष का है और लगभग 5 से 6 दिन पुराना हो चुका है। शव की स्थिति काफी खराब होने के कारण तत्काल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एफएसएल (फॉरेंसिक) टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। प्रारंभिक जांच और घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस इसे प्रथम दृष्टया हत्या का मामला मानकर चल रही है।

हत्या या हादसा जांच जारी- पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों को खंगाला जा रहा है ताकि मृतक की पहचान सुनिश्चित की जा सके। थाना प्रभारी के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह हत्या है, कोई हादसा या फिर प्राकृतिक मौत। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही है।

ताहिर अली मंडला विधानसभा के बने प्रभारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा कांग्रेस संगठन में नई नियुक्ति की गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता विवेक तन्खा की अनुशंसा पर अधिवक्ता सैयद ताहिर अली को मंडला विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया है। नियुक्ति के बाद सैयद ताहिर अली ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन के विश्वास पर खरा उतरते हुए क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेतृत्व द्वारा दिया गया यह अवसर उनके लिए गर्व का विषय है और वे संगठन की नीतियों व कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

स्कूटी सवार को घसीटता हुआ ले गया ट्रक, मौत

पाटन थानाक्षेत्र अंतर्गत हुआ दर्दनाक हादसा

आरोपी चालक के विरुद्ध मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पाटन थाना क्षेत्रातंर्गत एक भीषण सड़क हादसे में ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को रौंद दिया, जिसके बाद युवक ट्रक के पिछले टायर में फंसकर करीब पचास मीटर तक घिसटते रहा और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसा देख आसपास के लोगों ने पीछा कर ट्रक को रोका। जिसके बाद सूचना पर पुलिस पहुंची और आवश्यक कार्रवाई कर ट्रक को जब्त किया। वहीं आरोपी चालक को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पाटन पुलिस ने बताया कि सिवनी घंसौर के गुड़ार ग्राम निवासी रामसिंह गौड़ अनाज लेकर बिक्री के लिये आया था, जो कि स्कूटी लेकर अपने किसी काम से जा रहा था। जैसे ही वह जबलपुर-दमोह हाइवे में भाटिया पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा, उसी समय तेज रफ्तार ट्रक एमपी-09-3760 के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी।

मौके पर ट्रक छोड़कर चालक हुआ फरार

टक्कर के बाद रामसिंह ट्रक के पिछले चके में फंस गया और करीब पचास मीटर तक घिसटता रहा, जिसे देख राहगीरों की चीख निकल पड़ी और उन्होंने तत्काल ही ट्रक को रोकने के लिये उसका पीछा किया, दहशत में आया चालक और तेजी से वाहन को भगाने लगा और मौका वाहन खड़ा कर भाग निकला। जब तक लोग पहुंचे, तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए ट्रक को जब्त कर लिया। वहीं बताया जा रहा है कि आरोपी चालक को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है।

शराब के लिये रुपयों की मांग कर चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संजीवनी नगर पुलिस ने बताया कि तिलवारा शास्त्री नगर निवासी 28 वर्षीय राकेश विश्वकर्मा बीती रात लम्हेटा वायपास से फर्नीचर का काम करके अपने मामा के लड़के राहुल को छोडने दुर्गा नगर परसवाड़ा कालोनी जा रहा था। जैसे ही वह ग्राम अंधुआ रेलवे ब्रिज के पास पहुंचा, तभी पवन वंशकार अपने दो साथियों के साथ पहुंचा और उससे शराब पीने के लिये पांच सौ रुपये मांगने लगा। उसने रुपये देने से मना किया तो तीनों आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए मारपीट शुरु कर दी। इसी दौरान पवन वंशकार ने चाकू से हमला कर दाहिने हाथ की कोहनी के पास चोट पहुंचा दी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**